जबलपुर रविवार 7 जून 2026 > शक संवत 1948, ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष सप्तमी

वर्ष 31 अंक 338 मूल्य ₹ 3.00 > पेज 12 > आर.एन.आई. पंजीयन नम्बर 64561/96

www.swatantramat.com

स्वतंत्र मत

स्वतंत्र मत में विज्ञापन देने के लिए 9589920250 पर कॉल करें * स्वतंत्र मत का अंक प्राप्त करने के लिए 9301359695 पर कॉल करें।

मौसम
अधिकतम तापमान 40.1°C
न्यूनतम तापमान 26.8°C
सूर्योदय -5.24 | सूर्यास्त - 6.55

कंगना रनौत ने 'भारत भाग्य विधाता' की स्क्रीनिंग में भारत... ⏩ 7

जायंट्स ग्रुप ऑफ कटनी आहना ने किया पौधारोपण... ⏩ 9

क्रिकेट का 'वैभवशाली' रिकॉर्ड

सूर्यवंशी अब सीनियर टीम के लिए मचाएंगे धमाल, श्रेयस अय्यर को टीम की कमान

नई दिल्ली।

आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के अलावा एशियन गेम्स 2026 के लिए भारतीय टीम का सेलेक्शन 6 जून को हुआ। चयनकर्ताओं ने जो टीम चुनी है, उससे बड़े मैसेज निकलकर सामने आए हैं। आईसीसी मेन्स टी20 विश्व कप 2026 में भारत को चैम्पियन बनाने वाले कप्तान सूर्यकुमार यादव को ना सिर्फ कप्तानी से हटाया गया, बल्कि टी20 टीम से भी बाहर कर दिया गया। उनकी जगह श्रेयस अय्यर को टीम की कमान सौंपी गई है। सबसे बड़ी चर्चा 15 वर्षीय बल्लेबाजी सनसनी वैभव सूर्यवंशी को लेकर है, जिन्हें पहली बार भारतीय सीनियर टीम में मौका मिला है। आईपीएल 2026 में अपने तूफानी प्रदर्शन से सुर्खियां बटोरने वाले वैभव अब टीम इंडिया की जर्सी में नजर आएंगे। आईपीएल 2026 में सबसे ज्यादा चर्चा जिस खिलाड़ी की हुई, वो थे 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी। राजस्थान रॉयल्स के इस युवा बल्लेबाज ने 16 मैचों में 776 रन बनाकर ऑरेंज कैप जीता था। उन्होंने पूरे सीजन में 72 छक्के जड़े और क्रिस गेल का एक सीजन में सबसे ज्यादा छक्कों का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया। वैभव ने सिर्फ आईपीएल में ही नहीं, बल्कि अंडर-19 विश्व कप में भी अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया था। फाइनल में शतक लगाकर उन्होंने भारत को खिताब जिताने में अहम भूमिका निभाई थी। अब उन्हें शानदार प्रदर्शन का इनाम मिला है। पिछले कुछ दिनों से श्रेयस अय्यर के कप्तान बनने की खबरें सामने आ रही थीं और अब भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड ने इस पर आधिकारिक मुहर लगा दी। सिर्फ कप्तानी ही नहीं बदली है, बल्कि उप-कप्तान भी नया चुना गया है। अक्षर पटेल की जगह युवा बल्लेबाज तिलक वर्मा को उप-कप्तान बनाया गया है। यह फैसला साफ संकेत देता है कि भारतीय टीम प्रबंधन लॉस एंजेलिस ओलंपिक 2028 और अगले टी20 विश्व कप को ध्यान में रखते हुए युवा नेतृत्व तैयार करना चाहता है।

हार्दिक-रिंकू भी टीम का हिस्सा नहीं

टीम चयन में एक और बड़ा फैसला हार्दिक पंड्या को लेकर सामने आया है। इस स्टार ऑलराउंडर को आयरलैंड, इंग्लैंड और एशियन गेम्स तीनों स्क्वॉड से बाहर रखा गया है। माना जा रहा है कि चयनकर्ता अब उन्हें वनडे क्रिकेट और 2027 विश्व कप की तैयारियों पर फोकस करने देना चाहते हैं। वहीं मिडिल ऑर्डर बल्लेबाज रिंकू सिंह को भी टीम में जगह नहीं मिली है, जिनकी हालिया फॉर्म उतनी संतोषजनक नहीं रही थी। जसप्रीत बुमराह को आयरलैंड और इंग्लैंड सीरीज से आराम दिया गया है। वहीं आईपीएल 2026 में शानदार प्रदर्शन करने वाले तेज गेंदबाज प्रिंस यादव को पहली बार भारतीय टी20 टीम में जगह मिली है। आईपीएलस 2026 में 28 विकेट लेकर शानदार प्रदर्शन करने वाले अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार को भी चयनकर्ताओं ने टीम में जगह नहीं दी है।

बदलती सोच...मुखौटे में कॉकरोच

पेपर लीक और बेरोजगारी के खिलाफ जंतर-मंतर पर सीजेपी का प्रदर्शन

नई दिल्ली।

दिल्ली में शनिवार को युवाओं ने सरकार और सिस्टम के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के बैनर तले जंतर-मंतर पर जुटे सैकड़ों छात्रों और युवाओं ने विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की खामियों के खिलाफ आवाज बुलंद की। प्रदर्शन को देखते हुए दिल्ली में टाइट सुरक्षा व्यवस्था की गई और कई संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया। भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच

सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दीपके प्रदर्शन में शामिल होने के लिए सुबह दिल्ली पहुंचे। जंतर-मंतर पर उनके पहुंचने से पहले ही बड़ी संख्या में छात्र, युवा पेशेवर और अभिभावकों के साथ स्कूली छात्र प्रदर्शन स्थल पर एकत्र होने लगे थे। कई प्रतिभागी कॉकरोच के मुखौटे पहने हुए थे और उनके हाथों में फूल नजर आ रहे थे। प्रदर्शन में शामिल युवाओं ने शिक्षा व्यवस्था और भर्ती परीक्षाओं में कथित गड़बड़ियों को लेकर केंद्र सरकार से जवाबदेही की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने नारेबाजी करते हुए केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग भी उठाई। आयोजकों का कहना है कि यह आंदोलन छात्रों और युवाओं की चिंताओं को राष्ट्रीय स्तर पर सामने लाने का प्रयास है। प्रदर्शन से पहले दीपके ने समर्थकों से शांतिपूर्ण और अनुशासित तरीके से आंदोलन करने की अपील की। उन्होंने सोशल मीडिया 'एक्स' पर एक संदेश जारी कर प्रतिभागियों से राष्ट्रीय ध्वज और किताब साथ लाने का आग्रह किया, साथ ही पुलिसकर्मियों को करुणा और सम्मान के प्रतीक के रूप में फूल भेंट करने की अपील की। उन्होंने कहा कि यह आंदोलन प्रेम, शांति और लोकतांत्रिक मूल्यों के साथ आगे बढ़ाया जाना चाहिए।

धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे की मांग

प्रदर्शन में शामिल छात्रों और युवाओं ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे की जोरदार मांग उठाई। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि नीट, सीयूईटी, सीबीएसई और अन्य भर्ती परीक्षाओं में सामने आई कथित अनियमितताओं और पेपर लीक की घटनाओं ने लाखों छात्रों के भविष्य को प्रभावित किया है। उनका कहना है कि शिक्षा व्यवस्था में पैदा हुए इस संकट की नैतिक जिम्मेदारी शिक्षा मंत्री को लेनी चाहिए और जवाबदेही तय करने के लिए उन्हें अपने पद से इस्तीफा देना चाहिए। जंतर-मंतर पर जुटे युवाओं ने नारेबाजी करते हुए शिक्षा प्रणाली में पारदर्शिता और परीक्षा प्रक्रिया में सुधार की भी मांग की।

पुलिस ने 6 लोगों को हिरासत में लिया

दिल्ली पुलिस ने शनिवार को 'कॉकरोच जनता पार्टी' के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान दो गुटों के बीच संभावित टकराव को रोकने के लिए 6 लोगों को हिरासत में ले लिया। पुलिस ने बताया कि हिरासत में लेने की यह कार्रवाई कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए एहतियातन की गई, क्योंकि ऑनलाइन आंदोलन के समर्थन और विरोध में जुटे लोगों के बीच तनाव की आशंका की सूचना मिली थी। अधिकारियों के अनुसार, यह कदम स्थिति को नियंत्रित रखने और प्रदर्शन को शांतिपूर्वक संपन्न कराने के उद्देश्य से उठाया गया।

कई चर्चित हस्तियों का समर्थन

कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के जंतर-मंतर प्रदर्शन को कई चर्चित हस्तियों का समर्थन मिला। आंदोलन के संस्थापक अभिजीत दीपके के साथ सामाजिक कार्यकर्ता और शिक्षा सुधार के पक्षधर सोनम वांगचुक भी प्रदर्शन में शामिल हुए और छात्रों की मांगों का समर्थन किया। सीपीआई(एम) लिबरेशन के जनरल सेक्रेटरी दीपांकर भट्टाचार्य ने भी दिल्ली के जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी के बैनर तले युवाओं की मांगों के समर्थन में आयोजित बड़े विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लिया। वहीं अभिनेता प्रकाश राज ने भी प्रदर्शन से पहले आंदोलन के प्रति एकजुटता जताई थी।

इंदौर में जुटे 15 देशों के राजदूत और निवेशक

इंदौर। इंदौर में शनिवार को भारत-लैटिन अमेरिका एवं कैरेबियन व्यापार एवं निवेश फोरम-2026 का भव्य शुभारंभ मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने किया। इस अंतरराष्ट्रीय आयोजन में 15 देशों के राजदूतों, उच्चायुक्तों और प्रतिनिधियों सहित 350 से अधिक निवेशक, उद्योगपति, निर्यातक और वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी शामिल हुए। फोरम का उद्देश्य भारत और लैटिन अमेरिकी देशों के बीच व्यापार, निवेश तथा औद्योगिक सहयोग को नई दिशा देना है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि देवी अहिल्याबाई होल्कर की नगरी इंदौर में इस महत्वपूर्ण आयोजन का होना प्रदेश के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत तेजी से विकसित राष्ट्र बनने की ओर अग्रसर है और ऐसे समय में विभिन्न देशों के प्रतिनिधियों का मध्यप्रदेश में आना प्रदेश की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि मालवा क्षेत्र अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, औद्योगिक संभावनाओं और आधुनिक बुनियादी सुविधाओं के कारण वैश्विक निवेशकों को आकर्षित कर रहा है। मध्यप्रदेश आज देश के सबसे तेजी से उभरते निवेश केंद्रों में शामिल है। यहां निवेशकों के लिए अनुकूल वातावरण मौजूद है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत और लैटिन अमेरिकी देशों के बीच आर्थिक और सांस्कृतिक संबंध लगातार मजबूत हो रहे हैं। मीडिया से चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्य प्रदेश में निवेश को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने निवेशक-अनुकूल नीतियां लागू की हैं। प्रदेश में विशाल लैंड बैंक, पर्याप्त बिजली उपलब्धता, बेहतर सड़क नेटवर्क और सुगम औद्योगिक प्रक्रियाएं निवेशकों को आकर्षित कर रही हैं। उन्होंने कहा कि यह मंच प्रदेश के युवा उद्यमियों को वैश्विक बाजारों से जोड़ने का अवसर प्रदान करेगा तथा मध्यप्रदेश के उत्पादों और सेवाओं को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

मुख्यमंत्री ने भारत-लैटिन अमेरिका व्यापार एवं निवेश मंच का शुभारंभ किया

अन्नामलाई के आंदोलन से 10 लाख लोग जुड़े

समर्थन में तमिलनाडु भाजपा उपाध्यक्ष ने भी दिया इस्तीफा

चेन्नई। तमिलनाडु भाजपा के पूर्व अध्यक्ष के अन्नामलाई ने अपने आंदोलन 'इधु नम्मा इयक्कम' को शुरुआत में ही बड़ा जनसमर्थन मिलने का दावा किया गया है। अन्नामलाई के अनुसार, आंदोलन शुरू होने के 10 घंटे के भीतर 10 लाख से ज्यादा लोगों ने रजिस्ट्रेशन कराया है। अन्नामलाई ने इसे लोगों का आंदोलन बताते हुए कहा कि यह राज्य के भविष्य को लेकर साझा सोच और मिशन का प्रतीक है। उनका कहना है कि पहले इस आंदोलन को खड़ा किया जाएगा, कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित किया जाएगा और बाद में इसे राजनीतिक पार्टी में बदला जाएगा। अन्नामलाई ने 2 जून को भाजपा की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था।

इसकी चिट्ठी शुक्रवार को सामने आई। अन्नामलाई के समर्थन में भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष करु नागराजन ने भी पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में कहा- मैंने और कई भाजपा नेताओं ने अन्नामलाई का समर्थन करने का फैसला किया है। अन्नामलाई ने भाजपा से इस्तीफा देने के बाद 5 जून को नई पार्टी बनाने की घोषणा की।

'आर्थिक रफ्तार और सेवा में सुधार'

प्रधानमंत्री मोदी की इकोनॉमिक एडवाइजरी काउंसिल के साथ मीटिंग

नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को इकोनॉमिक एडवाइजरी काउंसिल (पीएम-ईएसी) की बैठक की अध्यक्षता की, जहां बढ़ती वैश्विक अनिश्चितताओं और भू-राजनीतिक तनावों के बीच भारत की आर्थिक रफ्तार को बनाए रखने की रणनीतियों पर चर्चा की गई। सूत्रों के अनुसार, बैठक में आर्थिक विकास को मजबूत करने, अर्थव्यवस्था की मजबूती बढ़ाने, देश में 'ईज ऑफ लिविंग' और 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' को बेहतर बनाने के लिए सुधारों को तेज करने से जुड़े कई सुझावों और नीतिगत उपायों पर विचार किया गया। काउंसिल के सदस्यों ने वैश्विक अर्थव्यवस्था की बदलती परिस्थितियों की समीक्षा की, इसके साथ ही पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के भारत और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर संभावित प्रभावों का आकलन किया गया। जानकारी के मुताबिक, चर्चाओं में भू-राजनीतिक अस्थिरता के ऊर्जा बाजारों, आपूर्ति श्रृंखलाओं, महंगाई और वैश्विक व्यापार प्रवाह पर संभावित प्रभाव को शामिल किया गया, ये सभी मुद्दे दुनिया भर के नीति-निर्माताओं के लिए प्रमुख चिंता का विषय बने हुए हैं। बता दें यह विचार-विमर्श ऐसे समय में हो रहा है, जब सरकार ऊर्जा आपूर्ति को लेकर बढ़ती अनिश्चितता और भारत सहित प्रमुख आयातक देशों पर इसके संभावित प्रभाव के बीच क्षेत्र में हो रहे घटनाक्रमों पर बारीकी से नजर रख रही है। बताया जा रहा है कि काउंसिल ने उन उपायों पर भी चर्चा की जो घरेलू आर्थिक गतिविधि को मजबूत करने, निवेश को समर्थन देने, उत्पादकता बढ़ाने और व्यवसायों के लिए अधिक अनुकूल वातावरण बनाने में मदद कर सकते हैं। बैठक के दौरान अनुपालन संबंधी बोझ को कम करने, सेवा वितरण में सुधार करने और नागरिकों के जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाने के उद्देश्य से किए गए सुधारों सहित कई मुद्दों पर चर्चा की गई।

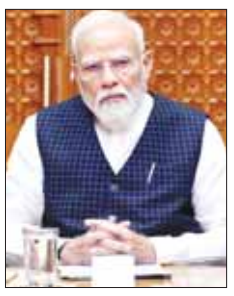

मीनाक्षी नटराजन 5 लाख परसेंट राज्यसभा जाएंगी : कांग्रेस

भोपाल।

मध्यप्रदेश में राज्यसभा चुनाव के बीच कांग्रेस और भाजपा दोनों ने शक्ति प्रदर्शन किया। भाजपा ने अपने दोनों उम्मीदवारों के साथ नामांकन दाखिल किया, जबकि कांग्रेस ने विधायक दल की बैठक और प्रेस कॉन्फ्रेंस के जरिए एकजुटता का संदेश दिया। कांग्रेस प्रत्याशी मीनाक्षी नटराजन ने दावा किया कि पूरी पार्टी उनके साथ है और यह वैचारिक लड़ाई है। बैठक के बाद जीतू पटवारी, उमंग सिंगार और प्रत्याशी मीनाक्षी नटराजन ने संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस की। तीनों नेताओं ने

दावा किया कि कांग्रेस पूरी तरह एकजुट है और चुनाव जीतेगी। पटवारी ने कहा कि सभी विधायक साथ हैं और वरिष्ठ नेताओं ने ऑनलाइन जुड़कर मजबूत संदेश दिया है। उन्होंने दावा किया कि मीनाक्षी नटराजन 5 लाख परसेंट राज्यसभा जाएंगी।

महाराष्ट्र-आंध्र तक पहुंचा मानसून

दो दिन में 7 राज्यों में एंट्री

नई दिल्ली।

भारत में तीन दिन की देरी से पहुंचने के बाद मानसून ने रफ्तार पकड़ ली है। शनिवार को यह आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, मिजोरम और मणिपुर पहुंच गया। इससे पहले

कैरियर दर्पण @3

शुक्रवार को कर्नाटक, तमिलनाडु और गोवा में एंट्री की थी। देश में मानसून 4 जून को केरलम पहुंचा था। आईएमडी के मुताबिक अगले तीन दिनों में मानसून पूर्वोत्तर के सभी राज्यों और पश्चिम बंगाल के कुछ हिस्सों तक पहुंच सकता है। अगले 10 दिनों में इसके बिहार, झारखंड और ओडिशा पहुंचने की संभावना है। स्काईमेट वेदर के एक्सपर्ट जीपी शर्मा के मुताबिक एमपी, छत्तीसगढ़, ओडिशा और बंगाल में मानसून की रफ्तार फिलहाल धीमी रह सकती है, क्योंकि इसे आगे बढ़ाने के लिए बंगाल की खाड़ी में कोई मजबूत मौसम सिस्टम एक्टिव नहीं है। राजस्थान में आंधी-बारिश का दौर जारी है। बीकानेर में शनिवार को ओले गिरे।

सावधान! देश में दुकानदारों के लिए बदला नियम

समोसे-पकौड़े अखबार में लपेटा तो होगी जेल

नई दिल्ली/मुंबई। भारत में सड़क किनारे मिलने वाले गरमा-गरम वड़ापाव या पकौड़ों को अखबार में लपेटकर देना एक आम बात है। लेकिन यह 'जुगाड़' अब महंगा पड़ सकता है। हाल ही में एक मशहूर वड़ापाव विक्रेता के खिलाफ हुई बड़ी कार्रवाई ने फूड पैकेजिंग के खतरनाक सच को सामने ला दिया है। भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने साफ कर दिया है कि अखबार में खाना लपेटना केवल असुरक्षित ही नहीं, बल्कि गैरकानूनी भी है। भारत में समोसा, वड़ा पाव या पकौड़े बेचने वालों के लिए एक बड़ा बदलाव हुआ है। अब अगर किसी दुकानदार ने खाने की चीज को

अखबार के कागज में लपेटा, तो उस पर कानूनी कार्रवाई हो सकती है। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण ने देशभर में समाचार पत्रों के इस्तेमाल पर तत्काल रोक लगा दी है। नियमों के उल्लंघन करने पर जेल भी हो सकती है। इस फैसले की वजह मुंबई में सामने आई एक हालिया घटना है। यहां एक वड़ा पाव विक्रेता को ग्राहकों को अखबार में खाना पैक करके देते हुए पाया गया था। इसके बाद एफएसएसएआई की पश्चिमी क्षेत्र टीम और बृहन्मुंबई महानगरपालिका ने संयुक्त कार्रवाई की। इसी घटना को देखते हुए अब सभी राज्यों के लिए सख्त निर्देश जारी कर दिए गए हैं। नए आदेश के मुताबिक, यह नियम छोटे ठेले वालों से लेकर बड़े होटल, क्लाउड किचन, कैटरर्स और फेरीवालों सभी पर लागू होगा। कोई भी दुकानदार अब भोजन को लपेटने के लिए अखबार का इस्तेमाल नहीं कर सकेगा। इसके अलावा, समोसे-पकौड़ों का अतिरिक्त तेल सोखने या खाने को ढकने के लिए भी अखबार का उपयोग पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा।

सेहत के लिए क्यों है खतरनाक

विशेषज्ञों के अनुसार, अखबार की छपाई में इस्तेमाल होने वाली स्याही में कई तरह के रसायन और भारी धातुएं हो सकती हैं, जिनमें सीसा भी शामिल है। गर्म खाने के संपर्क में आने पर ये तत्व भोजन में मिल सकते हैं, जो कि स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक हो सकते हैं। इसके अलावा अखबार कई बार अस्वच्छ जगहों से होकर गुजरता है, जिससे उसमें बैक्टीरिया और रोग फैलाने वाले कीटाणु भी मौजूद हो सकते हैं। एफएसएसएआई ने साफ किया है कि अब सिर्फ फूड-ग्रेड पैकेजिंग सामग्री का ही इस्तेमाल किया जाएगा। राज्यों को इस पर सख्त निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि कहीं भी अखबार का उपयोग खाने की पैकिंग या परोसने में न हो।

पत्नी की हत्या कर पति ने की आत्महत्या तीन दिनों तक शव के साथ बैठा रहा मासूम

आधारताल थाना क्षेत्र का मामला, जांच में जुटी पुलिस

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

आधारताल थाना क्षेत्र में हुई दिलदहलाने घटना ने हर किसी को झकझोर कर रख दिया। दरअसल यहां पर एक पति ने 8 वर्षीय सौतेले बेटे के सामने पत्नी की हत्या कर दी। और शव को फंदे पर लटका दिया। मासूम करीब तीन दिन तक मां के शव के साथ घर में डरा-सहमा रहा। इसके बाद आरोपी पति ने घर से करीब 6 किलोमीटर दूर एक खाली क्वार्टर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतकों की पहचान 40 वर्षीय मयंक सिंह और नेहा सिंह के रूप में हुई है।

ये है पूरा मामला

विगत दिवस न्यू कंचनपुर क्षेत्र से पुलिस को एक घर से बदबू आने की सूचना मिली थी। पुलिस ने जब जांच की तो घर पर नेहा सिंह का शव लटका हुआ मिला। वहीं उसका 8 वर्षीय मासूम बेटा शव के पास बैठा मिला। पुलिस ने जब जांच की तो पति के लापता होने की बात पता चली।

इसी बीच जांच के दौरान पति मयंक सिंह का शव शनिवार को जीसीएफ (गन कैरिज फैक्ट्री) के एक खाली क्वार्टर में फंदे से लटका मिला। दोनों शवों का पंचनामा कर पोस्टमॉर्टम के लिए मेडिकल कॉलेज भेजा गया है।

स्पा सेंटर में नौकरी को लेकर होता था विवाद

बताया जा रहा है कि नेहा के पहले पति की मौत हो चुकी थी। मयंक से उसकी दूसरी शादी करीब 2 साल पहले हुई थी। नेहा का 8 वर्षीय बेटा पहले विवाह से है और उसी के साथ रहता था। नेहा स्पा सेंटर में काम करती थी, जिसे लेकर पति-पत्नी के बीच अक्सर विवाद होता था। पूछताछ के दौरान बेटे ने बताया कि उसके पिता मां के साथ अक्सर मारपीट करते थे। विगत रात भी शराब के नशे में दोनों के बीच विवाद हुआ था। बच्चे के अनुसार, उसके पिता ने ही उसकी मां की हत्या की है। पुलिस जांच में सामने आया कि नेहा सिहोरा की रहने वाली थी, जबकि मयंक कटनी जिले के विजयराघवगढ़ का निवासी था। नेहा का यह दूसरा विवाह था। पहले पति की मौत हो चुकी थी। शादी के बाद दोनों आधारताल के न्यू कंचनपुर में किराए के मकान में रह रहे थे। मयंक जबलपुर की एक चॉकलेट फैक्ट्री में काम करता था। पुलिस जांच में सामने आया कि करीब एक साल पहले मयंक को नेहा के स्पा सेंटर में काम करने की जानकारी मिली थी। इसके बाद दोनों के बीच अक्सर विवाद होने लगा। पुलिस के मुताबिक, घरेलू कलह लगातार बढ़ रही थी और कई बार झगड़े भी हुए थे। सीएसपी राजेश्वरी कौरव ने बताया कि मृतका के बेटे से पूछताछ में पति-पत्नी के बीच अक्सर विवाद की बात सामने आई है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट, फॉरेंसिक जांच और घटनास्थल से मिले साक्ष्यों के आधार पर मामले की जांच की जा रही है।

पर्यावरण का संरक्षण करना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी

विश्व पर्यावरण दिवस पर जिनसार में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। विश्व पर्यावरण दिवस 2026 के अवसर पर जबलपुर इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग साइंसेज एंड रिसर्च (हितकारिणी नर्सिंग कॉलेज) में प्रकृति से प्रेरित जलवायु और हमारे भविष्य के लिए थीम के अंतर्गत वृक्षारोपण एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दोपहर 3 बजे संस्थान परिसर में हुआ, जिसमें प्राध्यापकों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण, जलवायु परिवर्तन के प्रति जागरूकता तथा सतत विकास के महत्व को बढ़ावा देना था। इस अवसर पर संस्थान परिसर में विभिन्न प्रकार के पौधे रोपे गए तथा सभी को अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने का संदेश दिया गया।कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने पौधारोपण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि पेड़ वायु को शुद्ध करने, पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकार की नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक और संस्था की सामूहिक जिम्मेदारी है। कार्यक्रम का समन्वयन डॉ. अनूप तिवारी एवं आशीष दाऊद द्वारा किया गया। यह आयोजन प्राचार्य प्रभारी प्रो. डॉ. प्रिंसी शाजी के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। उन्होंने सभी को पर्यावरण हितैषी जीवनशैली अपनाने एवं आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ एवं हरित वातावरण सुनिश्चित करने का संकल्प लेने के लिए प्रेरित किया। सभी प्रतिभागियों ने पर्यावरण संरक्षण एवं पौधा रोपण को बढ़ावा देने की शपथ ली।

नेहा जेठा प्रदेश संयोजिका मनोनीत

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। पूर्वी मध्यप्रदेश महेश्वरी महिला संगठन की प्रदेश अध्यक्ष राजश्री राठी एवं प्रदेश सचिव रेणु झंवर ने स्वर्णिम आध्यात्मिक पर्व एवं संस्कृति समिति की प्रदेश संयोजिका कथा वाचक नेहा-प्रदीप जेठा को मनोनीत किया है। उक्त जानकारी महेश्वरी महिला मंडल जबलपुर की प्रचार-प्रसार सचिव पूजा महेश्वरी द्वारा प्रेषित की गई है।

हितकारिणी डेंटल कॉलेज में 10 दिवसीय योग कैंप का उद्घाटन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। 12वें इंटरनेशनल योग डे के मौके पर रानी दुर्गावती यूनिवर्सिटी के योग और फिजिकल एजुकेशन डिपार्टमेंट और हितकारिणी डेंटल कॉलेज के जॉइंट सपोर्ट में 4 जून को दस दिन के योग कैंप का उद्घाटन किया गया। इस इवेंट में चीफ गेस्ट, हितकारिणी डेंटल कॉलेज के डायरेक्टर डॉ. राजेश बी. धीरावानी और गेस्ट ऑफ ऑनर, हितकारिणी डेंटल कॉलेज के डीन डॉ. रोहित मिश्रा मौजूद रहे। अपने भाषणों में, गेस्ट्स ने योग के महत्व पर ज़ोर दिया, इसे हेल्दी लाइफ, मेंटल बैलेंस और पॉजिटिव लाइफस्टाइल का आधार बताया। उन्होंने सभी प्रतिभागियों से योग को अपने दैनिक दिनचर्या में शामिल करने की अपील की है। यह कैंप 4 जून से 13 जून तक चलेगा। रोज़ सुबह 6.30 बजे से 7.30 बजे तक योग सेशन होंगे, जिसमें योगासन, प्राणायाम, गीता का पाठ, मेडिटेशन और कई दूसरी योगिक प्रैक्टिस की ट्रेनिंग दी जा रही है।

पुलिस शहीद परिवारों एवं समाज सेवियों का सम्मान समारोह सम्पन्न

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। आर्ट वेद कल्चरल एंड स्पोर्ट्स सोसायटी द्वारा मानस भवन में एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में अपने कर्तव्य पालन के दौरान शहीद हुए पुलिस कर्मियों की वीरांगनाओं तथा विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट सामाजिक कार्य करने वाले व्यक्तियों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में एसीपी सूर्यकांत शर्मा ने शहीद पुलिस कर्मियों की पत्नियों को शॉल, श्रीफल, स्मृति चिन्ह, पुष्पगुच्छ एवं सम्मान राशि भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर समाजसेवी इनायत अली को लावारिस शवों के अंतिम संस्कार हेतु किए जा रहे मानवतावादी कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। वहीं मनीषा सकपाल को गरीब बच्चों को शिक्षा प्रदान करने, वीरेन्द्र चंबल को हाल ही में बरगी दुर्घटना के दौरान अनेक लोगों की जान बचाने, एस.एन. गांगुली को पिछले सात वर्षों से निरंतर सड़क के बेसहारा कुत्तों को भोजन उपलब्ध कराने तथा जन कल्याण समिति को नशा मुक्ति केंद्र के माध्यम से समाज सेवा के लिए सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त अन्य कई समाजसेवियों को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की सफलता में संस्था के सचिव मंगलेश्वर, विनीत यादव, चेतन जग्गी एवं अन्य सदस्यों का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम में केके नायक की हास्य प्रस्तुति को दर्शकों ने खूब सराहा, जबकि एमएफ ऑर्केस्ट्रा ग्रुप ने मनमोहक सांगीतिक प्रस्तुतियों से उपस्थित जनसमूह का भरपूर मनोरंजन किया। कायक्रम का शुभारंभ पंकज गोस्वामी एवं उनके दल द्वारा प्रस्तुत गणेश वंदना एवं सरस्वती वंदना से हुआ। अंत में संस्था के अध्यक्ष पवन शर्मा ने सभी अतिथियों, सम्मानितजनों एवं उपस्थित नागरिकों का आभार व्यक्त किया।

पर्यावरण पर संगोष्ठी का आयोजन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। प्रकृति हम सभी की मां है, ये पृथ्वी के प्रत्येक प्राणी के लिए वरदान है, इसकी रक्षा सभी को करना चाहिए। सभी को अपने जन्मदिन पर पेड़ लगाना चाहिए, जिससे वर्षा का संतुलन बना रहे। उद्गार मुख्य वक्ता के रूप में इंजी विनोद नयन ने प्रसंग अंतरराष्ट्रीय मंच के 515वें आयोजन अखिल भारतीय पर्यावरण संरक्षण हमारी जिम्मेदारी है इस जागरूकता संगोष्ठी के अवसर पर व्यक्त किए। डॉ रानू रुही ने प्राकृतिक संसाधनों के महत्व पर प्रकाश डाला। साथ ही बसंत शर्मा ने पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता पर दोहे प्रस्तुत किए । इस अखिल भारतीय संगोष्ठी में दिल्ली से लेकर आंध्रप्रदेश तक के साहित्यकार एवं शिक्षाविदों ने अपने, गीत, कविता, आलेख, निबंध एवं शोध आलेख प्रस्तुत किए। इसमें इंदू सिंह कंचन कृष्ण गोप, डॉ प्रदीप उप्पल साधना छिरोल्या, डॉ सरोज दुबे विद्या, डॉ मुकुल तिवारी अविनाश भटकर सहित देश के 181 साहित्यकारों ने सहभागिता की।

जीवन रक्षा का गुर सिखाने वालों का किया सम्मान

नर्मदा तट जिलहरी घाट में शॉल और श्रीफल देकर बढ़ाया हौसला

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। नर्मदा के पावन तट गौरीघाट (जिलहरी घाट) पर आम जनता को नि:स्वार्थ भाव से तैराकी सिखाकर उनका जीवन बचाने वाले प्रशिक्षकों का समाजसेवी संस्था द्वारा आत्मीय सम्मान किया गया। जिलहरी घाट में आयोजित इस विशेष कार्यक्रम में समाजसेवी प्रशांत विश्वकर्मा द्वारा लगभग एक दर्जन ऐसे स्थानीय लोगों को शॉल और श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया, जो रोज़ाना लोगों को तैराकी के गुर सिखाते हैं। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने इन प्रशिक्षकों द्वारा किए जा रहे मानवीय और साहसी कार्यों की जमकर प्रशंसा की। इस सम्मान समारोह के अवसर पर मुख्य रूप से शिवा विश्वकर्मा, दीपक असरानी, अशोक ग्रोवर, शंकर श्रीवास्तव, गोलू बर्मन और कल्लू बर्मन सहित बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित रहे। गौरतलब है कि हाल ही में कई ऐसी घटनाएं सामने आई हैं, जिनमें तैराकी न आने के कारण कई लोगों ने अपनी जान गवां दी। प्रशिक्षकों का कहना है कि उनका तैराकी प्रशिक्षण का उद्देश्य है कि लोग आपात स्थिति में अपने साथ ही मौका पड़ने पर दूसरों की भी जान बचाने में सक्षम हो सकें।

मजदूर संघ हथौड़ा को मिली और भी मजबूती

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

गन कैरिज फैक्ट्री में कर्मचारी हितों की रक्षा एवं श्रमिकों की समस्याओं के समाधान के लिए निरंतर संघर्षरत मजदूर संघ हथौड़ा, एआईडीईफ को उस समय और मजबूती मिली जब राजेंद्र वर्मा ने भारतीय प्रतिरक्षा मजदूर संघ की कर्मचारी विरोधी नीतियों से असंतुष्ट होकर अपने समर्थकों के साथ मजदूर संघ हथौड़ा की सदस्यता ग्रहण कर ली। उल्लेखनीय है कि राजेंद्र वर्मा भारतीय प्रतिरक्षा मजदूर संघ के वर्तमान जेसीएम काउंसिल सदस्य हैं तथा पूर्व में कार्यसमिति सदस्य के रूप में भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभा चुके हैं। वर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि मजदूर संघ हथौड़ा कर्मचारियों के वास्तविक मुद्दों को मजबूती से उठाने वाला संगठन है तथा कर्मचारियों के अधिकारों और हितों की रक्षा के लिए निरंतर संघर्ष कर रहा है।

इस अवसर पर मजदूर संघ हथौड़ा के अध्यक्ष विनय गुप्ता एवं महामंत्री रोहित यादव ने राजेंद्र वर्मा का माल्यार्पण कर गर्मजोशी से स्वागत किया। इस दौरान मीडिया प्रमुख उत्तम विश्वास, हेमंत मकोड़े, अमित, गौरव, वैभव, सागर कनोजिया, रविकांत के साथ सैकड़ों कार्यकर्ता शामिल रहे।

आगामी नगरीय निकाय चुनावों की तैयारियां शुरू

जनसंपर्क अभियान को गति देगी कांग्रेस

जबलपुर (स्वतंत्र मत) । संगठन को मजबूत बनाने, आगामी नगरीय निकाय चुनावों की तैयारियों, पंचायत स्तर पर पार्टी गतिविधियों के विस्तार, फोटोयुक्त मतदाता सूची के सत्यापन, बीएलए.-2 के सत्यापन कार्य एवं विभिन्न विभागों एवं प्रकोष्ठों के गठन सहित अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा के लिए जिला कांग्रेस कमेटी ,ग्रामीण अध्यक्ष संजय यादव के नेतृत्व में समन्वय समिति सदस्यों एवं कांग्रेसजनों की बैठक संपन्न हुई। बैठक में संगठन को बूथ स्तर तक सशक्त बनाने तथा जनहित के मुद्दों को लेकर कांग्रेस के आंदोलनात्मक कार्यक्रमों को प्रभावी रूप से संचालित करने पर जोर दिया गया । कांग्रेस पार्टी के संगठनात्मक कार्यक्रमों को प्रत्येक पंचायत, मंडल एवं ब्लॉक स्तर तक प्रभावी ढंग से पहुंचाया जाएगा तथा आगामी चुनावों के लिए कार्यकर्ताओं को सक्रिय कर जनसंपर्क अभियान को गति दी जाएगी। इस दौरान संजय यादव, नित्य निरंजन खम्परिया, दिनेश यादव, राधेश्याम चौबे, वीरेंद्र चौबे, रुक्मिणी गोटिया, विवेक पटेल, राजेश पटेल, कौशल्या गोटिया एवं विवेक यादव उपस्थित रहे।

शराब पीने के लिए रूपए ना देने पर युवक से मारपीट

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। घमापुर थाने मे 16 वर्षीय अभिनव हनी ठाकुर निवासी कांचघर ने रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया की वह चुंगी चौकी से अपने दोस्त मनीष रजक, कृष कोरी के साथ घर जा रहा था। कांचघर के पास पहुंचा जहाँ समक्ष बेन एवं आयुष सेन एक अन्य के साथ मिले, जो उससे शराब पीने के लिये 1 हजार रूपये मांगने लगे, रूपये देने से मना करने पर तीनों गालीगलौज करते हुए मारपीट कर भाग गये। जिसके बाद पुलिस ने अपराध पंजीबद्ध कर लिया गया है।

महेश मिश्रा अध्यक्ष मनोनीत

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मप्र कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी के निर्देशानुसार, संगठन प्रभारी महासचिव डॉ. संजय कामले की सहमति तथा फुटकर एवं लघु व्यवसायिक सामाजिक प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष ज्ञानेन्द्र सिंह जिला शहर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष सौरभ शर्मा की अनुशंसा से महेश मिश्रा को फुटकर एवं लघु व्यवसायिक सामाजिक प्रकोष्ठ जबलपुर शहर अध्यक्ष नियुक्त किया गया। उनकी इस उपलब्धि पर सभी ने शुभकामनाएं प्रेषित की ।

केबल वायर ले गये चोर

जबलपुर । मझोली थाने मे 57 वर्षीय देवकरण पटेल निवासी ग्राम मनगवाँ ने रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया की वह किसानी करता है। सुबह 5 बजे खेत पहुंचा तो देखा कि उसकी 2700 फिट सिल्वर वायर चोर ले गये।

ड्रग्स तस्करी नेटवर्क का भंडाफोड़, 6600 नशीले इंजेक्शनों के साथ पकड़ी गई तस्करों की गैंग

बेलबाग, अधारताल और क्राइम ब्रांच की संयुक्त कार्यवाही, 6 आरोपी गिरफ्तार

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। बेलबाग, अधारताल थाना पुलिस और क्राइम ब्रांच की संयुक्त टीम ने कार्यवाही करते हुए शहर में नशे के लिए उपयोग होने वाले इंजेक्शनों की तस्करी के बड़े नेटवर्क का खुलासा करते हुए 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। कार्यवाही के दौरान पुलिस ने 6600 नशीले इंजेक्शन, पांच मोबाइल फोन तथा तस्करी में प्रयुक्त एक ई-रिक्शा जब्त किया है। बरामद इंजेक्शनों की अनुमानित कीमत करीब 15 लाख रुपए बताई गई है। बता दें कि पुलिस कप्तान सम्पत उपाध्याय के निर्देश पर मादक पदार्थों की तस्करी में लिप्त आरोपियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्यवाही की गई। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अपराध जितेंद्र सिंह, नगर पुलिस अधीक्षक अधारताल राजेश्वरी कौरव और उप पुलिस अधीक्षक अपराध उदयभान बागरी के मार्गदर्शन में संयुक्त टीम ने पूरे नेटवर्क का पर्दाफाश किया।

ऐसे पकड़े नशीले इंजेक्शन के सौदागर

जानकारी के मुताबिक बेलबाग थाना पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि रामलीला मैदान के पास एक व्यक्ति ई-रिक्शा में भारी मात्रा में नशीले इंजेक्शन लेकर ग्राहक का इंतजार कर रहा है। सूचना पर दबिश देकर पुलिस ने समता कॉलोनी गोहलपुर निवासी दुर्गा पटेल को गिरफ्तार किया। तलाशी में ई-रिक्शा से 3200 नशीले इंजेक्शन बरामद हुए। पूछताछ में दुर्गा पटेल ने बताया कि वह यह खेप अमजद खान और मोहम्मद आरिफ के कहने पर सौरभ सोनकर को देने आया था। दुर्गा पटेल की निशानदेही पर पुलिस ने मोहम्मद आरिफ, अमजद खान, सैय्यद असरफ अली उर्फ जीजा तथा सौरभ नामदेव को गिरफ्तार किया।

बनाकर रखी थी सप्लाई की चैन-पुलिस की जांच में सामने आया कि सैय्यद असरफ अली और सौरभ नामदेव मिलकर नशीले इंजेक्शनों की आपूर्ति कराते थे, जबकि अमजद खान इनके वितरण का काम करता था। आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त मोबाइल फोन भी जब्त किए गए हैं। इस मामले में सौरभ सोनकर और मोबाइल नंबर धारक एक अन्य आरोपी अभी फरार हैं, जिसकी तलाश जारी है। इसी कड़ी में जब अधारताल थाना और क्राइम ब्रांच की टीम ने मिल्क स्कीम मैदान के पीछे दबिश देकर बजरंग बाड़ा निवासी गीतांशु साहू को गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से 3400 नशीले इंजेक्शन बरामद किए गए। पूछताछ में उसने बताया कि यह इंजेक्शन भानतलैया निवासी कल्लू दद्दा ने बिक्री के लिए उसके पास रखवाए थे। पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ मप्र ड्रग्स कंट्रोल एक्ट तथा एनडीपीएस एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

भविष्य की तस्वीर खींचता है आर्किटेक्चर

स्मार्ट सिटी, ग्रीन बिल्डिंग और आधुनिक डिजाइन के दौर में युवाओं के लिए सुनहरा अवसर

"तेजी से विकसित होते शहरी परिदृश्य, स्मार्ट सिटी परियोजनाओं और पर्यावरण-अनुकूल निर्माण की बढ़ती जरूरतों ने आर्किटेक्चर को आज के सबसे आकर्षक और संभावनाशील करियर विकल्पों में शामिल कर दिया है। यह क्षेत्र केवल इमारतों के डिजाइन तक सीमित नहीं है, बल्कि भविष्य के शहरों, सार्वजनिक स्थलों और टिकाऊ विकास की रूपरेखा तैयार करने का अवसर भी प्रदान करता है।"

रचनात्मक सोच, तकनीकी दक्षता और नवाचार के प्रति रुचि रखने वाले युवाओं के लिए आर्किटेक्चर ऐसा मंच है, जहां वे अपनी कल्पनाओं को वास्तविक आकार देने के साथ-साथ एक सफल और सम्मानजनक करियर भी बना सकते हैं।

संरचना, नियोजन और डिजाइन का संगम

हर शहर में कुछ ऐसी इमारतें होती हैं, जिनसे शहर की पहचान बनती है। ये इमारतें लोगों के आकर्षण का केंद्र होती हैं और इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, इन्हें डिजाइन करनेवाले आर्किटेक्ट। आर्किटेक्चर आज के दौर का बेहतरीन संभावनाओं से भरा करियर क्षेत्र है, जिसकी ओर आप 12वीं के बाद कदम बढ़ा सकते हैं। आर्किटेक्चर या वास्तुकला, भवनों की संरचना, नियोजन और डिजाइन के बारे में एक विशेष अध्ययन है। इसमें रचनात्मक कौशल का प्रयोग कर भवन निर्माण के संबंध में लोगों की व्यावहारिक तथा अन्य आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए किसी भी इमारत का डिजाइनिंग तैयार किया जाता है। सामाजिक, तकनीकी और पर्यावरणीय स्थितियों को ध्यान में रखते हुए इमारतों के निर्माण तथा कला-विज्ञान का मिला-जुला रूप ही असल में आर्किटेक्ट है।

कैसे करें सपने को साकार

आप आर्किटेक्ट के तौर पर करियर बनाना चाहते हैं, तो 12वीं के बाद इस ओर रुख कर सकते हैं। नेशनल एप्टीट्यूड टेस्ट इन आर्किटेक्चर (नाटा) आर्किटेक्चर कोर्स में प्रवेश के लिए एक प्रमुख ऑनलाइन टेस्ट है, जिसमें ड्राइंग टेस्ट भी होता है। नाटा के स्कोर के आधार पर देश के कई मान्यता प्राप्त आर्किटेक्चर इंस्टीट्यूट में फुल टाइम पांच वर्षीय बीआर्क डिग्री कोर्स में एडमिशन मिलता है। आर्किटेक्चर में करियर की शुरूआत के लिए नाटा परीक्षा की सही समझ और प्रभावी तैयारी बेहद जरूरी है। यह परीक्षा ऑनलाइन मोड पर होती है। नाटा एग्जाम मुख्य तौर पर तीन चीजों पर केंद्रित है, स्केचिंग और डिजाइन, तर्कशक्ति और समझ तथा बेसिक गणित। एग्जाम के सिलेबस में प्रमुखतः ड्रॉइंग एवं कम्पोजिषन, विजुअल रीजनिंग, लॉजिकल रीजनिंग, जनरल एप्टीट्यूट, बेसिक लेबल मैथ्स और आर्किटेक्चरल एवेयरनेस संबंधी प्रश्न समावेशित किए गए हैं।

प्रमुख संस्थान, जहां से कर सकते हैं कोर्स

- हितकारिणी कॉलेज ऑफ आर्किटेक्चर एंड टाउन प्लानिंग, डुमना रोड, जबलपुर
- स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर सीईपीटी, अहमदाबाद, गुजरात
- स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर, नयी दिल्ली
- इंडियन एजुकेशन सोसायटी कॉलेज ऑफ आर्किटेक्चर, मुंबई
- सर जेजे कॉलेज ऑफ आर्किटेक्चर, मुंबई.
- जवाहरलाल नेहरू टेक्नोलॉजी यूनिवर्सिटी, स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर, हैदराबाद
- सेंटर फॉर एनवायर्नमेंटल प्लानिंग एंड टेक्नोलॉजी, अहमदाबाद
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नालॉजी, खड़गपुर, पश्चिम बंगाल
- चंडीगढ़ कॉलेज ऑफ आर्किटेक्चर, चंडीगढ़
- मराठवाडा मित्र मंडल कॉलेज ऑफ आर्किटेक्चर, पुणे

यहां हैं करियर बनाने के मौके

आर्किटेक्चर फर्म, कंस्ट्रक्शन कंपनी, प्राइवेट बिल्डर के साथ स्वतंत्र रूप से या सलाहकार के तौर पर काम कर सकते हैं। सरकारी संगठन, हाउसिंग बोर्ड, लोक निर्माण विभाग, पुरातत्व विभाग, रेलवे के विभाग, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम, राष्ट्रीय भवन संगठन, आवास और शहरी विकास निगम आदि में एक प्रतिष्ठित नौकरी हासिल कर सकते हैं। आर्किटेक्चर की पढ़ाई के बाद आपके पास आर्किटेक्ट, अर्बन डिजाइनर, लैंडस्केप आर्किटेक्ट, इंटीरियर आर्किटेक्ट, अर्बन प्लानर, प्रोजेक्ट मैनेजर, हाउसिंग कंसल्टेंट, आर्किटेक्चर टीचर के तौर पर करियर आगे बढ़ा सकते हैं। आप विभिन्न यूनेस्कों के प्रोजेक्ट में शामिल हो सकते हैं जो प्राचीन इमारतों के संरक्षण के साथ मंदिरों, किलों, ऐतिहासिक भवनों की मरम्मत का काम भी करवाती है। एम आर्क और नेट एग्जाम पास करने पर आप किसी कॉलेज में प्रोफेसर की नौकरी भी कर सकते हैं।

प्रसिद्ध आर्किटेक्ट जिनका लोहा दुनिया मानती है

देश के पुराने संसद भवन, जिसे अब आधिकारिक तौर पर संविधान सदन (संविधान भवन) के नाम से जाना जाता है, को ब्रिटिश आर्किटेक्ट सर एडविन लुटियंस और सर हर्बर्ट बेकर ने डिजाइन किया था। नये संसद भवन को आर्किटेक्ट बिमल पटेल ने डिजाइन किया है। चंडीगढ़ शहर का आर्किटेक्चर फ्रांसीसी आर्किटेक्ट ला कार्बूजिए ने तैयार किया था। ला कार्बूजिए वही आर्किटेक्ट हैं, यूनेस्को ने जिनके डिजाइन किये गये 17 शहर विश्व विरासत सूची में शामिल हैं। साबरमती का गांधी मेमोरियल, भोपाल का भारत भवन और विधान सभा भवन, जयपुर का जवाहर कला केंद्र, दिल्ली का ब्रिटिश काउंसिल का डिजाइन भारत के आर्किटेक्ट चार्ल्स कोरिया ने बनाया था, जिनकी प्रसिद्धी वैश्विक स्तर पर है। चंडीगढ़ के ही मशहूर रॉक गार्डन की बात करें, तो इसे आर्किटेक्ट नेक चंद सैनी की रचनात्मकता की मिसाल के तौर देखा जाता है।

नीट की राह आसान बनाती हैं एनसीईआरटी की पुस्तकें

देश की सबसे प्रतिष्ठित मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट में हर वर्ष लाखों छात्र डॉक्टर बनने का सपना लेकर शामिल होते हैं। इस कठिन प्रतिस्पर्धा में सफलता प्राप्त करने के लिए सही अध्ययन सामग्री का चयन बेहद महत्वपूर्ण होता है। विशेषज्ञों और सफल अभ्यर्थियों की मानें तो एनसीईआरटी की पुस्तकें नीट की तैयारी की सबसे मजबूत नींव हैं। बायलॉजी, कैमिस्ट्री और फिजिक्स के मूलभूत सिद्धांतों को सरल और वैज्ञानिक तरीके से समझाने वाली एनसीईआरटी किताबें न केवल कॉन्सेप्ट क्लियर करती हैं, बल्कि परीक्षा में पूछे जाने वाले अधिकांश प्रश्नों का आधार भी बनती हैं। ऐसे में यदि कोई छात्र नीट में उत्कृष्ट प्रदर्शन करना चाहता है, तो उसे अपनी तैयारी की शुरुआत एनसीईआरटी पुस्तकों से ही करनी चाहिए।

बायोलॉजी

नीट परीक्षा में जीवविज्ञान (बायोलॉजी) सबसे महत्वपूर्ण विषय माना जाता है, क्योंकि कुल 720 अंकों में से 360 अंक केवल बायोलॉजी से आते हैं। ऐसे में एनसीईआरटी बायोलॉजी की पुस्तकें सफलता की कुंजी बन जाती हैं। पिछले वर्षों के प्रश्नपत्रों के विश्लेषण से पता चलता है कि नीट में पूछे जाने वाले अधिकांश जीवविज्ञान प्रश्न सीधे या अप्रत्यक्ष रूप से एनसीईआरटी के पाठ्यक्रम पर आधारित होते हैं। एनसीईआरटी की किताबें छात्रों को मानव शरीर, आनुवंशिकी, पारिस्थितिकी, जैव प्रौद्योगिकी, पादप एवं प्राणी विज्ञान जैसे विषयों की मजबूत समझ विकसित करने में मदद करती है। पुस्तक में दी गई प्रत्येक परिभाषा, चित्र, तालिका, तथ्य और उदाहरण परीक्षा की दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं।

केमिस्ट्री

नीट परीक्षा में रसायन विज्ञान (केमिस्ट्री) ऐसा विषय है जो विद्यार्थियों की रैंक को काफी हद तक प्रभावित कर सकता है। परीक्षा में विशेष रूप से ऑर्गेनिक, इनऑर्गेनिक और फिजिकल केमिस्ट्री से पूछे जाने वाले अनेक प्रश्न सीधे एनसीईआरटी की अवधारणाओं, अभिक्रियाओं और तथ्यों पर आधारित होते हैं। एनसीईआरटी केमिस्ट्री विद्यार्थियों को रासायनिक सिद्धांतों, तत्वों के गुणों, अभिक्रियाओं तथा सूत्रों की स्पष्ट समझ प्रदान करती है। विशेष रूप से इनऑर्गेनिक केमिस्ट्री में एनसीईआरटी किताब की प्रत्येक पंक्ति, तालिका और तथ्य महत्वपूर्ण होते हैं। वहीं ऑर्गेनिक केमिस्ट्री में अभिक्रियाओं और उनके तंत्र को समझने के लिए भी यह पुस्तक सबसे विश्वसनीय स्त्रोत मानी जाती है।

फिजिक्स

फिजिक्स की बात करें तो केवल एनसीईआरटी की किताबें पढ़ना पर्याप्त नहीं माना जाता, लेकिन यह विषय की आधारभूत समझ विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। फिजिक्स में सफलता के लिए न्यूमेरिकल प्रेक्टिस और कॉन्सेप्चुयल अंडरस्टेंडिंग दोनों जरूरी हैं। एनसीईआरटी की किताबें छात्रों को मूल सिद्धांत समझाती है, जिसके बाद वे कठिन प्रश्नों को हल करने की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं। इसलिए फिजिक्स में भी एनसीईआरटी की किताबों को नजरअंदाज करना उचित नहीं है। कई छात्र गलती करते है कि वे शुरुआत से ही भारी-भरकम रेफरेंस बुक्स और कोचिंग नोट्स पर निर्भर हो जाते हैं। परिणामस्वरूप उनके मूलभूत कॉन्सेप्ट कमजोर रह जाते हैं।

नौकरी की तलाश कर रहे युवाओं के लिए रिज्यूम केवल एक दस्तावेज नहीं, बल्कि उनकी योग्यता, अनुभव और व्यक्तित्व का आईना होता है। एक अच्छा रिज्यूम नौकरी दिलाने की गारंटी नहीं देता, लेकिन इंटरव्यू तक पहुंचने का रास्ता अवश्य खोलता है। बदलते रोजगार बाजार में वही उम्मीदवार आगे बढ़ते हैं जो अपनी योग्यता को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करना जानते हैं।

करियर की दौड़ में आगे बढ़ना है तो बनाएं दमदार रिज्यूम

इसलिए रिज्यूम को केवल औपचारिकता न समझें, बल्कि अपने करियर का सबसे महत्वपूर्ण दस्तावेज मानकर तैयार करें, इसलिए रिज्यूम बनाते समय कुछ महत्वपूर्ण बातों का ध्यान रखना आवश्यक है।

1. रिज्यूम को संक्षिप्त और स्पष्ट रखें- रिज्यूम 1 से 2 पेज का होना चाहिए। अनावश्यक जानकारी, लंबी व्याख्या और अप्रासंगिक विवरण देने से बचें। केवल वही जानकारी शामिल करें जो नौकरी से संबंधित हो।

2. सही व्यक्तिगत जानकारी दें- नाम, मोबाइल नंबर, ईमेल आईडी और वर्तमान शहर का नाम अवश्य लिखें। ईमेल आईडी पेशेवर होनी चाहिए। आधार नंबर, बैंक डिटेल या अन्य निजी जानकारी शामिल न करें।

3. आकर्षक प्रोफाइल सारांश लिखें- रिज्यूम की शुरुआत में 3-4 लाइनों का प्रोफाइल सारांश जरूर लिखें, जिसमें आपकी प्रमुख योग्यताएं, अनुभव और करियर उद्देश्य स्पष्ट हों।

4. अनुभव को व्यवस्थित तरीके से प्रस्तुत करें- सबसे हाल की नौकरी से शुरुआत करें। संस्था का नाम, पद, कार्यकाल और प्रमुख जिम्मेदारियां स्पष्ट रूप से लिखें। उपलब्धियों को भी बिंदुवार दर्शाएं।

5. शिक्षा संबंधी जानकारी सही क्रम में दें- अक्सर हम यहीं गल्ती करते हैं। शैक्षणिक योग्यता को नवीनतम डिग्री से शुरू करते हुए लिखें। संस्थान का नाम, वर्ष और प्राप्त अंक या ग्रेड का उल्लेख करें।

6. कौशल या स्किल अवश्य जोड़ें- कंप्यूटर ज्ञान, भाषा दक्षता, प्रबंधन क्षमता, संचार कौशल और अन्य तकनीकी योग्यताओं को अलग से दर्शाएं। यह भर्ती करने वाले का ध्यान आकर्षित करता है।

7. नौकरी के अनुसार रिज्यूम तैयार करें- हर पद के लिए एक ही रिज्यूम भेजने के बजाय संबंधित नौकरी के अनुरूप उसमें आवश्यक बदलाव करें। इससे चयन की संभावना बढ़ जाती है।

8. वर्तनी और व्याकरण की जांच करें- छोटी-छोटी भाषा संबंधी गलतियां भी नकारात्मक प्रभाव डाल सकती हैं। रिज्यूम तैयार करने के बाद उसे दोबारा अवश्य पढ़ें।

9. पेशेवर फॉर्मेट का उपयोग करें- फॉन्ट सरल रखें, हेडिंग स्पष्ट हों और लेआउट व्यवस्थित हो। अत्यधिक रंगों और डिजाइन का उपयोग न करें।

10. उपलब्धियों को प्रमुखता दें- केवल जिम्मेदारियां न लिखें, बल्कि अपने कार्यों से प्राप्त परिणाम और उपलब्धियां भी बताएं। इससे आपकी कार्यक्षमता बेहतर तरीके से सामने आती है।

गोल्डन टिप्स

- एक से दो पेज का रखें
- हर नौकरी के अनुसार अपडेट करें
- उपलब्धियां जरूर लिखें
- प्रोफेशनल ईमेल आईडी रखें
- भेजने से पहले प्रूफरीड करें।

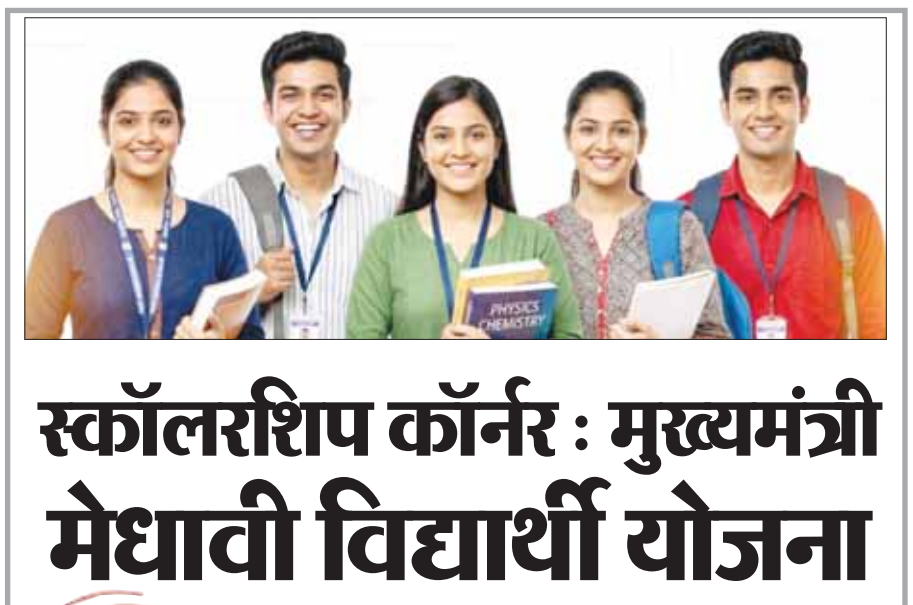

स्कॉलरशिप कॉर्नर : मुख्यमंत्री मेधावी विद्यार्थी योजना

अगर आप 12वीं में 70 फीसदी से ज्यादा नंबर लाते हैं तो आगे की पढ़ाई के लिए आपको फीस भरने की जरूरत नहीं होगी। मुख्यमंत्री मेधावी विद्यार्थी योजना के तहत 12वीं में अच्छे नंबर लाने के बाद इंजीनियरिंग, मेडकिल, कानून या ग्रेजुएशन के अन्य कोर्स करने पर सरकार की ओर से पूरी फीस माफ हो सकती है।

क्या है योजना ?

मध्य प्रदेश में अच्छी पढ़ाई करने वाले छात्र-छात्राओं को राज्य सरकार कई तरह की स्कॉलरशिप देती है। इन्हीं में से एक है मुख्यमंत्री मेधावी विद्यार्थी योजना। इस योजना के तहत 12वीं में अच्छे नंबर लाने और जेईई या नीट जैसी परीक्षा पास करने वाले छात्र-छात्राओं के आगे के कोर्स की पूरी फीस सरकार की ओर से दी जाती है। इस योजना के अंतर्गत एडमिशन फीस, ट्यूशन फीस वगैरह सब सरकार की ओर से भरा जाएगा। हालांकि मेस की फीस और कॉशन मनी का भुगतान नहीं किया जाता। इसका उद्देश्य इंजीनियरिंग, मेडिकल या कानून सहित अन्य विषयों की पढ़ाई करने वाले छात्रों को स्कॉलरशिप देना है ताकि वे पैसों की तंगी की वजह से उच्च शिक्षा पाने से वंचित न रहें।

योजना की पात्रता

- मध्य प्रदेश बोर्ड से 12वीं पास करने पर कम से कम 70: प्रतिषत होने चाहिए।
- सीबीएसई या आईसीएसई से 12वीं पास करने पर न्यूनतम 85 प्रतिषत होने चाहिए।
- पिता या पालक की सालाना आय 8 लाख रुपये से ज्यादा नहीं होनी चाहिए।
- छात्र या छात्रा को मध्य प्रदेश का मूल निवासी होनी चाहिए।

12वीं के बाद करियर की नई राहः प्रोफेशनल कोर्स से बनाएं उज्ज्वल भविष्य

ज्यादातर छात्रों की ये इच्छा होती है कि वो 12वीं के बाद ऐसा कुछ करे जिससे उन्हे जल्द से जल्द नौकरी मिल सकें और वो अपने पैरों पर खड़े हो सके। जहां पहले छात्र उच्च शिक्षा की ओर ज्यादा ध्यान देते थे वही आज के दौर में छात्र प्रोफेशनल कोर्स की ओर ज्यादा आकर्षित होते हैं। और इसी फील्ड में करियर बनाना चाहते हैं। 12वीं करने के बाद छात्रों को इस बात की जानकारी कि वो किस फील्ड में जाएं और कौन सा कोर्स चुनें...तो हम आपके लिए लाए हैं प्रोफेशनल कोर्स से संबंधित वो जानकारी जो आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकती है।

ग्राफिक डिजाइनर- 12वीं के बाद एनिमेशन या फिर ग्राफिक्स में करियर बनाया जा सकता है। इस फील्ड में काफी स्कोप है। मीडिया हाउस, पब्लिकेशन हाउस, न्यूज चैनल, पत्र पत्रिकाओ, फिल्म या टेलीविजन इंडस्ट्री में ग्राफिक डिजाइनर की काफी डिमांड है। कई सरकारी या निजी संस्थान इससे जुडे कोर्स कराते हैं जो 1 साल से लेकर 3 साल तक की अवधि के है। इन कोर्स को करने के बाद लगभग 5 लाख तक सालाना कमाए जा सकते हैं। नौकरी ही नहीं बल्कि इस फील्ड में जाकर फ्रीलांस भी पैसे कमाए जा सकते हैं।

फैशन डिजाइनिंग- बाजारों में आज फैशन के नाम पर नई वैरायटी की भरमार है। ग्राहक हर समय कुछ अलग डिमांड कर रहा है। ऐसे में अगर आप क्रिएटिव हैं और कपड़ों में कुछ अलग डिजाइन कर सकते हैं तो फैशन डिजाइनर बन सकते हैं।

'मां की बगिया' में सचिव का घोटाला

सचिव ने हितग्राही की 23 हजार रुपए की राशि पत्नी समेत 5 लोगों के खाते में डलवाई

बालाघाट (स्वतंत्र मत)।

जनपद पंचायत कटंगी की ग्राम पंचायत टेकाड़ी (म) में मनरेगा की 'मां की बगिया' योजना को पंचायत सचिव गौतम शिंदे ने भ्रष्टाचार की भेंट चड़ा दिया। योजना के तहत हितग्राही किसान दुर्गेश गौरे को निजी जमीन पर फलदार बगीचा लगाने के लिए 100 पौधे दिए गए थे। पौधों को 3 साल तक जीवित रखने पर सरकार से 1 लाख 33 हजार रुपए की आर्थिक सहायता मिलनी थी। लेकिन पंचायत सचिव ने हितग्राही की दूसरी किस्त की 23 हजार रुपए की राशि का गबन कर दिया। यह राशि सचिव ने अपनी पत्नी सारिका शिंदे सहित अंजना, शुभम, रोहित और वंदन सूर्यवंशी के बैंक खातों में ट्रांसफर करवा दी। जिसके बाद मूल्यांकन नहीं हुआ तो सरकार से मिलने वाली शेष राशि किसान को आज तक नहीं मिल पाई है।

जानकारी अनुसार, हितग्राही दुर्गेश गौरे ने पहले जनपद पंचायत कटंगी कार्यालय में शिकायत की। अधिकारियों ने शिकायत को नजरअंदाज कर दिया। इसके बाद किसान ने सीएम हेल्पलाइन 181 पर शिकायत दर्ज कराई। जांच दल ने पंचायत सचिव गौतम शिंदे को

प्रथम दृष्टया दोषी मान लिया, लेकिन उनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई शुरू नहीं हुई है। उल्टे जांच दल ही हितग्राही पर सीएम हेल्पलाइन की शिकायत वापस लेने का दबाव बना रहा है। किसान का कहना है कि जब तक उसे योजना की पूरी राशि 1 लाख 33 हजार रुपए नहीं मिल जाती, वह शिकायत वापस नहीं लेगा। शनिवार 06 जून की दोपहर साढे 03 बजे हितग्राही ने पूरे मामले की जानकारी दी है।

आय बड़ाने का सपना

केंद्र और राज्य सरकार की 'मां की बगिया' योजना मनरेगा के तहत संचालित होती है। इस योजना का उद्देश्य ग्रामीण किसानों को उनकी निजी भूमि पर फलदार पौधे लगाकर आर्थिक रूप से मजबूत करना और पर्यावरण संरक्षण को बड़ावा देना है। योजना के नियम के अनुसार हितग्राही की भूमि पर 100 फलदार पौधे लगाए जाते हैं। इनमें आम, अमरूद, नींबू, सहजन, आंवला जैसी प्रजातियां शामिल होती हैं। पौधों की जियो टैगिंग और फोटो अपलोड करना अनिवार्य है। इन पौधों की 3 साल तक देखभाल करने पर सरकार किस्तों में कुल 1 लाख 33 हजार रुपए देती है। पहली किस्त पौधे लगाने और जीवित रखने पर, दूसरी किस्त दूसरे साल और तीसरी किस्त तीसरे साल में दी जाती है। यह राशि सीधे हितग्राही और मजदूरों के बैंक खाते में डीबीटी के माध्यम से जाती है। किसान दुर्गेश गौरे को वर्ष 2023 में इस योजना का लाभ स्वीकृत किया गया। पंचायत द्वारा उनकी 1 एकड़ निजी जमीन पर 100 फलदार पौधे लगवाए गए। पौधे लगाने के बाद दुर्गेश को पहली किस्त के रूप में 22 हजार 700 रुपए मिल गए। पौधे भी हरे भरे थे। किसान को उम्मीद थी कि 3 साल में बगीचा तैयार हो जाएगा और उसकी आय बड़ जाएगी।

हितग्राही को नहीं मिली राशि

दूसरे साल जब पौधों की दूसरी किस्त जारी होने का समय आया तो दुर्गेश गौरे ने पंचायत सचिव से संपर्क किया। पंचायत सचिव हितग्राही को लगातार गुमराह करते रहे। किसान को शक हुआ तो उन्होंने पड़ताल की तब जाकर पता चला कि उसके नाम से जारी 23 हजार रुपए की राशि 5 अलग लोगों के खातों में ट्रांसफर कर दी गई है। इनमें पंचायत सचिव गौतम शिंदे की पत्नी सारिका शिंदे का खाता भी शामिल था।

बाकी खाते अंजना, शुभम, रोहित और वंदना सूर्यवंशी के नाम से थे। इनमें से किसी का भी 'मां की बगिया' योजना से कोई संबंध नहीं था। न इनकी जमीन पर पौधे लगे थे, न ये हितग्राही थे और ना ही इन्होंने मजदूरी की थी। गबन का पता चलने के बाद दुर्गेश गौरे सबसे पहले जनपद पंचायत कटंगी कार्यालय पहुंचा। उसने लिखित आवेदन देकर पंचायत सचिव के खिलाफ कार्रवाई और अपनी राशि वापस दिलाने की मांग की। उसने बैंक स्टेटमेंट और योजना के दस्तावेज भी संलग्न किए।

जांच दल के सामने सचिव हाजिर नहीं

जांच दल टेकाड़ी म ग्राम पंचायत पहुंचा। जांच के दौरान दुर्गेश गौरे जांच दल के सामने उपस्थित हुए उन्होंने अपना पक्ष रखते हुए बताया कि उन्हें योजना की राशि नहीं मिली है। लेकिन आरोपित पंचायत सचिव गौतम शिंदे जांच दल के सामने पेश नहीं हुआ। न उसने अपना कोई लिखित पक्ष रखा। सूत्रों के अनुसार सचिव ने फोन पर भी जांच दल से बात करने से इनकार कर दिया। जांच दल ने बैंक रिकॉर्ड, मनरेगा की एमआईएस रिपोर्ट और भुगतान की एंट्री खंगाली। जांच में स्पष्ट हुआ कि दुर्गेश गौरे की दूसरी किस्त की 23 हजार रुपए की राशि अनधिकृत रूप से 5 लोगों के खातों में भेजी गई है। जांच दल ने अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट में पंचायत सचिव गौतम शिंदे को प्रथम दृष्टया दोषी माना है। रिपोर्ट में कहा गया है कि सचिव ने अपने पद का दुरुपयोग कर शासकीय राशि का गबन किया है। यह मनरेगा अधिनियम और वित्तीय नियमों का सीधा उल्लंघन है।

सेलवा में शराब दुकान के सामने अवैध अतिक्रमण

अहाते बंद पर कब्जा बरकरार, बिजली पोल पर भी कब्जे से हादसे का खतरा

कटंगी (स्वतंत्र मत)। तहसील क्षेत्र के ग्राम सेलवा में शासकीय शराब दुकान के सामने अवैध तरीके से अहाते तैयार कर शराब बेची जा रही थी। स्थानीय महिलाओं के विरोध के बाद अहाते बंद तो हो गए, लेकिन अतिक्रमणकारियों ने शासकीय जमीन पर कब्जा नहीं छोड़ा। सबसे गंभीर बात यह है कि अतिक्रमणकारियों ने बिजली के पोल पर भी अवैध कब्जा कर लिया है। इससे बड़ा हादसा होने का खतरा मंडरा रहा है। महिलाओं ने 2 महीने पहले एसडीएम कटंगी कार्यालय में शिकायत कर अवैध अतिक्रमण हटाने की मांग की थी, लेकिन प्रशासन ने अब तक कोई कार्रवाई नहीं की है। इससे ग्रामीणों में आक्रोश है। ग्रामीणों के अनुसार सेलवा की शासकीय शराब दुकान के सामने कुछ लोगों ने शासकीय भूमि पर टीन शेड लगाकर पक्के और कच्चे अहाते बना लिए थे। यहां शराब खरीदने वाले लोग बैठकर पीते थे और खाली बोतलें फेंकते थे। शाम होते ही यह पूरा इलाका अड्डा बन जाता था। स्कूल

जाने वाले बच्चे और महिलाएं इस रास्ते से गुजरने में डरती थीं। महिलाओं का आरोप है कि अहाते बंद होने के बाद भी अतिक्रमणकारियों ने शासकीय जमीन पर से कब्जा नहीं हटाया। टीन शेड, बेंच और अवैध निर्माण अभी भी जस के तस खड़े हैं। इससे लगता है कि कभी भी अहाते फिर शुरू हो सकते हैं। इस पूरे मामले में राजस्व और बिजली विभाग की चुप्पी सवाल खड़े कर रही है। शासकीय भूमि पर अतिक्रमण करना गैर कानूनी है। बिजली पोल पर कब्जा तो सीधे जन सुरक्षा से खिलवाड़ है। इसके बावजूद 2 महीने से शिकायत का कागज धूल खा रहा हैं।

सबसे खतरनाक बात यह है कि अतिक्रमणकारियों ने बिजली के पोल पर भी कब्जा कर लिया है। पोल के चारों ओर लकड़ी और टीन लगाकर उसे घेर दिया गया है। बरसात के मौसम में यहां करंट लगने और शार्ट सर्किट होने का खतरा बना हुआ है। कोई भी बच्चा या राहगीर इसकी चपेट में आ सकता है। महिलाओं ने करीब 2 महीने पहले एसडीएम कटंगी कार्यालय में लिखित शिकायत दी थी। शिकायत में अवैध अतिक्रमण हटाने और बिजली पोल को मुक्त कराने की मांग की गई थी। महिलाओं ने एसडीएम को बताया था कि शराब दुकान के सामने अतिक्रमण के कारण गांव का माहौल खराब हो रहा है और हादसे का डर है। लेकिन 2 महीने बीत जाने के बाद भी प्रशासन की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। न अतिक्रमण हटाया गया, न बिजली पोल को मुक्त कराया गया। महिलाओं का कहना है कि हम बार कार्यालय के चक्कर काट रही हैं। हर बार आश्वासन मिल जाता है, लेकिन काम नहीं होता।

दिल्ली अग्निकांड के बाद बालाघाट में सुरक्षा व्यवस्थाओं की जांच शुरू

होटल, लॉज एवं अस्पतालों का संयुक्त दल ने किया निरीक्षण

बालाघाट(स्वतंत्र मत)। दिल्ली के एक रेस्टोरेंट में हुई अग्नि दुर्घटना के मद्देनजर बालाघाट जिले में सुरक्षा व्यवस्थाओं की जांच के लिए विशेष अभियान प्रारंभ किया गया है। कलेक्टर श्री मृणाल मीना के निर्देशन एवं एसडीएम श्री गोपाल सोनी के आदेश के परिपालन में 5 जून को बालाघाट शहर के विभिन्न होटल, लॉज, लॉन एवं अस्पतालों का निरीक्षण किया गया। अतिरिक्त तहसीलदार सुश्री छवि पंत के नेतृत्व में नायब तहसीलदार मंजुला महोबिया, पुलिस विभाग, नगर पालिका अमले तथा हल्का पटवारी अजीत तिवारी, अंचल साव एवं संजीव लिल्हारे की संयुक्त टीम द्वारा होटल गुलमोहर, होटल मिड टाउन एवं लाइफ केयर हॉस्पिटल का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान प्रतिष्ठानों में उपलब्ध सुरक्षा व्यवस्थाओं की गहन जांच की गई। टीम ने फायर एक्सटिंग्विशर की उपलब्धता एवं कार्यशीलता, आपातकालीन निकास मार्ग, लिफ्ट सुरक्षा, अग्नि सुरक्षा उपाय, विद्युत सुरक्षा मानकों, आवश्यक व्यावसायिक प्रमाणपत्रों, भवन अनुमति, स्टाफ की मॉक ड्रिल तथा आपदा प्रबंधन संबंधी तैयारियों का परीक्षण किया। जांच के समय संबंधित प्रतिष्ठानों के संचालक, प्रबंधक एवं स्टाफ उपस्थित रहे। अधिकारियों ने सुरक्षा मानकों का पूर्ण पालन सुनिश्चित करने तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतने के निर्देश दिए। प्रशासन द्वारा बताया गया कि नागरिकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए इस प्रकार की निरीक्षण कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

विशाल नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन 8 एवं 9 जून को उमरिया में

उमरिया (स्वतंत्र मत)। बिलासपुर जूनेजा सुपरस्पेशियलिटी आई हॉस्पिटल, बिलासपुर द्वारा ऑल इंडिया एसोसिएशन ऑफ कोल एग्जीक्यूटिव्स एवं ऑल इंडिया कोल पेंशनर्स एसोसिएशन के संयुक्त सहयोग से कोल कर्मियों एवं अन्य कर्मचारियों ,व जिले के नागरिकों के लिए विशाल नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया जा रहा है।शिविर में देश के प्रतिष्ठित नेत्र विशेषज्ञ डॉ. सोनल जुनेजा (एमएस, एफआरएफ, एफयूओसी, यूएसए) एवं डॉ. राकेश जुनेजा (एमएस, एफआरएफ, एफयूओसी, यूएसए) द्वारा मरीजों का परीक्षण एवं परामर्श दिया जाएगा।

शिविर के दौरान मोतियाबिंद, रेटिना, यूविया, न्यूरो-ऑप्थैल्मोलॉजी, ट्रॉमा एवं अन्य नेत्र रोगों की जांच की जाएगी। शिविर में आधुनिक मशीनों द्वारा रेटिना स्कैन एवं अन्य नेत्र परीक्षण किए जाएंगे। इसके अलावा आंखों में पानी आना, खुजली, धुंधला दिखाई देना, आंखों की पलकों, नाखून एवं आंसू ग्रंथियों से संबंधित समस्याओं का भी उपचार एवं परामर्श उपलब्ध रहेगा।

विश्व पर्यावरण दिवस पर बालाघाट ने प्रदेश में लहराया परचम

तीन श्रेणियों में प्रथम पुरस्कार प्राप्त कर जिले ने बढ़ाया गौरव

बालाघाट (स्वतंत्र मत)।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर मध्य प्रदेश शासन द्वारा पर्यावरण संरक्षण, प्रदूषण नियंत्रण एवं उत्कृष्ट पर्यावरण प्रबंधन के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले शैक्षणिक संस्थानों, औद्योगिक इकाइयों, खनन परियोजनाओं, नगरीय निकायों, स्वयंसेवी संस्थाओं एवं अन्य संस्थानों को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के हस्ते 05 जून को भोपाल में आयोजित कार्यक्रम में सम्मानित किया गया।

इस वर्ष बालाघाट जिले के लिए अत्यंत गौरवपूर्ण उपलब्धि रही कि प्रदेश स्तर पर विभिन्न श्रेणियों में प्रदान किए गए 11 प्रमुख पुरस्कारों में से 3 प्रथम पुरस्कार बालाघाट जिले की संस्थाओं को प्राप्त हुए हैं। इस अवसर पर पर्यावरण राज्य मंत्री दिलीप अहीरवार भी उपस्थित थे। यह कार्यक्रम भोपाल स्थित कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में आयोजित किया गया।

सबसे बड़ी उपलब्धि बालाघाट जिले के वारासिवनी विकासखंड अंतर्गत ग्राम खापा स्थित विसाग

बायोफ्यूल्स प्राइवेट लिमिटेड को मिली। प्रदेश की लगभग 3,000 से अधिक बड़ी औद्योगिक इकाइयों के बीच अति प्रदूषणकारी उद्योग श्रेणी में संचालित इस ग्रेन आधारित इथेनॉल संयंत्र को उत्कृष्ट पर्यावरण संरक्षण, प्रदूषण नियंत्रण तथा सर्वोत्तम पर्यावरण प्रबंधन के लिए प्रदेश का प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया। यह सम्मान न केवल विसाग बायोफ्यूल्स के लिए बल्कि पूरे बालाघाट जिले के लिए गर्व और सम्मान का विषय है। यह पुरुष्कार विसाग बायोफ्यूल्स के संचालक अतुल वैद्य द्वारा प्राप्त किया गया।

खनन क्षेत्र में बालाघाट जिले की रमरमा खदान, जिसका संचालन ए.पी. त्रिवेदी एंड संस द्वारा किया जाता है, को भी पर्यावरणीय प्रबंधन और सतत खनन गतिविधियों के लिए प्रदेश की सर्वश्रेष्ठ खदान के रूप में प्रथम पुरस्कार डायरेक्टर निश्चल त्रिवेदी और हर्ष त्रिवेदी को प्राप्त हुआ है। लघु उद्योग श्रेणी में बालाघाट जिले की केशर एग्रोटेक के संचालक रवि वैद्य, महेंद्र पारधी एवं अभिजीत तुरकर को उत्कृष्ट पर्यावरण प्रबंधन एवं पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्यों के लिए प्रदेश स्तर पर प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया। ये सभी सम्मान मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव एवं पर्यावरण राज्य मंत्री दिलीप अहीरवार द्वारा भोपाल स्थित कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में प्रदान किए गए।

उल्लेखनीय है कि विभिन्न श्रेणियों में हजारों संस्थानों और औद्योगिक इकाइयों के बीच बालाघाट जिले की तीन संस्थाओं का प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त करना जिले की पर्यावरणीय जागरूकता, औद्योगिक उत्कृष्टता तथा सतत विकास के प्रति प्रतिबद्धता का प्रमाण है। प्रदेश के कुल 11 पुरस्कारों में से 3 प्रथम पुरस्कार बालाघाट जिले को मिलना अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि है, जिसने जिले का नाम पूरे मध्य प्रदेश में गौरवान्वित किया है।

जिले के नागरिकों, उद्योग जगत एवं प्रशासनिक अधिकारियों ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे बालाघाट के लिए गौरवपूर्ण क्षण बताया है। पर्यावरण संरक्षण और औद्योगिक विकास के संतुलित मॉडल के रूप में बालाघाट की यह सफलता प्रदेश के अन्य जिलों के लिए भी प्रेरणास्रोत बनेगी।

छात्रावास से बिना अनुमति के इमारती लकड़ी कटवाकर बिक्री कर दिया, दोषियों पर कार्यवाही कब..?

मानपुर (स्वतंत्र मत)। शासकीय सीनियर उतकृष्ट छात्रावास मानपुर के मैदान में पुराने विशाल यूकेलिप्टिस के कई हरेभरे पेड़ लहराते हुये शुरक्षित खड़े थे, इन हरे भरे इमारती लकड़ी वाले विसाल पेड़ों में कई प्रजाति के पक्षियों का बसेरा रहता था जिन पक्षियों के सुंदर बोली उस छात्रावास के बच्चों का मन मोह लिया करते थे, इन हरेभरे पेढ़ों से म्लने वाले ठंडक छाया एवं आक्सीजन युक्त हवा से उस हॉस्टल और पड़ोसिंयों को प्राकृतिक पर्यावरण और आभा से बड़ा ही मनमोहक आनंद का अनुभव मिला करताथा, जिन पेड़ों के उपस्थिति में वहां के शांती पर्यावरण में बहुत ही आनंद मिला करता था, जो छणभर में सब नष्ट हो गया। मानपुर के सीनियर उतकृष्ट बालक छात्रावास के सामने सड़क में दिनांक 02 जून 2026 को एक बड़े ट्रक में यूके लिप्टिस इमारती विसाल मोटे और बड़े कटे हुये गीली लकड़ी लोड करते हुये देखा गया, जहां स्थानीय लोगों ने बताया कि यहां लगेहुये विसाल मोटे और बड़े हरे - भरे पेड़ों की कटाई पिछले कुछ दिन - रात से चलू है, जिन्हें कटवाकर किसी ठेकेदार को बिक्री करदिया गयाहै, यहां लकड़ी के कटने के आवाज से शिर्फ हम स्थानीय लोगों को जानकारी मिली है कि यहां के हरे भरे पेड़ों की कटाई और ढुलाई का कार्य जोरों से चल रहा है। यहां के अधिक्षक के अलावा हमें अथवा सायद अन्य किसी लोगों को यह जानकारी नहीं है कि ये पेड़ किसके आदेशों पर, किस ठेकेदार द्वारा कटवाकर कितने कीमत में क्रय कर के अथवा निशुल्क में कहां ले जाया जा रहा है अथवा कहां भेजवाया जा रहा है ? यहां ये उठने वाले कई ट्रेक इमारती लकड़ी अथला विक्री लकड़ी के मोटे रकम का उपयोग कहां और किसके कामे आने वाला है ? वहीं क्षेत्र वासियों का कहना है कि हमने इन हरे भरे विसाल पेड़ों के कटाई, बिक्री के निलामी निविदा किसी अखबारों में नहीं पढ़े हैं और समाचार चौनलों में देखे सुने भी नहीं हैं, यहां तक की इस विषय के संबंध में आज दिनांक तक कहीं चस्पा भी नहीं देखे हैं, जो शक्त जांच एवं दोसियों पर कड़े कार्यवाही का विषय है।

इनका कहना है

यहां पेड़ काटवाने और बिक्री करवाने के पहले ही नगर परिषद और एसडीएम कार्यालय और इन के अलावा जहां जहां से नियमतह आदेश और अनापत्ती कागजाद चाहिये वो पहले ही ले लिया गया है जिसकी जानकारी विभागीय जिला मुख्यालय में भी भेजवा दिया गया है, तब यहां के पेड़ों को ठेकेदार को बिक्री कर दिया गया है।

रामभुवन पटेल, अधिक्षक उतकृष्ट बालक छात्रावास मानपुर

इस विषय के सम्बन्ध में आज दिनांक तक कार्यालय नगर परिसद मानपुर के पास नहीं आया है और यहां से कोई एनओसी कागज भी जारी नहीं किया गया है।

राजेन्द्र प्रसाद कुशवाहा
सीएमओ मानपुर

यहां के हरे - भरे पेड़ों के कटाई और बिक्री के विषय पर उक्त छात्रावास से आज दिनांक तक हमें किसी भी प्रकार की जानकारी नही मिली है और यहां से किसीभी प्रकार के निर्देश भी जारी नहीं किया गयाहै, उक्त विषय के संज्ञान में लेते हुये स्पस्टी करण जवाब मांगा गया है जिसका संतुस्टीकरण जवाब 24 घंटे के अंदर न मिलने पर कानूनियन शक्त जांच और दोस्यों पर कड़े कार्यवाही किया जायेगा।

श्रीमती पूजा द्विवेदी एसी ट्राईबल उमरिया

ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर 'आरोह 2026' का हुआ उत्साहपूर्ण समापन

उमरिया (स्वतंत्र मत)। जिले में आयोजित ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर 'आरोह 2026' का समापन समारोह शुक्रवार 5 जून को उत्साह एवं उल्लास के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक बांधवगढ़ शिवनारायण सिंह एवं कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और अभिभावकों को संबोधित करते हुए खेलों के महत्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर शिविर में प्रशिक्षण देने वाले कोचों तथा प्रतिभागी बच्चों को प्रमाण-पत्र एवं टी-शर्ट प्रदान कर सम्मानित किया गया। समारोह को संबोधित करते हुए विधायक शिवनारायण सिंह ने कहा कि खेल केवल शारीरिक विकास का माध्यम नहीं हैं, बल्कि अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास और टीम भावना के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि बच्चों को शिक्षा के साथ-साथ खेल गतिविधियों में भी सक्रिय रूप से भाग लेना चाहिए, ताकि उनका सर्वांगीण विकास हो सके। उन्होंने शिविर में प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए भविष्य में जिले, प्रदेश और देश का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया।कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने बताया कि ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर 'आरोह 2026' का उद्देश्य बच्चों की खेल प्रतिभाओं को निखारना और उन्हें बेहतर मंच उपलब्ध कराना था। शिविर के दौरान विभिन्न खेल विधाओं में विशेषज्ञ प्रशिक्षकों द्वारा तकनीकी एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया, जिससे बच्चों में खेलों के प्रति रुचि और आत्मविश्वास का विकास हुआ है। उन्होंने कहा कि खेल व्यक्ति को स्वस्थ, अनुशासित और सकारात्मक बनाते हैं तथा जीवन की चुनौतियों का सामना करने की क्षमता प्रदान करते हैं। उन्होंने बच्चों को सलाह दी कि वे अपनी रुचि के किसी एक खेल को चुनकर समर्पण और मेहनत के साथ अभ्यास करें, जिससे सफलता निश्चित रूप से प्राप्त होगी। कार्यक्रम में आशुतोष अग्रवाल ने कहा कि प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन, समर्पण और मेहनत से ही खिलाड़ियों की प्रतिभा निखरती है।

फूड सेफ्टी वाहन से हुई खाद्य पदार्थों की जांच

उमरिया (स्वतंत्र मत)। खाद्य सुरक्षा व औषधि विभाग द्वारा संचालित फूड सेफ्टी ऑन व्हील्स नामक मोबाइल प्रयोगशाला उमरिया पहुंची। इसके माध्यम से विभाग द्वारा लोगों को खाद्य पदार्थो की सुरक्षा व जांच के बारे में जागरूक किया गया। अभियान के दौरान लोगों के खाद्य पदार्थो की जांच करके होने वाले मिलावट के बारे में भी जानकारी दी गई।

गुरुवार 4 जून को शासन के निर्देश पर जिले में वाहन भेजा गया। फूड सेफ्टी वाहन से खाद्य पदार्थों की जांच की गई। यहां घूम-घूम कर खाद्य सुरक्षा अधिकारी मंजू वर्मा ने टीम के साथ किराना, मिठाई, डेयरी सहित दर्जनों दुकानों की जांच की और नमूने लिए गए, और फरूड सेफ्टी वाहन में लिये गए नमूनों की जांच की गई। फूड सेफ्टी ऑन व्हील्स नामक मोबाइल प्रयोगशाला के माध्यम से खाद्य सुरक्षा व औषधि विभाग द्वारा मौके पर ही लोगों के खाद्य पदार्थों की जांच करके मिलावट के बारे में जागरूक किया जा रहा है।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी मंजू वर्मा ने बताया कि इस फूड सेफ्टी वाहन में तत्काल खाद्य पदार्थों की जांच की सुविधा है। नमूने लेकर जांच करने पर तत्काल पता चल जाएगा कि सामान नकली है या असली। कलेक्टर उमरिया राखी सहाय के निर्देशन में खाद्य अधिकारी मंजू वर्मा के नेतृत्व में उमरिया नगर का भ्रमण कर लगभग 15..16 दुकानों से सेम्पल

लिए गए जिन्हें वाहन में जाँचा गया जो मानक स्तर के पाए गए। खाद्य अधिकारी द्वारा दुकानदारों और ग्राहकों को जागरूक किया गया। नगर के संजय मार्केट के किराना दुकानों में जांच की गई जिसमें दुकानदारों को लाइसेंस सामने लगाने को कहा गया साथ मे दुकानों और गोदामो में जहाँ खाद्य सामग्री रहती है उसे साफ सुथरा रखने और एक्सपायरी सामानों को दुकान में न रखने की समझाइश दी गई। नगर के संजय मार्केट, पुरानी पोस्ट ऑफिस कैम्प, स्टेशन रोड, जय स्तंभ के आस पास दर्जनों दुकानों से सेम्पल एकत्रित कर जांच की गई। साथ ही मिष्ठान दुकानों में तैयार मिठाइयों की जांच की गई।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी मंजू वर्मा ने बताया कि मोबाइल लैब में मिल्क एनालाइजर, हॉट एयर ओवन, हॉट प्लेट, मिक्सर ग्राइंडर, डिजिटल वेइंग स्केल, डिजिटल मल्टी पैरामीटर, हेड हेल्ड मीटर, डिजिटल रिफ्रेक्टोमीटर आदि उपकरण मौजूद हैं। मौके पर दूध में फैट की मात्रा, मिलावट वाले स्टार्च, यूरिया, पानी में जीएच जैसे रसायनों की जांच मौके पर ही की जा रही है।

हर साल फेल नमूनों की घटती गई संख्या

लगातार हो रही सघन जांच से जिले और प्रदेश में अमानक खाद्य पदार्थों की बिक्री में कमी आ रहे हैं। शासन, प्रशासन और विभाग की मुस्तैदी और कड़े नियमो से अब मिलावटखोर सतर्क हो गए है जिसका फायदा आम जन को मिल रहा है और शुद्ध चीजे ही बाजार में मिलने लगी है। खाद्य सुरक्षा प्रशासन के अमले ने 2023-24 में 14939 खाद्य पदार्थों के सैंपल लिए थे। प्रयोगशाला में जांच के बाद करीब 2022 नमूने फेल-अमानक पाए गए। इसमें 2161 मामले सक्षम न्यायालय में दर्ज किए गए। इस साल अमानक नमूनों का प्रतिशत 13.53 रहा, जबकि वर्ष 2024-25 में विभागीय अमले ने 15264 नमूने प्रदेश भर से लिए। इसमें 1635 नमूने जांच में फेल पाए गए। करीब 2405 प्रकरण सक्षम न्यायालय में प्रस्तुत किए गए। इस साल फेल नमूनों का प्रतिशत. 10.71 प्रतिशत रहा। वर्ष 2025-26 की बात करें तो सबसे अधिक 18 हजार 534 नमूने लिए गए।

विश्व पर्यावरण दिवस पर कान्हा टाईगर रिजर्व में कार्यशाला वन्यजीव संरक्षण पर हुआ जनसंवाद, पौधरोपण भी किया गया

मण्डला(स्वतंत्र मत)।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर देश के प्रसिद्ध राष्ट्रीय उद्यानों में शामिल कान्हा टाइगर रिजर्व में कार्यशाला का आयोजन किया गया। खटिया स्थित इको सेंटर में आयोजित इस कार्यशाला में लोकतंत्र के चौथे स्तंभ माने जाने वाले मीडिया जगत के पत्रकारों ने सहभागिता दर्ज कराते हुए वन्यजीव संरक्षण पर्यावरण सुरक्षा और जन-जागरूकता के विभिन्न पहलुओं पर विशेषज्ञ एवं वन अधिकारियों के साथ विस्तृत संवाद किया।

कार्यक्रम में अधिकारियों ने वन्यजीव प्रबंधन की आधुनिक तकनीक बाघों एवं अन्य वन्यजीवों की गणना की वैज्ञानिक पद्धति रेस्क्यू एवं जांच प्रोटोकॉल तथा वन्यजीवों में फैलने वाली बीमारियों की रोकथाम संबंधी जानकारी साझा की। कार्यक्रम में कान्हा टाइगर रिजर्व के क्षेत्र संचालक रविन्द्र मणि त्रिपाठी, उप संचालक (कोर) प्रकाश कुमार वर्मा, सहायक संचालक आशीष पाण्डेय, परिक्षेत्र अधिकारी सौरभ चौबे, फील्ड बायोलॉजिस्ट अजिनक्या देशमुख सहित विभाग के अनेक अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यशाला का उद्देश्य मीडिया और वन विभाग के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना तथा संरक्षण संबंधी विषयों को समाज तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने के लिए साझा रणनीति विकसित करना था। कार्यक्रम का शुभारंभ कान्हा टाइगर रिजर्व के संस्थापक और पद्म विभूषण से सम्मानित स्वर्गीय एच. एस. पवार को श्रद्धांजलि अर्पित कर किया गया। उपस्थित अधिकारी और पत्रकारों ने वन्यजीव संरक्षण के क्षेत्र में उनके अमूल्य योगदान को याद करते हुए उन्हें नमन किया। अधिकारियों ने कहा कि कान्हा को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने में स्व. पवार की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उनके प्रयासों के कारण ही कान्हा आज देश के सर्वश्रेष्ठ संरक्षित वन क्षेत्रों में गिना जाता है।

श्रद्धांजलि कार्यक्रम के पश्चात पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए पत्रकारों एवं वन अधिकारियों ने संयुक्त रूप से पौधरोपण किया। सभी ने पर्यावरण संरक्षण और जैव विविधता संवर्धन के लिए निरंतर कार्य करने का संकल्प भी लिया। कार्यशाला के प्रथम तकनीकी सत्र को संबोधित करते हुए क्षेत्र संचालक रविन्द्र मणि त्रिपाठी ने कान्हा टाइगर रिजर्व में संचालित विभिन्न संरक्षण गतिविधियों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि वन्यजीव संरक्षण केवल वन विभाग की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि इसमें समाज के प्रत्येक वर्ग की भागीदारी आवश्यक है। मीडिया इस दिशा में सबसे प्रभावी माध्यम बन सकता है। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता के माध्यम से वन्यजीवों और पर्यावरण से जुड़े मुद्दों को जन-जन तक पहुंचाया जा सकता है।

यदि समाज को सही जानकारी मिलेगी तो संरक्षण के प्रयासों को व्यापक जनसमर्थन भी प्राप्त होगा। उन्होंने मीडिया प्रतिनिधियों से तथ्यपरक और सकारात्मक रिपोर्टिंग के माध्यम से संरक्षण अभियान को मजबूत करने का आह्वान किया। उप संचालक प्रकाश कुमार वर्मा ने कान्हा में संचालित अनुश्रवण गतिविधियों और सुरक्षा व्यवस्था के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आधुनिक तकनीकों की सहायता से वन्यजीवों की गतिविधियों पर लगातार निगरानी रखी जाती है। जंगलों में गश्त, कैमरा ट्रैप नेटवर्क, जीपीएस आधारित निगरानी और फील्ड स्टाफ की सक्रियता से वन्यजीवों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा रही है। उन्होंने पत्रकारों द्वारा पूछे गए विभिन्न प्रश्नों का उत्तर देते हुए बताया कि वन विभाग लगातार नए नवाचारों को अपना कर संरक्षण कार्यों को और अधिक प्रभावी बनाने का प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा कि पारदर्शिता और जनसहयोग संरक्षण की सफलता की सबसे बड़ी कुंजी है। कार्यशाला के दौरान सहायक संचालक आशीष पाण्डेय ने वन्यजीवों विशेषकर बाघ और तेंदुए की मृत्यु होने की स्थिति में अपनाई जाने वाली प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण एनटीसीए द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुसार प्रत्येक मामले की गंभीरता से जांच की जाती है। उन्होंने बताया कि किसी भी वन्यजीव की मृत्यु की सूचना मिलते ही घटनास्थल को सुरक्षित किया जाता है विशेषज्ञों की उपस्थिति में पोस्टमार्टम किया जाता है तथा पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी की जाती है। इसके बाद निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुसार अंतिम संस्कार किया जाता है। इस संपूर्ण प्रक्रिया का उद्देश्य पारदर्शिता बनाए रखना और मृत्यु के वास्तविक कारणों का वैज्ञानिक विश्लेषण करना होता है। फील्ड बायोलॉजिस्ट अजिनक्या देशमुख ने तकनीकी प्रस्तुतीकरण के माध्यम से वन्यजीव आकलन की आधुनिक वैज्ञानिक पद्धतियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वर्तमान समय में कैमरा ट्रैप, डेटा विश्लेषण, जीआईएस तकनीक और वैज्ञानिक सर्वेक्षण विधियों के माध्यम से वन्यजीवों की गणना की जाती है। उन्होंने विस्तार से बताया कि किस प्रकार प्रत्येक बाघ की धारियों का पैटर्न अलग होता है और कैमरा ट्रैप से प्राप्त तस्वीरों के आधार पर उनकी पहचान की जाती है। इसके अलावा शाकाहारी वन्यजीवों की संख्या उनके आवास और पारिस्थितिकी तंत्र की स्थिति का भी नियमित अध्ययन किया जाता है। पत्रकारों ने इस तकनीकी प्रस्तुतीकरण में विशेष रुचि दिखाई और अनेक जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया। कार्यशाला का एक महत्वपूर्ण विषय वन्यजीवों में फैलने वाले केनाइन डिस्टेंपर वायरस सीडीवी संक्रमण को लेकर रहा। क्षेत्र संचालक रविन्द्र मणि त्रिपाठी एवं उप संचालक प्रकाश कुमार वर्मा ने पत्रकारों को इस संक्रमण के बारे में विस्तृत जानकारी दी। कार्यशाला के दौरान आयोजित खुले संवाद सत्र में पत्रकारों और वन अधिकारियों के बीच सकारात्मक चर्चा हुई।

वंशिका कंस्ट्रक्शन ने रोपे पौधे

मण्डला (स्वतंत्र मत)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर एक पेड़ मां के नाम अभियान पर वंशिका कंस्ट्रक्शन मंडला के द्वारा जिले भर में वृक्षारोपण अभियान चलाया गया। पूरे जिले भर में लगभग 500 पौधे लगाए गए और इनकी सुरक्षा को लेकर शपथ ली गई। संचालक ने बताया कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर वृक्षारोपण अभियान चलाया गया।

ग्राम मुगदरा, सिलगी, बरबसपुर में पर्यावरण को ध्यान में रखते हुए वृक्षारोपण किया गया। इसी के साथ जिले की अन्य तहसील और ब्लॉक में भी वृक्षारोपण किया गया है। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर वृक्षारोपण, जागरूकता अभियान, स्वच्छता गतिविधियां तथा पर्यावरण संरक्षण विषयक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों, विद्यार्थियों एवं नागरिकों ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया विभिन्न स्थानों पर फलदार एवं छायादार पौधे लगाए गए तथा उनकी नियमित देखभाल का संकल्प भी लिया गया वक्ताओं ने कहा कि बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए अधिक से अधिक वृक्षारोपण आवश्यक है इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण एवं प्रकृति संवर्धन की शपथ भी दिलाई गई शपथ के माध्यम से बच्चों ने पेड़-पौधों की रक्षा करने जल संरक्षण करने प्लास्टिक का कम उपयोग करने तथा स्वच्छ एवं हरित वातावरण बनाने में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाने का संकल्प लिया कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई तथा लोगों को दैनिक जीवन में पर्यावरण के अनुकूल आदतें अपनाने के लिए प्रेरित किया गया आयोजकों ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक दिन का अभियान नहीं बल्कि प्रत्येक नागरिक की निरंतर जिम्मेदारी है कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित लोगों ने अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ सुरक्षित और हरित पर्यावरण सुनिश्चित करने का संकल्प लिया।

मां रेवती कॉलेज ने मनाया पर्यावरण दिवस

मण्डला (स्वतंत्र मत)।

मां रेवती कॉलेज ऑफ एजुकेशन में 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस अत्यंत उत्साह और गरिमा के साथ मनाया गया। इस विशेष उपलक्ष्य में महाविद्यालय परिसर में विभिन्न पर्यावरण-हितैषी कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य रूप से वृक्षारोपण कार्यक्रम एवं वृहद सफाई अभियान चलाया गया।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित करते हुए यह संदेश दिया गया कि जब विश्व पर्यावरण दिवस पर पूरा समुदाय चाहे वे छात्र हों शिक्षक हों या आम नागरिक एक साथ मिलकर झाड़ू उठाता है या पौधे लगाता है तो समाज में एक सामूहिक जिम्मेदारी की भावना पैदा होती है। इस मुहिम को सफल बनाने महाविद्यालय के सभी छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और परिसर व आस-पास के क्षेत्रों में अधिक से अधिक पौधे रोपे। इसके साथ ही चलाए गए विशेष सफाई अभियान के माध्यम से विद्यार्थियों ने समाज को यह संदेश दिया कि स्वच्छता सिर्फ कचरा उठाने का काम नहीं है बल्कि यह हमारी जीवनशैली को सुधारने और प्रकृति को सहेजने का एक सशक्त जरिया है। यह संपूर्ण कार्यक्रम महाविद्यालय के संचालक डॉक्टर अभिषेक चौबे एवं प्राचार्य डॉक्टर कनिका खरे के कुशल निर्देशन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का सफल संचालन महाविद्यालय की सहायक प्राध्यापिका अपूर्वा मिश्रा द्वारा किया गया। इस अवसर पर संस्थान के सभी सहायक अध्यापकों, गैर-शिक्षण स्टाफ और छात्र-छात्राओं ने अपनी सक्रिय उपस्थिति दर्ज कराई ।

आईआईपीए टीम का भ्रमण

मण्डला (स्वतंत्र मत)। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन आईआईपीए की अध्ययन टीम मंडला पहुंची टीम ने जिले की प्रशासनिक इकाइयों की कार्यप्रणाली भौगोलिक परिस्थितियों तथा जनसेवाओं की उपलब्धता का अध्ययन कर जनोन्मुखी एवं सुलभ प्रशासन को और अधिक प्रभावी बनाने के संबंध में जानकारी प्राप्त की भ्रमण के दौरान टीम ने सर्वप्रथम कलेक्टर से उनके कार्यालय कक्ष में सौजन्य भेंट की इस अवसर पर जिले की प्रशासनिक संरचना भौगोलिक परिस्थितियों दूरस्थ क्षेत्रों में प्रशासनिक सेवाओं की उपलब्धता तथा प्रशासनिक चुनौतियों के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई।

भावल में कार्यों की अनदेखी, कई निर्माण अधूरे

मण्डला (स्वतंत्रमत)।

जनपद पंचायत नारायणगंज की ग्राम पंचायत भावल में अनेक निर्माण कार्य अधूरे पड़े हैं। वहीं जो निर्माण कार्य किए गए हैं इनकी गुणवत्ता पर सवाल हैं वहीं यहां पर स्वच्छता का भी कोई खास प्रभाव दिखाई नही देता है पंचायत के अनेक वार्डो मे गंदगी का ढेर है तो नियमित साफ सफाई भी नही हो रही है। तो दूसरी तरफ स्वीकृत निर्माण कार्य कब आरंभ होंगे और कब पूर्ण होंगे इस पर ग्रामीण सवाल कर रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि कई काम ऐसे हैं कि जो कई बार स्वीकृत किए जा चुकें हैं। भावल में विकास कार्यों की प्रगति को लेकर ग्रामीणों में असंतोष देखा जा रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि शासन द्वारा विभिन्न विकास योजनाओं के तहत राशि स्वीकृत किए जाने के बावजूद कई कार्य अधूरे पड़े हैं जिससे आमजन को अपेक्षित सुविधाएं नहीं मिल पा रही हैं। जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत भावल में सांस्कृतिक भवन निर्माण के लिए लगभग 5 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई थी। भवन का मुख्य निर्माण कार्य तो कर दिया गया लेकिन शौचालय एवं टाइल्स लगाने का कार्य लंबे समय से अधूरा पड़ा हुआ है। ग्रामीणों का कहना है कि किसी भी सार्वजनिक भवन में शौचालय जैसी मूलभूत सुविधा आवश्यक होती है लेकिन इसके अभाव में भवन का समुचित उपयोग नहीं हो पा रहा है। इसी प्रकार विधायक निधि से लगभग 2 लाख रुपये की लागत से स्वीकृत रंगमंच निर्माण कार्य भी अब तक प्रारंभ नहीं हो सका है। वहीं जनपद निधि से स्वीकृत 1 लाख रुपये के चबूतरा निर्माण कार्य की स्थिति भी लंबित बताई जा रही है। ग्रामीणों का आरोप है कि विकास कार्यों में लापरवाही के कारण योजनाओं का लाभ समय पर नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से निर्माण कार्यों की जांच कराते हुए अधूरे कार्यों को शीघ्र पूर्ण कराने मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते कार्यों को पूरा नहीं कराया गया तो शासन की जनहितकारी योजनाओं का उद्देश्य प्रभावित होगा। अब क्षेत्रवासियों की नजर संबंधित विभाग और जिम्मेदार अधिकारियों की कार्रवाई पर टिकी हुई है।

नर्मदा स्वच्छता अभियान पर किया गया पौधरोपण

मण्डला(स्वतंत्र मत)।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर मेरा युवा भारत द्वारा नर्मदा स्वच्छता अभियान एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में लगभग 40 से 50 स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए नर्मदा घाट क्षेत्र में स्वच्छता कार्य किया तथा पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नगर पालिका परिषद अध्यक्ष विनोद कछवाहा रहे उन्होंने स्वयंसेवकों का उत्साहवर्धन करते हुए नर्मदा नदी की स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला तथा युवाओं से ऐसे जनहितकारी अभियानों में निरंतर सहभागिता का आह्वान किया। अभियान के दौरान स्वयंसेवकों द्वारा नर्मदा घाट एवं आसपास के क्षेत्र में स्वच्छता कार्य किया गया तथा वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया कार्यक्रम के समापन अवसर पर सभी प्रतिभागियों को मेरा युवा भारत के प्रमाण-पत्र वितरित किए गए इस अवसर पर जिला युवा अधिकारी भुवन सिंह सोलंकी ने उपस्थित स्वयंसेवकों को विभिन्न गतिविधियों स्वयंसेवी अवसरों एवं युवाओं के लिए उपलब्ध कार्यक्रमों की जानकारी दी।

संत समिति अध्यक्ष बने स्वामी सच्चिदानंद

मण्डला (स्वतंत्र मत)। अखिल भारतीय संत समिति के प्रदेशाध्यक्ष एवं जगतगुरु नरसिंह पीठाधीश्वर जबलपुर से पधारे पूज्य संत के नेतृत्व में संत समिति की महत्वपूर्ण बैठक निर्भय सेवा आश्रम घाघा में आयोजित की गई। इस अवसर पर समिति के प्रदेश उपाध्यक्ष बालकदास महाराज तथा राम की शरण महाराज का आगमन हुआ जिनका देव बप्पा सेवा आश्रम के संतों एवं मां नर्मदा भक्तों द्वारा आत्मीय स्वागत किया गया बैठक में मंडला एवं डिंडोरी जिले के अनेक संतों ने सहभागिता की कार्यक्रम के दौरान गौ रक्षा, सनातन धर्म की रक्षा, पर्यावरण संरक्षण तथा वर्तमान परिस्थितियों में संत समाज के संगठन और एकत्रीकरण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई संतों ने समाज एवं राष्ट्रहित में संयुक्त रूप से कार्य करने का संकल्प लिया बैठक के दौरान अखिल भारतीय संत समिति के प्रदेशाध्यक्ष के सानिध्य में स्वामी सच्चिदानंद जी महाराज देव बप्पा सेवा आश्रम को समिति का मंडला जिला अध्यक्ष मनोनीत किया गया मनोनयन के उपरांत स्वामी सच्चिदानंद महाराज ने कहा कि संत समाज द्वारा उन्हें जो दायित्व सौंपा गया है उसका वे पूर्ण निष्ठा एवं समर्पण भाव से निर्वहन करने का प्रयास करेंगे कार्यक्रम में स्वामी प्रेमानंद महाराज निर्भय सेवा आश्रम घाघा, रामदास महाराज, मोहन दास महाराज सहस्त्रधारा आश्रम, योगी रामेश्वरम नाथ, साध्वी मनीषा दीदी, साध्वी ललिता दीदी, विश्व हिंदू परिषद धर्माचार्य संपर्क प्रमुख मुन्ना पांडे, जबलपुर से शंकरदास महाराज सहित अनेक संत समाजसेवी एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे बैठक के उपरांत निर्भय सेवा आश्रम घाघा में भंडारे का आयोजन किया गया।

रात्रि चौपाल में सुनीं समस्याएं

मण्डला (स्वतंत्रमत)।

ग्रामीण क्षेत्रों में प्रशासन की पहुंच को और अधिक प्रभावी बनाने तथा आमजन की समस्याओं का मौके पर निराकरण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मवई विकासखंड के ग्राम दाढ़ी में रात्रि चौपाल एवं रात्रि विश्राम कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कलेक्टर एसपी जिला पंचायत सीईओ सहित जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों ने ग्रामीणों के बीच पहुंचकर उनकी समस्याएं सुनीं आवश्यक सुझाव प्राप्त किए तथा संबंधित अधिकारियों को त्वरित निराकरण के निर्देश दिए रात्रि चौपाल में बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

कानून व्यवस्था की समीक्षा

मण्डला (स्वतंत्र मत)। जिला योजना भवन में कानून और व्यवस्था की समीक्षा करते हुए कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे ने कहा कि जिले के राष्ट्रीय राजमार्ग से जुड़े क्षेत्रों में सड़क दुर्घटनाएं बड़ी संख्या में रिपोर्ट हुई हैं। दुर्घटनाओं में घायल हुए लोगों को त्वरित सहायता देना हमारी ड्यूटी है। उन्होंने पीएम राहत योजना के अंतर्गत शासकीय चिकित्सालयों के साथ-साथ निजी चिकित्सालयों को भी इम्पेनल्ड करने के लिए आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। बैठक में मौजूद शहर के 2 निजी चिकित्सालयों के प्रतिनिधियों से भी इस संबंध में कलेक्टर ने चर्चा की। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस योजना के अंतर्गत दुर्घटना के प्रकरणों में 24 घण्टे के भीतर संबंधित चिकित्सालय से पोर्टल पर पीड़ित की आईडी बनाया जाना आवश्यक है।

आज होगा प्रतिमा अनावरण

मण्डला (स्वतंत्र मत)। धनगर समाज द्वारा न्याय लोककल्याण और सुशासन की प्रतीक राजमाता देवी अहिल्याबाई होलकर की प्रतिमा के अनावरण का कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इस अवसर पर मध्यप्रदेश शासन की कैबिनेट मंत्री श्रीमति संपतिया उइके मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहकर प्रतिमा का अनावरण करेंगी कार्यक्रम का आयोजन 7 जून को दोपहर 1 बजे से ज्वाला जी वार्ड मंगलेश्वर मंदिर के पास धनगर मोहल्ला महाराजपुर में किया जाएगा।

पर्यावरण संरक्षण के तहत नपा ने लिया पाँच सौ वृक्षों को सहेजने का संकल्प

नैनपुर (स्वतंत्र मत)। नगर पालिका परिषद के साधारण सम्मेलन 5 जून 2026 में पारित निर्णय अनुसार पर्यावरण संरक्षण और हरित क्षेत्र को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए निर्णय अनुसार पर्यावरण दिवस के अवसर पर नगर पालिका द्वारा 500 वृक्ष लगाए जाने का संकल्प लिया गया ।

उक्त क्रम में मुख्य नगर पालिका अधिकारी लक्ष्मण सिंह सारस द्वारा घोषणा की गई की वृक्षारोपण हेतु किए जाने वाले गड्ढों के व्यय के 50 प्रति राशि का भुगतान उनके स्वयं के द्वारा किया जाएगा परिषद के जन प्रतिनिधि एवं कर्मचारियों के घर पर दो पौधे लगाए जाने का निर्णय लिया गया इसी क्रम में दिनांक 6 जून 2026 को वार्ड क्रमांक 5 पार्षद नितिन ठाकुर के घर पर पांच पौधों का रोपण किया गया एवं विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शपथ ली गई कि नगर के विभिन्न वार्डों एवं सार्वजनिक क्षेत्र में वृक्षारोपण करके नैनपुर को पर्यावरण कवच प्रदान करेंगे उक्त कार्यक्रम में अध्यक्ष श्रीमती कृष्णा पंजवानी , पार्षद राजाराम शर्मा, नितिन ठाकुर , मुख्य नगर पालिका अधिकारी लक्ष्मण सिंह सारस, श्रीमती ममता ठाकुर , उपयंत्री अभिलाष श्रीवास, राजस्व निरीक्षक प्रेम कुमार चौटेल, अरुण यादव एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

मारपीट मामले में तीन अभियुक्त न्यायालय द्वारा दंडित

न्यायालय उठने तक की सजा एवं एक हजार रूपये अर्थदंड

नैनपुर (स्वतंत्र मत)।

वार्ड क्रमांक 14 गोपाल सिंह नाग की रिपोर्ट पर पुलिस थाना नैनपुर के द्वारा अपराध क्रमांक 106/23 धारा 294, 323, 506, भाग- 2, 34 भा. दं. सं. की प्रथम सूचना रिपोर्ट पंजीवद की गई तथा 24/02/2023 को किये गये अपराध में तीन अभियुक्त निरोत्तम नाग आत्मज वचन लाल, उमा नाग पत्नि निरोत्तम नाग एंव वचन लाल आत्मज चेतु लाल नाग सभी निवासी वार्ड क्रमांक 14 छोटी खैरमाई नैनपुर जिला मंडला पर मामला कायम करते विवेचना पश्चात माननीय न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी नैनपुर के समक्ष प्रस्तुत किया गया। जिसपर 11/05/2026 को माननीय न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी आदिल अहमद खान नैनपुर के द्वारा फेसला सुनाया गया।

एडीपीओ सुश्री रेखा निकुरे के द्वारा बताया गया कि अभियुक्त नीरोत्तम नाग , उषानाग एंव वचन लाल नाग को धारा 294, 323 विकल्प में 323/ 34 ए व 506 भाग 2 भा.द.स. 294 एवं 506 भाग 2 भा.द.स. में दोषमुक्त तथा धारा 323 भा.द.स. में दोष सिद्ध होने पर धारा 323भा.द.स. में न्यायालय उठने तक का कारावास एवं एक एक हजार रूपए का अर्थदंड तीनों को किया गया। अर्थ दंड की राशि जमा न करने की दशा में प्रत्येक को 15 दिवस का सश्रम कारावास भुगतना होगा।

Gyan Jyoti Higher Secondary School Nainpur
TEACHER REQUIREMENT 2026-27

Application are Invited to the post of

POST	GENDER	QUALIFICATION
Computer	Male/Female	MCA/M.Sc. (CS/IT)B. Com, M.Com,B.E./B. Tech /M. Tech Or any other higher degree in the field of I.T.
Pre-Primary	Female	NIT/B.ED
Sport	Male/Female	B.P.E.d/M.P.E.d/ M.P.E.S.

Trained Graduate/Post Graduate Teacher for Teaching in Middle Classes Hindi # English # S. Science# Science # Maths # Sanskrit # High & Higher Classes Physics # Chemistry # Biology # English Spoken # Cultural Activities Drawing Painting Note-Fluency in English is a must.
Qualified and interested candidates may submit their application (Hard Copy only) along, with their CVs, certificates and a recent passport size photo in the school office on or before 11/06/2026
Day-Thursday. Written Test - 9:00 AM
Date - 11/06/2026 Day - Thursday
Office time - 9:00 am to 12:00 PM.

President's Contact No. (9893746561)

Principal Contact No. (9893746300)

होम्योपैथिक डॉक्टर बनकर कॅरियर में भरें मिठास

बॅचलर ऑफ होम्योपैथिक मेडिसिन एंड सर्जरी कोर्स में प्राकृतिक उपचारों के बारे में ज्ञान दिया जाता है। इस कोर्स में उम्मीदवार को मेडिसिन और सर्जरी दोनों के बारे में बताया जाता है। होम्योपैथिक मेडिसिन का क्षेत्र तेजी से आगे बढ़ रहा है। लोग आज कल होम्योपैथिक दवाओं की ओर अपना रुख करने लगे हैं।

बीएचएमएस क्या है?

होम्योपैथिक एक चिकित्सा पद्धति है, जिसमें बीमारी के उपचार के लिए अत्यधित तनु पदार्थों का प्रयोग किया जाता है। इसे सैमुअल हैनिमैन जो कि एक जर्मन डॉक्टर थे, द्वारा 1790 में विकसित किया गया था। इस प्रकार होम्योपैथिक दवाएं अस्तित्व में आईं।

कोर्स/योग्यता

- मान्यता प्राप्त बोर्ड से कक्षा 12वीं साइंस स्ट्रीम में पास करने वाला छात्र या अंतिम परीक्षा देने वाला छात्र आवेदन कर सकता है।
- इसके लिए छात्र को पीसीबी विषयों का नॉलेज होना अनिवार्य है।
- 12वीं में उम्मीदवार के कम से कम 50 प्रतिशत अंक होने अनिवार्य है।

प्रवेश परीक्षाएं

- नीट
- पीयू सीईटी
- आईपीयू एंट्रेंस टेस्ट
- टीएस ईएएमसीईटी
- एपी ईएएमसीईटी
- केईएएम

प्रवेश परीक्षा

आवेदन प्रक्रिया पूरी होने के बाद प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया जाएगा। उम्मीदवारों को उसमें शामिल होना है।

महत्वपूर्ण विषय

- मानव शरीर रचना विज्ञान
- इम्युनोलोगि
- होम्योपैथी के सिद्धांत
- विकृति विज्ञान
- शरीर क्रिया विज्ञान
- जीव रसायन
- समाचिकित्सा का
- स्त्री रोग और प्रसूति

रोजगार क्षेत्र

- क्लिनिक
- नर्सिंग होम
- सरकारी और प्राइवेट अस्पताल
- मेडिकल कॉलेज
- अनुसंधान संस्थान
- प्रशिक्षण संस्थान
- मेडिसिन स्टोर
- फार्मेसियां
- धर्मार्थ संस्थान/एनजीओ

उच्च शिक्षा

- होम्योपैथिक मनोरोग में एमडी
- मेडिसिन के होम्योपैथिक अभ्यास में एमडी
- होम्योपैथिक रिपर्टरी में एमडी
- होम्योपैथिक फार्मेसी में एमडी
- होम्योपैथी में एमडी

प्रवेश प्रक्रिया

कोर्स में प्रवेश के लिए उम्मीदवारों को परीक्षा और काउंसलिंग प्रोसेस से गुजरना होगा। वहीं कुछ संस्थान ऐसे हैं जो कोर्स में प्रवेश के लिए परीक्षा के साथ इंटरव्यू का आयोजन करते हैं। साथ ही कैम्पस इंटरव्यू के जरिए भी प्रवेश दिया जाता है।

फ्यूचर की डिमांड

इवेंट मैनेजमेंट में करें एमबीए

इवेंट मैनेजमेंट एक उभरता हुआ उद्योग है, खासकर भारत जैसे देश में जहां युवा आबादी दुनिया के अन्य देशों की तुलना में अपेक्षाकृत अधिक है। इस क्षेत्र में कुशल इवेंट मैनेजर्स की बहुत अधिक डिमांड है। एक बार इस इंडस्ट्री में प्रवेश कर लेने के बाद कुछ अन्वेषण करने के बाद कई आकर्षक विकल्प मिलेंगे, जिसमें उम्मीदवार एक शानदार कॅरियर की शुरुआत कर सकते हैं।

अवसर

यदि कैम्पस प्लेसमेंट या फिर उम्मीदवार के पहले जॉब की बात हो तो उस समय जॉब प्रोफाइल बहुत मायने रखती है। यह प्रोफाइल भविष्य में उम्मीदवारों की ग्रोथ में बहुत सहायक होती है। इवेंट मैनेजमेंट में एमबीए करने के बाद उम्मीदवार निम्नांकित प्रोफाइल पर काम कर सकते हैं-

- इवेंट ऑर्गनाइजर
- इवेंट प्लानर
- क्रिएटिव इवेंट मार्केटिंग मैनेजर
- इवेंट को-ऑर्डिनेटर
- इवेंट एक्जीक्यूटिंग ऑफिसर
- बिजनेस डेवलपमेंट एक्जीक्यूटिव
- कस्टमर केयर एक्जीक्यूटिव
- पीआर और इवेंट मैनेजर

प्रमुख कंपनियां

भारत एक ऐसा देश है जहां हर दिन कुछ न कुछ समारोह या अन्य घटना मनोरंजन, किसी उत्पाद या सेवा को बढ़ावा देने या ब्रांड छवि को बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित की जाती है। आजकल ये सारी घटनाएं तथा प्रोग्राम इसकी इवेंट मैनेजमेंट कंपनी द्वारा आयोजित की जाती हैं, इसलिए इस क्षेत्र में इवेंट मैनेजमेंट में एमबीए करने वाले ग्रेजुएट्स को रिक्रूट करने वाली मुख्य कम्पनियां हैं -

- हनमेर एंड पार्टनर
- एकमे इवेंट्स इंडिया
- रिलायंस एंटरटेनमेंट
- कॉक्स एंड किंग्स
- वाव इवेंट्स प्राइवेट लिमिटेड
- विजक्राफ्ट
- सिनेयुग इंटरटेनमेंट
- 360 डिग्री
- टीसीआई
- विब्स एंटरटेन्मेंट्स

संभावनाएं

इवेंट मैनेजमेंट ग्रेजुएट का वेतन उनके उस प्रोफाइल पर निर्भर करता है जिस पर वे काम कर रहे होते हैं। इनका शुरुआती वेतन 30,000 प्रतिमाह हो सकता है, लेकिन इस डोमेन में वेतनवृद्धि की अत्यधिक गुंजाइश रहती है और वार्षिक पैकेज इस डोमेन में अनुभव के आधार पर 20 लाख तक पहुंच सकता है।

टॉप संस्थान

- नेशनल एकेडमी इवेंट मैनेजमेंट, मुंबई
- नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ इवेंट मैनेजमेंट, नई दिल्ली
- नेशनल एकेडमी ऑफ इवेंट्स, कोलकाता
- इंस्टिट्यूट ऑफ मीडिया कम्युनिकेशन, फिल्म एंड टेलीविजन स्टडीज, कोलकाता
- नेशनल इंस्टिट्यूट फॉर मीडिया, अहमदाबाद
- इंटरनेशनल इंस्टिट्यूट,फैशन टेक्नोलॉजी, नई दिल्ली
- कॉलेज ऑफ इवेंट ऐंड मैनेजमेंट, पुणे
- इंटरनेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ इवेंट मैनेजमेंट, मुंबई

इंदौर के निजी एवं सरकारी कालेजेस में मेडिकल से संबंधित कोर्स आसानी से उपलब्ध हैं।

धार्मिक और आध्यात्मिक दृष्टि से एक शक्तिशाली रक्षा कवच है मंगलसूत्र

हिंदू धर्म में विवाह को सिर्फ दो लोगों का मिलन नहीं बल्कि दो आत्माओं का पवित्र बंधन भी माना जाता है। इस पवित्र बंधन का सबसे महत्वपूर्ण प्रतीक मंगलसूत्र है। कुछ लोग इसको सिर्फ सोने और काले मोतियों से बना एक आभूषण मानते हैं। लेकिन धार्मिक और आध्यात्मिक दृष्टि से मंगलसूत्र को एक शक्तिशाली रक्षा कवच है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि मंगलसूत्र में काले मोती क्यों डाले जाते हैं और इसका धार्मिक और वैज्ञानिक महत्व क्या है।

शिव और शक्ति का प्रतीक

धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक मंगलसूत्र का हर हिस्सा ब्रह्मांड की दिव्य शक्तियों को दिखाता है। मंगलसूत्र में मौजूद सोने का हिस्सा मां पार्वती यानी की शक्ति का प्रतीक है। वहीं इसमें पिरोए हुए काले मोती भगवान शिव का प्रतिनिधित्व करते हैं। सोना तेज और समृद्धि का कारक माना जाता है। तो काले मोतियों को धैर्य, सुरक्षा और वैराग्य का प्रतीक है। जब यह दोनों एक सूत्र में पिरोए जाते हैं, तो यह शिव शक्ति के मिलन को दिखाते हैं। यही कारण है कि काले मोतियों के बिना मंगलसूत्र अधूरा माना जाता है। क्योंकि इसके बिना शिव-शक्ति का संतुलन स्थापित नहीं हो पाता है।

लंबी उम्र और सकारात्मक ऊर्जा

आध्यात्मिक दृष्टि से जब विवाहित महिला मंगलसूत्र धारण करती है, तो काले मोती महिला के मन को शांत रखते हैं और पॉजिटिव ऊर्जा का संचार करते हैं। वहीं शास्त्रों में मान्यता है कि पत्नी के गले में मौजूद काले मोती पति के जीवन के संकटों को टालते हैं। क्योंकि मंगलसूत्र सिर्फ आभूषण नहीं बल्कि पति की लंबी आयु और तरक्की के लिए की जाने वाली प्रार्थना है।

धार्मिक आधार- मंगलसूत्र में मौजूद काले मोती सिर्फ सुंदरता को नहीं बढ़ाते हैं, बल्कि दांपत्य जीवन को बुरी शक्तियों से बचाने, रिश्ते में पवित्रता बनाए रखने और शिव-शक्ति का आशीर्वाद पाने का भी धार्मिक आधार माना जाता है।

जानें वैज्ञानिक वजह

बता दें कि मंगलसूत्र में पिरोए गए काले मोतियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण और एक गहरी सोच छिपी है। विज्ञान के नियमानुसार, काला रंग बेहतरीन ऊर्जा को सोखने वाला रंग है। यही कारण है कि गर्मी में हल्के रंग के कपड़े पहने जाते हैं, जिससे कि गर्मियों से बचा जा सके। वहीं वैज्ञानिक आधार पर जब विवाहित महिला इसको पहनती है, तो यह काले मोती आसपास की निगेटिव एनर्जी और बुरी नजर को पूरी तरह से सोख लेते हैं।

इस तरह से मंगलसूत्र सिर्फ महिला के विवाहित होने का प्रमाण नहीं है। बल्कि यह पवित्र आभूषण एक सुरक्षा कवच भी माना जाता है। मंगलसूत्र पति-पत्नी के रिश्ते में आने वाली निगेटिविटी को दूर रखने के साथ आपसी तालमेल बढ़ाता है। जिससे शादीशुदा जीवन सुखी, सुरक्षित और अटूट बना रहता है।

सेहत के लिए बहुत गुणकारी अंगूर

अंगूर एक बलवर्धक एवं सौंदर्यवर्धक फल है। अंगूर फल मां के दूध के समान पोषक है। फलों में अंगूर सर्वोत्तम माना जाता है। यह निर्बल-सबल, स्वस्थ-अस्वस्थ आदि सभी के लिए समान उपयोगी होता है। बहुत से ऐसे रोग हैं, जिनमें रोगी को कोई पदार्थ नहीं दिया जाता है। उसमें भी अंगूर फल दिया जा सकता है। पका हुआ अंगूर तासीर में ठंडा, मीठा और दस्तावर होता है। यह रक्त को शुद्ध बनाता है तथा आंखों के लिए हितकर होता है। अंगूर रक्त साफ करने वाला, रक्त बढ़ाने वाला तथा तरावट देने वाला फल है। अंगूर में जल, शर्करा, सोडियम, पोटेशियम, साइट्रिक एसिड, फ्लोराइड, पोटेशियम सल्फेट, मैग्नेशियम और लौह तत्व भरपूर मात्रा में होते हैं।

- अंगूर हृदय की दुर्बलता को दूर करने के लिए बहुत गुणकारी है। हृदय रोगी को नियमित अंगूर खाने चाहिए।
- हार्ट अटैक से बचने के लिए बैंगनी (काले) अंगूर का रस एस्प्रिन की गोली के समान कारगर है। एस्प्रिन खून के थक्के नहीं बनने देती है। बैंगनी (काले) अंगूर के रस में लोवोनाइड्स नामक तत्व होता है और यह भी यही कार्य करता है।
- एनीमिया में अंगूर से बढ़कर कोई दवा नहीं है।
- पेट की गर्मी शांत करने के लिए 20-25 अंगूर रात को पानी में भिगो दें तथा सुबह मसलकर तथा इस रस में थोड़ी शकर मिलाकर पीना चाहिए।
- अंगूर रक्तवर्द्धक और रक्त को शुद्ध करने वाला फल है, अत: एनीमिया से पीड़ित रोगियों को नियमित रूप से अंगूर का सेवन करना चाहिए। इससे काफी लाभ होता है।

पित्त को शांत करने का रामबाण...गोंद कतीरा

शरीर को दे ठंडक

इसकी तासीर बहुत ठंडी होती है, जो गर्मी में लू, शरीर की गर्मी और पित्त को शांत करने में रामबाण है।

पाचन में सुधार

इसमें उच्च फाइबर होता है, जो कब्ज, गैस और एसिडिटी जैसी समस्याओं से राहत दिलाता है।

वजन नियंत्रण

यह पेट को लंबे समय तक भरा हुआ रखता है, जिससे जल्दी भूख नहीं लगती और वजन घटाने में मदद मिलती है।

ताकत और स्टेमिना

यह शरीर को कमजोरी से बचाता है और थकान दूर कर ऊर्जा प्रदान करता है।

त्वचा और बालों के लिए

यह हाइड्रेशन बढ़ाता है, कोलेजन उत्पादन में सहायक है और त्वचा को चमकदार बनाने के साथ डैंड्रफ कम करने में भी मदद कर सकता है।

हड्डियों की मजबूती

कैल्शियम और मैग्नीशियम से भरपूर होने के कारण यह हड्डियों को मजबूत बनाता है।

परम एकादशी व्रत , गुरुवार, 11 जून 2026

तीन साल बाद परम सुख देने आई परम एकादशी

व्रत... पूजा... जप और दान से मिलेगा मोक्ष

अधिकमास की दूसरी एकादशी को परम एकादशी के नाम से जाना जाता है। पुराणों के अनुसार जो मनुष्य अधिक मास की परम एकादशी का व्रत करते हैं, वे स्वर्गलोक में जाकर देवराज इन्द्र के समान सुखों का भोग करते हुए तीनों लोकों में पूजनीय होते हैं। तीन साल में एक बार आने वाली परम एकादशी पर किए गए व्रत... पूजा... जप और दान से मोक्ष मिलता है।

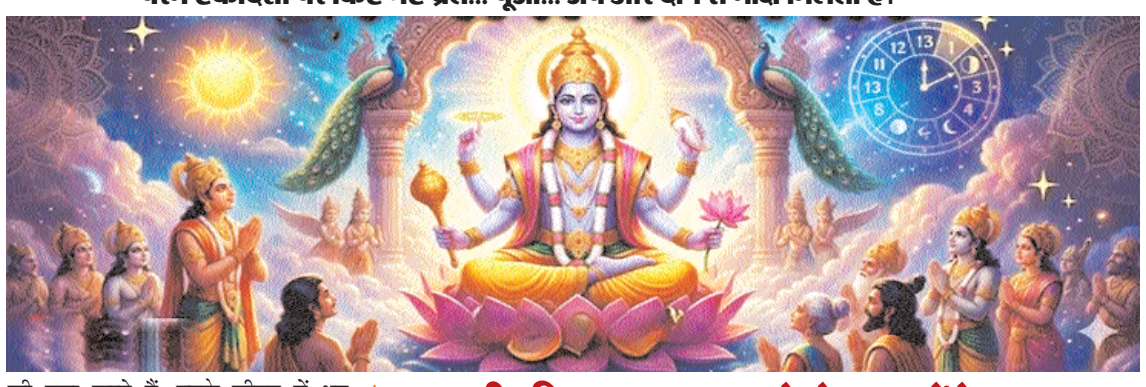

अधिक मास की परम एकादशी भगवान विष्णु को समर्पित अत्यंत पुण्यदायी और दुर्लभ एकादशी मानी जाती है। यह व्रत केवल पुरुषोत्तम मास (अधिक मास) में ही आता है, इसलिए इसका महत्व अन्य एकादशियों की तुलना में और भी अधिक बढ़ जाता है। धार्मिक मान्यता है कि इस दिन श्रद्धापूर्वक व्रत, पूजा, जप, दान और भगवान विष्णु के नाम का स्मरण करने से व्यक्ति के सभी पाप नष्ट होते हैं, वहीं उसे सुख, समृद्धि और मोक्ष की प्राप्ति होती है। परम एकादशी का व्रत जीवन में आने वाले कष्टों, आर्थिक परेशानियों और नकारात्मक प्रभावों को दूर करने वाला माना गया है, वहीं इस साल मलमास की अधिक एकादशी का व्रत 11 जून को रखा जाएगा।

वैदिक पंचांग के अनुसार

पूरे साल में 24 एकादशी तिथि होती हैं और सबका अपना-अपना महत्व होता है। अधिकमास में पड़ने वाली एकादशी तिथि बाकी एकादशियों से काफी ज्यादा पुण्यदायी मानी जाती है। पंचांग के अनुसार अधिकमास के कृष्ण पक्ष की एकादशी को परम एकादशी के नाम से जाना जाता है। इसे कमला एकादशी भी कहा जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस दिन श्रीहरि की पूजा करना बेहद शुभ और फलदायी होता है, साथ ही ऐसा करने से व्यक्ति को पापों से मुक्ति मिलती है।

पंचांग के मुताबिक

एकादशी तिथि 10 जून, बुधवार को रात 12 बजकर 58 मिनट से आरंभ होगी और 11 जून, गुरुवार को रात 10 बजकर 37 मिनट पर समाप्त होगी। ऐसे में परम एकादशी का व्रत 11 जून 2026 को रखा जाएगा।

पूजन मुहूर्त

परम एकादशी पर पूजा का सबसे शुभ मुहूर्त 11 जून को 10 बजकर 37 मिनट से लेकर दोपहर 2 बजकर 6 मिनट तक रहेगा। इस दौरान सभी भक्त श्रीहरि की विधि-विधान से पूजा कर सकते हैं।

सनातन धर्म के अनुसार

सनातन धर्म में परम एकादशी को अत्यंत शुभ और कल्याणकारी माना गया है। पुराणों के अनुसार इस व्रत का पालन करने से हजारों यज्ञों, तीर्थ यात्राओं और दानों के समान पुण्य फल प्राप्त होता है। माना जाता है कि जो भक्त इस दिन विधि-विधान से भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की पूजा करते हैं, उनके जीवन में धन, वैभव और सुख-शांति का वास होता है। धार्मिक मान्यता है कि इस दिन उपवास रखने, विष्णु सहस्त्रनाम का पाठ करने, श्रीहरि का भजन-कीर्तन करने और जरूरतमंदों को दान देने से अक्षय पुण्य की प्राप्ति होती है।

विधि-विधान सें करें पूजन

सुबह ब्रह्म मुहूर्त में उठकर स्नान करें पूजा स्थान साफ करके लकड़ी के पट्टे पर भगवान विष्णु, बाल गोपाल, शालिगराम और श्रीयंत्र स्थापित करें। सभी को पंचामृत से स्नान कराएं और पीले कपड़े, फूल और तुलसी माला पहनाएं। देसी घी का दीपक और अगरबत्ती जलाएं। भगवान को मिठाई, फल, तुलसी पत्ता और पंचामृत अर्पित करें। विष्णु सहस्त्रनाम का पाठ करें और ॐ नमो भगवते वासुदेवाय मंत्र का जप करें। शाम के समय तुलसी के पौधे के पास दीपक जरूर जलाएं।

पुराणों के अनुसार

कुबेर ने इसी व्रत के फलस्वरूप भगवान शिव को प्रसन्न कर अपार धन प्राप्त किया था। यह व्रत जीवन से आर्थिक कष्टों और दरिद्रता को दूर कर परम सुख प्रदान करता है।

ज्योतिषीय महत्व

ज्योतिष में परम एकादशी व्रत आध्यात्मिक ऊर्जा को बढ़ाने वाला माना जाता है। इस दिन ध्यान, जप और पूजा करने से मानसिक शांति प्राप्त होती है। ग्रह दोषों के प्रभाव से राहत मिलती है। परम एकादशी पर पीपल के पेड़ में सरसों के तेल का दीपक लगाएं और पितरों को याद करें। मान्यता है इससे उन्हें सद्गति प्राप्त होती है।

श्रीहरि का स्मरण करने से पाप होंगे नष्ट...

इस दिन करें ये उपाय दरिद्रता होगी दूर

धार्मिक मान्यता है कि परम एकादशी पर भगवान विष्णु की पूजा करने और विशेष उपायों को करने से दरिद्रता दूर होने के साथ ही सुख-समृद्धि का आगमन होने के अलावा पापों का नाश होता है।

विष्णु सहस्त्रनाम का करें पाठ

भगवान विष्णु की आराधना करने के साथ ही इस दिन एकादशी व्रत, विष्णु सहस्त्रनाम, श्रीसुक्त, पुरुषसूक्त और श्रीमद्भगवद गीता का पाठ करने का विशेष महत्व है। मान्यता है कि इन ग्रंथ का पाठ करने से भगवान विष्णु की कृपा के साथ आशीर्वाद भी प्राप्त होता है।

दरिद्रता होगी दूर

इस दिन शाम के समय तुलसी पौधे के समक्ष गाय के घी का दीपक जलाएं और भगवान विष्णु के मंत्रों ' ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ' का 108 बार जप करें। मान्यता है कि इससे दरिद्रता दूर होने के साथ ही लक्ष्मी की प्राप्ति होती है।

नौकरी की रुकावट होगी दूर

शास्त्रों के अनुसार पीपल के पेड़ में भगवान विष्णु का वास होता है। इसलिए परम एकादशी के पावन दिन पीपल के पेड़ की पूजा करने के साथ ही इस दिन भगवान विष्णु के समक्ष नौ मुखी दीपक के साथ एक अखंड दीपक को जलाएं। मान्यता है कि इस उपाय को करने से नौकरी में आ रही सभी तरह की परेशानियां दूर होती हैं।

सुख-समृद्धि और शांति के लिए

परम एकादशी के दिन घर में लगे तुलसी के पौधे को उत्तर-पूर्व दिशा यानी ईशान कोण में रखकर विधि-विधान से पूजा और परिक्रमा करें और शाम के समय तुलसी पौधे के नजदीक घी का दीपक जलाएं। माना जाता है कि इससे घर में सुख-समृद्धि और शांति का आगमन होता हैं।

उन्नति के रास्ते खुलेंगे

परम एकादशी के दिन गरीब और असहाय लोगों को भोजन कराएं और हो सकें तो सामर्थ्य अनुसार दान-दक्षिणा अवश्य दें। मान्यता है कि इससे उन्नति के रास्ते खुलने के साथ ही घर में धन का आगमन होता है।

विवाह बाधा होगी दूर

परम एकादशी के दिन भगवान विष्णु को पीले पुष्प, हल्दी, पीला चंदन, बेसन के लड्डू और केला चढ़ाएं और भगवान शिव को दूध में केसर मिलाकर अर्पित करें। मान्यता है कि इससे भाग्य मजबूत होती है और विवाह में आ रही बाधाएं दूर होने के साथ ही दाम्पत्य जीवन की समस्याएं दूर होती हैं।

चीन में 'नो मैरिज, नो किड्स' का बढ़ा ट्रेंड, घटती जन्मदर बनी शी चिनफिंग सरकार की सबसे बड़ी चुनौती

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय राजनीति में चीन की चुनौतियों की चर्चा अक्सर अमेरिका से आर्थिक प्रतिस्पर्धा, ताइवान को लेकर तनाव या वैश्विक शक्ति संतुलन के संदर्भ में होती है। लेकिन इन सबके बीच चीन एक ऐसे संकट से जूझ रहा है जो आने वाले दशकों में उसकी अर्थव्यवस्था, समाज और राजनीतिक स्थिरता पर गहरा असर डाल सकता है। यह संकट है तेजी से घटती शादियों और जन्मदर का। चीन में पिछले लगभग एक दशक से नो मैरिज, नो किड्स का ट्रेंड लगातार बढ़ रहा है। आंकड़े बताते हैं कि 2025 की पहली तिमाही में देश में होने वाली शादियों की संख्या पिछले दस सालों के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई। इस दौरान 17 लाख से भी कम विवाह पंजीकृत हुए। 2017 की तुलना में विवाह पंजीकरण के आंकड़े लगभग आधे रह गए हैं।

घटती जन्मदर को लेकर चीन सरकार की चिंता इतनी बढ़ गई है कि वह विभिन्न स्तरों पर लोगों को शादी और बच्चे पैदा करने के लिए प्रोत्साहित कर रही है। पिछले वर्ष चीन की एक कंपनी शांटियन केमिकल ग्रुप ने अपने 28 से 58 वर्ष की आयु के कर्मचारियों को नोटिस जारी कर कहा था कि यदि वे सितंबर 2025 तक शादी नहीं करेंगे तो उन्हें नौकरी से निकाल दिया जाएगा। नोटिस में यह भी कहा गया था कि शादी और बच्चे पैदा न करना सरकार की नीति के खिलाफ माना जा सकता है। सरकार की ओर से विवाह परामर्श, मैचमेकिंग और पारिवारिक जीवन को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालयों में विशेष पाठ्यक्रम तक शुरू किए गए हैं। सोशल मीडिया पर ऐसे कंटेंट पर निगरानी रखी जा रही है जो विवाह विरोधी विचारों को बढ़ावा देते हैं या महिलाओं और पुरुषों के बीच टकराव पैदा करते हैं।

सब्सिडी, छुट्टियां और आर्थिक सहायता के बावजूद नहीं बदल रहे हालात

चीन सरकार ने लोगों को शादी और बच्चे पैदा करने के लिए कई प्रोत्साहन योजनाएं शुरू की हैं। अब नागरिक देश में कहीं भी अपनी शादी रजिस्टर करवा सकते हैं। तीन वर्ष तक के बच्चों की देखभाल के लिए हर साल 3600 युआन यानी लगभग 50 हजार रुपये से अधिक की सब्सिडी दी जा रही है। शादी और बच्चे के जन्म के बाद मिलने वाली छुट्टियों की अवधि बढ़ा दी गई है। कई क्षेत्रों में विवाह करने वाले जोड़ों को आर्थिक सहायता दी जा रही है। बच्चों के जन्म और प्रसव से जुड़े चिकित्सा

खर्चों में भी सरकार सहयोग कर रही है। यहां तक कि तलाक संबंधी नियमों में भी बदलाव किए गए हैं और गर्भनिरोधक उत्पादों पर कर बढ़ाया गया है ताकि अधिक लोग परिवार बढ़ाने के लिए प्रेरित हों। इसके बावजूद बड़ी संख्या में युवा शादी करने या बच्चे पैदा करने के लिए तैयार नहीं हैं।

महिलाओं पर बढ़ती जिम्मेदारियां बनीं बड़ी वजह

विशेषज्ञों का मानना है कि घटती शादियों और जन्मदर के पीछे सबसे बड़ा कारण महिलाओं पर पड़ने वाला सामाजिक और पारिवारिक दबाव है। चीन का समाज आज भी काफी हद तक पारंपरिक सोच वाला है। शादी के बाद घर और बच्चों की जिम्मेदारी मुख्य रूप से महिलाओं के हिस्से आती है।

कामकाजी महिलाओं के सामने अक्सर करियर और परिवार में से किसी एक को चुनने की स्थिति पैदा हो जाती है। यदि वे दोनों जिम्मेदारियां निभाना चाहें तो उनके ऊपर कार्यभार दोगुना हो जाता है। यही कारण है कि आधुनिक, शिक्षित और आर्थिक रूप से स्वतंत्र महिलाएं विवाह और मातृत्व को लेकर पहले की तुलना में अधिक सोच-विचार कर रही हैं। कई विशेषज्ञों का मानना है कि मातृत्व महिलाओं के करियर के लिए सबसे बड़ी बाधाओं में से एक बन जाता है। बच्चे के जन्म के बाद उनके प्रमोशन, रोजगार और पेशेवर विकास के अवसर सीमित हो जाते हैं।

वन चाइल्ड पॉलिसी का नुकसान

चीन की वर्तमान स्थिति की जड़ें 1980 में लागू की गई वन चाइल्ड पॉलिसी में भी देखी जाती हैं। बढ़ती जनसंख्या को नियंत्रित करने के लिए चीन ने उस समय यह नीति लागू की थी, जिसके तहत विवाहित दंपतियों को केवल एक बच्चा पैदा करने की अनुमति थी। नियमों का उल्लंघन करने वालों पर जुर्माना लगाया जाता था और कई मामलों में सख्त कार्रवाई भी की जाती थी। इस नीति ने जनसंख्या वृद्धि को नियंत्रित तो किया, लेकिन इसके दीर्घकालिक दुष्परिणाम अब सामने आ रहे हैं। देश की आबादी तेजी से बूढ़ी होने लगी, कार्यबल सिकुड़ने लगा और बुजुर्गों की संख्या बढ़ती गई। इसके साथ ही लिंगानुपात में असंतुलन भी बढ़ा। बेटों को प्राथमिकता देने की सामाजिक प्रवृत्ति के कारण महिलाओं की संख्या पुरुषों की तुलना में कम होती गई।

कम होती कार्यशील आबादी से बढ़ी आर्थिक चिंता

कम जन्मदर का सबसे बड़ा असर चीन की अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है। युवा आबादी कम होने से भविष्य में काम करने वाले लोगों की संख्या घट रही है। इसका असर उत्पादन, उद्योग, कर संग्रह और आर्थिक विकास पर पड़ सकता है।

एक्सपर्ट्स के अनुसार चीन में एक बच्चे को 18 वर्ष की आयु तक पालने-पोसने में लगभग 5.38 लाख युआन यानी करीब 76 लाख रुपये खर्च होते हैं। महंगे मकान, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाएं भी युवाओं को शादी और बच्चे पैदा करने से रोक रही हैं।

महिलाओं की बदलती सोच भी बड़ा कारण

वन चाइल्ड पॉलिसी के दौरान जिन परिवारों में बेटियां पैदा हुईं, उनमें से कई परिवारों ने अपनी बेटियों को बेहतर शिक्षा और आर्थिक अवसर उपलब्ध कराए। परिणामस्वरूप बड़ी संख्या में ऐसी महिलाएं सामने आईं जो आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनीं और जिन्होंने यह समझा कि शादी करना ही जीवन का एकमात्र उद्देश्य नहीं है।

केवल चीन नहीं, पूरी दुनिया के सामने चुनौती

यह समस्या केवल चीन तक सीमित नहीं है। दुनिया के 195 देशों में से लगभग दो-तिहाई देशों में प्रजनन दर 2.1 के रिप्लेसमेंट स्तर से नीचे पहुंच चुकी है। भारत भी इस चुनौती का सामना कर रहा है। हालिया आंकड़ों के अनुसार भारत की कुल प्रजनन दर 1.9 तक पहुंच चुकी है। एक्सपर्ट्स का मानना है कि केवल सब्सिडी देने या महिलाओं से अधिक बच्चे पैदा करने की अपील करने से समस्या का समाधान नहीं होगा। इसके लिए सस्ती आवास व्यवस्था, बेहतर चाइल्ड केयर सुविधाएं, लैंगिक समानता, प्रजनन अधिकारों की सुरक्षा और परिवार की जिम्मेदारियों का समान बंटवारा सुनिश्चित करना होगा।

सामाजिक बदलाव के बिना मुश्किल है समाधान

विशेषज्ञों के अनुसार यदि परिवार और बच्चों की जिम्मेदारी का अधिकांश बोझ केवल महिलाओं पर डाला जाएगा तो स्वाभाविक रूप से वे विवाह और मातृत्व से दूरी बनाना चाहेंगी। करियर और परिवार में से किसी एक को चुनने की मजबूरी समाप्त करनी होगी।

साथ ही महिलाओं को केवल पत्नी और मां की भूमिका तक सीमित देखने वाली सामाजिक सोच में बदलाव लाना होगा। तभी चीन सहित दुनिया के अन्य देशों में गिरती जन्मदर और घटती शादियों की चुनौती का प्रभावी समाधान संभव हो सकेगा।

सिर्फ 60 कि.मी. दूर थी दुश्मन की फौज!

असली गद्दार तो अजरबैजान निकला

नई दिल्ली

जब अमेरिका 40 दिनों की जंग में ईरान पर समंदर और आसमान से हमले कर रहा था। उस वक्त इजरायल ने ईरान की जमीन पर उतरने की एक साजिश रची थी और उसमें ईरान के एक करीबी पड़ोसी ने इजराइल का साथ दिया था। जंग के दो माह बाद अब धीरे-धीरे रिपोर्ट्स के जरिए साजिश की परतें खुलती जा रही हैं। ईरान के खिलाफ इजरायल के इस प्लान में साथ देने वाला कोई अरब देश नहीं बल्कि उससे बॉर्डर शेयर करने वाला अजरबैजान था। अमेरिकी न्यूज़ चैनल सीएनएन के मुताबिक अजरबैजान के भीतर इजरायल ने युद्ध के दौरान कई सैन्य ठिकाने बनाए थे। इनमें से एक ठिकाना ईरान के शहर तबरीज से महज 60 किमी की दूरी पर था। क्योंकि ईरान और काकेशस मुल्क अज़रबैजान के बीच 689 किमी की सरहद है। अब मीडिया रिपोर्ट्स दावा कर रही हैं कि अजरबैजान में बनाए गए अपने मिलिट्री बेस से इसराइल ने ना सिर्फ ईरान पर हमले अंजाम दिए बल्कि यहीं से आईआरजीसी के खुफिया चीफ को मारने के लिए प्लेन भी उड़े थे।

रिपोर्ट तो यह भी कहती है कि इसराइल ने इस बेस से ईरान पर कई हमले अंजाम दिए। कहा जा रहा है कि इसराइल को उम्मीद थी कि ईरान के सुप्रीम लीडर, आईआरजीसी कमांडरों और इस्लामिक रेवोल्यूशन के बड़े लीडर्स की हत्या के बाद लोग सड़कों पर उतरेंगे। दरअसल अज़र-बैजान से इसराइल ने इसके बाद की तैयारी भी कर रखी थी और वो यह थी कि अपने सैनिकों को अज़र-बैजान में तैनात किया जाए। जैसे ही ईरान की जनता

रिजीम के खिलाफ बगावत के लिए बाहर निकले, वो अपने फौजी ईरान से 60 कि.मी. दूर अज़र-बैजान के बेस से ईरान में भेज दे। क्योंकि जमीनी सरहद का इसराइल फायदा उठाना चाहता था इसलिए उसने यह सारा प्लान बनाकर रखा था। लेकिन इसराइल की चालों पर ईरान की आवाम ने पानी फेर दिया। सुप्रीम लीडर आयतुल्ला अली खामिनई और सुप्रीम सिक्योरिटी काउंसिल के चीफ अली लारानी की हत्या के बावजूद ईरान की जनता सड़कों पर नहीं आई। उल्टा इस्लामिक रेवोल्यूशन के सपोर्ट में उतरने लगी।

इजराइल का सारा प्लान फेल हो गया। सीएनएन ने सूत्रों के हवाले से की गई इस रिपोर्ट में दावा किया है कि अज़रबैजान से ईरान के खिलाफ ऑपरेट किए जाने वाले इस अभियान में इजरायल के कई दर्जन सैनिक शामिल थे। जिनमें इसराइल के हेलीकॉप्टर यूनिट और मोसाद के लोग भी तैयार थे। हालांकि अज़रबैजान ने अपनी जमीन ईरान के खिलाफ इस्तेमाल होने के दावों से साफ इंकार कर दिया है। लेकिन यह भी सच है कि अज़रबैजान ने ईरान के दुश्मन से पक्की दोस्ती तो गांठ रखी है। इजरायल का बेहद करीबी दोस्त है अज़रबैजान। यहां तक कि इजराइल की मदद से चलने वाला मुस्लिम बहुल मुल्क है अज़रबैजान। शिया मुस्लिम बहुल मुल्क होने के बावजूद अज़रबैजान ने फिलिस्तीन इसराइल के विवाद पर कभी खुलकर कुछ नहीं कहा। इजरायल अज़रबैजान को फौज और खेती को मजबूत करने में मदद करता है। क्योंकि अज़रबैजान का इन क्षेत्रों में कुछ खास एक्सपीरियंस नहीं है। इसलिए अज़रबैजान अपना तेल इजरायल को बेचता है और कहा जाता है कि अज़रबैजान का तेल तुर्की के रास्ते इजरायल पहुंचता है जो उसकी खपत का 40% है।

राबड़ी ने लौटाई अपनी सरकारी सुरक्षा, कवच और ढाल बनने के लिए आवास पर लगा कार्यकर्ताओं का तांता

पटना, (वार्ता)

बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी ने शनिवार अपनी सरकारी सुरक्षा व्यवस्था वापस करने का निर्णय ले कर प्रदेश की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की सरकार के उस निर्णय का प्रतिरोध किया है, जिसके तहत लालू -राबड़ी परिवार के सदस्यों की सुरक्षा व्यवस्था में कटौती की गई थी। राबड़ी देवी ने यह प्रतिरोध बिहार सरकार के दो दिन पहले लिए गये उस निर्णय के विरोध में किया है, जिसके तहत उनकी और उनके पति पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद की जेड प्लस की सुरक्षा को वापस लेने का निर्णय लिया गया था और निचले लेवल की सुरक्षा प्रदान की गई थी। बिहार सरकार के निर्णय के अनुसार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव, राबड़ी देवी के दूसरे पुत्र तेजप्रताप यादव और उनकी सांसद

बेटी मीसा भारती की सुरक्षा में भी कटौती की गई थी। राबड़ी देवी के इस निर्णय के बाद उनके आवास पर राजद कार्यकर्ताओं का तांता लगा हुआ है। इस संबंध में उनकी पुत्री रोहणी आचार्य ने एक्स पर लिखा था और कार्यकर्ताओं से अपील की थी कि वह राबड़ी आवास पर पहुँच कर पूर्व मुख्यमंत्री की सुरक्षा ढाल के रूप में कार्य करें। उन्होंने कहा कि समूचा बिहार देख रहा है कि किस तरह बिहार की पहली महिला मुख्यमंत्री और उनके परिवार को परेशान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बिहार की जनता इस बदले की भावना से की गई कर्रवाई का मुंहतोड़ जवाब देगी।

श्रीमती आचार्य ने यह भी कहा कि मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को इस बात को समझ लेना चाहिए कि बिहार की करोड़ो जनता लालू-राबड़ी की सुरक्षा कवच के रूप में काम करेगी और यदि उन्हें कोई खरोच भी आई तो सरकार को उसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा।

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद के मठ में चोरी करने वाले तीन बदमाश गिरफ्तार

वाराणसी, (वार्ता)। उत्तर प्रदेश के वाराणसी जिले में शंकराचार्य घाट स्थित शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के विद्यामठ में स्थित हनुमान मंदिर में हुई चोरी का खुलासा पुलिस ने शनिवार को किया गया। पुलिस के अनुसार शुक्रवार रात रत्नाकर पार्क के पास से तीनों अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया गया।

इनमें साकेत नगर निवासी राजू खान, रानीपुर निवासी ध्रुव कुमार और सरायनंदन, खोजवा निवासी संतोष वर्मा शामिल हैं। एसीपी गौरव कुमार ने बताया कि 26 अप्रैल की रात को मंदिर के भीतर से भगवान के गले का चांदी का हार, पीतल का लोटा, गदा, मुकुट, आचमनी आदि सामग्री चोरों ने चुरा ली थी। पुलिस ने मठ के ब्रह्मचारी परमात्मानंद की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की थी। मठ में लगे सीसीटीवी कैमरों में चोरी की पूरी घटना कैद हुई थी।

इनके पास से तीन मुकुट, एक गदा, एक चेन और 1,500 रुपये बरामद किए गए हैं। राजू खान ने चोरी की घटना को अंजाम दिया था, जबकि ध्रुव कुमार और संतोष वर्मा ने चोरी का सामान खरीदा था। दोनों दुकानदार यह जानते थे कि सामान मंदिर से चुराया गया है।

किसी ने उत्सव के रंग में भंग डाला तो वर्तमान के साथ भविष्य भी स्वाहा हो जाएगा: योगी

गोंडा, (वार्ता)

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश में अब वह दौर नहीं रहा जब दंगाइयों और उपद्रवियों के सामने सरकारें नतमस्तक हो जाती थीं। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि कोई व्यक्ति किसी पर्व, उत्सव या धार्मिक आयोजन में बाधा डालने का प्रयास करेगा तो उसका वर्तमान के साथ भविष्य भी स्वाहा हो जाएगा। मुख्यमंत्री शनिवार को गोंडा जिले के कटरा और करनैलगंज विधानसभा क्षेत्रों में कुल 516 करोड़ रुपये की 262 विकास परियोजनाओं के लोकार्पण एवं शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कटरा विधानसभा क्षेत्र में 256 करोड़ रुपये तथा करनैलगंज विधानसभा क्षेत्र में 260 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने बच्चों का अन्नप्राशन कराया तथा विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का अवलोकन भी किया। मुख्यमंत्री ने अयोध्या में राम मंदिर निर्माण का उल्लेख करते हुए कहा कि एक समय ऐसा था जब रामभक्तों को ही अयोध्या जाने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था, लेकिन आज स्थिति बदल चुकी है। उन्होंने कहा, पहले रामभक्त अपने प्रभु श्रीराम के दर्शन के लिए अयोध्या नहीं जा पाते थे। आज राम मंदिर का

भव्य निर्माण हो चुका है और अब अयोध्या में रामभक्त ही जा सकते हैं, रामद्रोही नहीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि गोंडा के युवा ऊर्जावान, किसान मेहनती तथा महिलाएं प्रतिभाशाली हैं, लेकिन लंबे समय तक तुष्टिकरण, जातिवाद, भाई-भतीजावाद और अराजकता की राजनीति के कारण जनपद अपेक्षित विकास से वंचित रहा। उन्होंने कहा कि अब प्रदेश के सभी 75 जिलों, तहसीलों, विकास खंडों और ग्राम पंचायतों तक बिना भेदभाव के सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाया जा रहा है। सरकार सबका साथ, सबका विकासकी भावना के साथ कार्य कर रही है। जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जनता के समर्थन से प्रदेश में विकास कार्यों को गति मिली है। उन्होंने कहा कि मेडिकल कॉलेज, इंजीनियरिंग कॉलेज, कृषि कॉलेज, सड़क, पुल और अन्य आधारभूत सुविधाओं का विस्तार इसी जनसमर्थन का परिणाम है। जब आपने कमल का बटन दबाया तो मां लक्ष्मी का आशीर्वाद मिला। इसी कारण उत्तर प्रदेश में विकास और निवेश की धनवर्षा हो रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब निवेश केवल नोएडा, गाजियाबाद और मेरठ तक सीमित नहीं है, बल्कि गोंडा जैसे जिलों में भी उद्योग और निवेश पहुंच रहा है, जिससे स्थानीय युवाओं को रोजगार मिल रहा है।

ईरान ने कहा, ट्रंप के साथ किसी भी परमाणु समझौते पर भरोसा नहीं, अमेरिका से रुक गयी है बातचीत

तेहरान, (वार्ता)। ईरान के सर्वोच्च नेता के एक वरिष्ठ सलाहकार एवं इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) के पूर्व कमांडर-इन-चीफ मोहसिन रेजाई ने वर्ष 2015 के जेसीपीओए समझौते से अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पीछे हटने का जिक्र करते हुए कहा कि अमेरिका के साथ फिलहाल परमाणु पर कोई बातचीत नहीं होगी। श्री रेजई ने यह भी कहा कि ईरान-अमेरिका के बीच बातचीत बंद हो गयी है और इस प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए श्री ट्रंप को कदम उठाना चाहिए ईरानी मीडिया के अनुसार, आईआरजीसी के पूर्व प्रमुख ने अमेरिका को दोबारा आक्रामकता दिखाने के खिलाफ चेतावनी दी। उन्होंने कहा, अगर उन्होंने फिर से सैन्य कार्रवाई का रास्ता चुना, तो वह एक अंधेरी और अंतहीन सुरंग में प्रवेश कर जायेंगे। उन्होंने कहा कि अगर युद्ध और नाकेबंदी जारी रही तो ईरान इस टकराव को फारस की खाड़ी से आगे हिंद महासागर, लाल सागर, बाब अल-मंडेब जलडमरूमध्य और भूमध्य सागर तक बढ़ा सकता है। श्री रेजाई ने इस बात पर जोर दिया कि बातचीत गतिरोध पर पहुंच गयी है और ईरान के फ्रीज किये गये फंड को जारी करना विश्वास बहाली के लिए एक जरूरी परीक्षा है। उन्होंने सीएनएन से कहा, अब गेंद ट्रंप के पाले में है और ईरान के रोके गये फंड को जारी करना विश्वास बहाली के उपाय के रूप में काम करेगा।

फिल्म/टीवी मनोरंजन

पुलकित सम्राट ने रमेश तौरानी की फिल्म की शूटिंग पूरी की

बॉलीवुड अभिनेता पुलकित सम्राट ने अपनी नई फिल्म की शूटिंग पूरी कर ली है, जो टिप्स फिल्म्स और रमेश तौरानी के बैनर तले बनाई जा रही है। इस फिल्म का निर्देशन स्नेहा तौरानी कर रही हैं। हालांकि मेकर्स की ओर से अभी तक फिल्म की आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है, लेकिन सूत्रों के अनुसार फिल्म की मुख्य शूटिंग पूरी हो चुकी है और केवल एक गाने की शूटिंग बाकी रह गई है। इस प्रोजेक्ट को लेकर पिछले साल से ही चर्चा तेज थी, जब पहली बार पुलकित सम्राट का नाम इससे जुड़ा था। अब शूटिंग पूरी होने के बाद दर्शकों की उत्सुकता और बढ़ गई है। यह फिल्म एक उभरती हुई निर्देशिका और एक स्थापित प्रोडक्शन हाउस के साथ पुलकित सम्राट के सहयोग के कारण इंडस्ट्री में पहले ही चर्चा का विषय बनी हुई है। हाल ही में रिलीज फिल्म 'ग्लोरी' में पुलकित के प्रदर्शन और फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन को दर्शकों और समीक्षकों से काफी सराहना मिली थी, जिससे उनकी लोकप्रियता और भी बढ़ी है। इसी बीच इस नई फिल्म के शूटिंग खत्म होने की खबर ने उनके फैंस में उत्साह बढ़ा दिया है। पुलकित सम्राट लंबे समय से अलग-अलग शैलियों की फिल्मों में काम करते आए हैं और उन्होंने कमर्शियल एंटरटेनर्स के साथ-साथ परफॉर्मेंस-ड्रिवन किरदारों में भी अपनी पहचान बनाई है। ऐसे में उनकी यह नई फिल्म उनके करियर में एक और महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट मानी जा रही है। फिलहाल फिल्म के मेकर्स आने वाले महीनों में इसकी आधिकारिक घोषणा कर सकते हैं।

दर्शकों की भावनाओं का सम्मान करते हुए पेड्डी में बदलाव करेंगे निर्देशक बुची बाबू सना

फिल्म पेड्डी को लेकर उठी आपत्तियों के बीच निर्देशक बुची बाबू सना ने दर्शकों की प्रतिक्रियाओं का सम्मान करते हुए फिल्म के कुछ दृश्यों में बदलाव करने की घोषणा की है।बुची बाबू सना ने जारी बयान में कहा कि फिल्म के कुछ हिस्सों को लेकर सामने आई चिंताओं को गंभीरता से लिया गया है और उनकी समीक्षा के बाद आवश्यक बदलाव किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि एक फिल्ममेकर के रूप में उनका मानना है कि सिनेमा का उद्देश्य लोगों का मनोरंजन करना, उन्हें प्रेरित करना और उनसे जुड़ाव बनाना है। किसी को असहज महसूस कराना या उसका अपमान करना कभी भी उनका उद्देश्य नहीं रहा है।उन्होंने कहा कि वह हमेशा महिलाओं का सम्मान करते आए हैं, चाहे वह पर्दे पर हों या वास्तविक जीवन में। उनका कहना है कि फिल्म में किसी महिला किरदार को गलत तरीके से प्रस्तुत करने या उसका अपमान करने का कोई इरादा नहीं था। हालांकि यदि फिल्म का कोई हिस्सा दर्शकों को ऐसा महसूस कराता है, तो वह उनकी भावनाओं का सम्मान करते हैं और इसके लिए दिल से माफी मांगते हैं। निर्देशक ने बताया कि मिली प्रतिक्रियाओं की समीक्षा के बाद फिल्म के उन हिस्सों में बदलाव करने का फैसला लिया गया है, जिन पर आपत्ति जताई गई थी। उन्होंने कहा कि सिनेमा और दर्शकों के बीच का रिश्ता बेहद खास होता है और एक कहानीकार के रूप में उनकी जिम्मेदारी है कि वह समय के साथ बदलती सामाजिक संवेदनशीलताओं और सोच का सम्मान करें। बुची बाबू सना ने कहा कि हर महिला सम्मान, गरिमा और सही प्रतिनिधित्व की हकदार है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि वह आगे भी ऐसी कहानियां प्रस्तुत करने के लिए प्रतिबद्ध रहेंगे, जो मजबूत किरदारों को सामने लाएं और इन मूल्यों को बनाए रखें। उन्होंने अपनी राय ईमानदारी से साझा करने वाले सभी दर्शकों का धन्यवाद किया।

कंगना रनौत ने 'भारत भाग्य विधाता' की स्क्रीनिंग में भारत के अनदेखे हीरोज़ को किया सलाम

फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' की विशेष स्क्रीनिंग के दौरान अभिनेत्री कंगना रनौत और ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने हेल्थकेयर क्षेत्र से जुड़े उन कर्मियों को सम्मानित किया, जो अक्सर सुर्खियों से दूर रहकर समाज की सेवा करते हैं। इस विशेष कार्यक्रम में नर्सों, वार्ड बॉयज़, अस्पताल सुरक्षा कर्मियों, सफाई कर्मचारियों और अन्य सहयोगी स्टाफ को उनके योगदान के लिए 'भारत भाग्य विधाता' बैज प्रदान किया गया। कंगना रनौत और मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने इन कर्मियों को देश का वास्तविक भाग्य विधाता बताते हुए उनके समर्पण और सेवा भावना की सराहना की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कंगना रनौत ने कहा कि 'भारत भाग्य विधाता' भारत की आत्मा, देशभक्ति और निस्वार्थ सेवा की भावना को समर्पित फिल्म है। उन्होंने कहा कि यह फिल्म उन आम लोगों की कहानी है, जो बिना किसी पहचान या प्रशंसा की अपेक्षा के समाज के लिए काम करते हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी का कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आभार भी व्यक्त किया। मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने कहा कि 'भारत भाग्य विधाता' शब्द हर भारतीय के मन में देशभक्ति की भावना जगाता है। उन्होंने कहा कि ओडिशा के लिए यह गर्व का विषय है कि फिल्म की पूरी टीम राज्य में पहुंची है। मुख्यमंत्री ने फिल्म की कहानी और कंगना रनौत के अभिनय की सराहना करते हुए कहा कि यह फिल्म संकट के समय स्वास्थ्यकर्मियों की भूमिका को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत करती है।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी अपने कार्यक्रम 'मन की बात' के माध्यम से ऐसे अनसुने नायकों को सामने लाते रहे हैं और यह फिल्म भी समाज के ऐसे लोगों को पहचान दिलाने का महत्वपूर्ण माध्यम बनेगी।

प्राकृतिक व पर्यावरण संरक्षण के लिए जल अत्यंत आवश्यक है : सांसद दर्शन सिंह चौधरी

जल संरक्षण समाज की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी, कलेक्ट्रेट परिसर में जल संवाद कार्यशाला सम्पन्न

नरसिंहपुर, स्वतंत्रमत।

सांसद श्री दर्शन सिंह चौधरी ने कहा कि विश्व में जल की समस्या विकराल रूप ले रही है, इसलिए जल का संरक्षण करना बहुत जरूरी है। उन्होंने बताया कि जल को बनाया नहीं जा सकता, बल्कि उसे बचाया जा सकता है। प्राकृतिक और पर्यावरण संरक्षण के लिए जल अत्यंत आवश्यक है। सांसद श्री चौधरी शनिवार को कलेक्ट्रेट प्रांगण नरसिंहपुर में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत भू-जल भरण की विशिष्ट तकनीकों पर आयोजित जल संवाद कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर जिला पंचायत की उपाध्यक्ष श्रीमती अनीता राजेन्द्र ठाकुर, पूर्व राज्यमंत्री श्री जालम सिंह पटेल, कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह, सीईओ जिला पंचायत श्री गजेन्द्र नागेश, श्री रामसनेही पाठक, महंत प्रीतमपुरी गोस्वामी, अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी, स्वयंसेवी संगठनों के प्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक मौजूद थे। सांसद श्री दर्शन सिंह चौधरी ने कहा कि आने वाली पीढ़ी के लिए जल को बचाना समाज की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी

है। प्रत्येक नागरिक जल संरक्षण व संवर्धन के लिए संकल्प लें और जल का संरक्षण करें। वर्षा जल को व्यर्थ न बहने दें तथा उसे सोखपिट और कंटूर ट्रेंच के माध्यम से भूमिगत करें, जिससे भू-जल स्तर में वृद्धि होगी। उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक अपने-अपने घरों में वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम अपनाएं, जिससे वर्षा जल को भूमिगत किया जा सके। सांसद श्री दर्शन सिंह चौधरी ने जल के महत्व को बताते हुए कहा कि जल है तो जीवन है।

आओ हम सब मिलकर जल संरक्षण के इस अभियान को पूरा करें और आने वाली पीढ़ी के लिए जल बचाने का संकल्प लें। उन्होंने कहा कि हमें जल संरक्षण के इस अभियान को घर-घर तक पहुंचाना होगा, जिससे हर व्यक्ति जल के महत्व को समझकर इस अभियान में शामिल हो सके। सांसद श्री दर्शन सिंह चौधरी ने कहा कि प्रत्येक परिवार व नागरिक का कर्तव्य है कि उसे जितने जल की आवश्यकता है, उतना ही जल का उपयोग करें, जल को व्यर्थ न बहाएं और न ही बहने दें, जिससे नरसिंहपुर जिला जल बचाने के इस अभियान में अव्वल स्थान पर रहे। कार्यशाला में प्रसिद्ध भूगर्भ वैज्ञानिक डॉ. सुनील चतुर्वेदी ने जल के महत्व, वर्तमान में जल प्रदूषण की व्यापक चुनौतियों तथा भविष्य के रेखांकन के साथ स्थानीय स्तर पर किए जा रहे प्रयासों के बारे में विस्तार से बताया। ग्राम पंचायत द्वारा भू-जल भरण के कार्यों पर प्रकाश डाला और वर्षा जल को सुरक्षित करने के उपाय बताए।

श्रीदेव अटल बिहारी मंदिर में श्री राधाकृष्ण व्याहुला महोत्सव का आयोजन आज

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)।

शहर के श्रीदेव अटल बिहारी मंदिर में आज 7 जून रविवार को श्री राधाकृष्ण जी का व्याहुला (विवाह) महोत्सव श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ मनाया जाएगा। पुजारी कमलेश भार्गव द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार इस अवसर पर गुरु परम्परा केअधिकारी आचार्य श्री यादवेन्द्र वल्लभ गोस्वामी श्रीधाम वृंदावन से पधारकर अपने सान्निध्य में महोत्सव को संपन्न कराएंगे। महोत्सव के दौरान जबलपुर से आई रसिक मंडली द्वारा विवाह के विभिन्न संस्कारों जैसे हल्दी, मेहंदी एवं फेरे आदि पर आधारित पदगान प्रस्तुत किए जाएंगे।

यह कार्यक्रम श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगा।कार्यक्रम के अनुसार रविवार को दोपहर 4 बजे से पदगान एवं विवाह उत्सव प्रारंभ होगा एवं शाम 7.30 बजे महाआरती संपन्न होगी। आरती के पश्चात श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया जाएगा।

ईंधन बचाने ई-कचरा संग्रहण वाहन होंगे संचालित

नगर पालिका में पांच बैटरी से चलने वाले ई-कचरा संग्रहण वाहनों का हुआ लोकार्पण

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)। केन्द्र सरकार की ईंधन बचाने की मंशा के अनुरूप म.प्र. सरकार के आदेश के परिपालन में नपा अध्यक्ष पं. शिवाकांत मिश्रा के निर्देशन में नगर पालिका में बैटरी से चलने वाले पांच ई-कचरा संग्रहण वाहन क्रय किये गये हैं। इन ऑटो से नगर में डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण किया जाएगा। विगत दिवस शहर के कन्या नवीन स्कूल में विश्व पर्यावरण दिवस पर आयोजित पौधरोपण कार्यक्रम में पधारे म.प्र. शासन स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री राव उदयप्रताप सिंह ने उक्त ई-कचरा संग्रहण वाहनों का फीता काटकर लोकार्पण किया। इन वाहनों के संचालन से काफी मात्रा में ईंधन की बचत होगी और नगर की संकरी गलियों में भी यह वाहन आसानी से प्रवेश कर सकेंगे। लोकार्पण कार्यक्रम के दौरान सीएमओ वैभव देशमुख, नपा अध्यक्ष एवं पार्षदगण, एई सत्यम जाट, जयंत ब्राउन सहित नपा कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में भाजपा नेतागण मौजूद रहे।

विश्व पर्यावरण दिवस पर पौधरोपण कर दिया संरक्षण का संदेश

नरसिंहपुर, स्वतंत्रमत।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर मप्र जन अभियान परिषद विकासखंड चीचली के तत्वाधान में नवांकुर संस्था माही समाज कल्याण समिति एवं ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति भामका के द्वारा वार्ड विकास समितियों के समन्वय से पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित कर नागरिकों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपित कर उनके संरक्षण का संकल्प लिया। नागरिकों को पर्यावरण संरक्षण, जल संवर्धन एवं हरियाली बढ़ाने के प्रति जागरूक किया गया। इस दौरान ग्रामवासियों, समिति सदस्यों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने अपनी सहभागिता दी।

पुलिस उप महानिरीक्षक राकेश कुमार सिंह ने किया पुलिस कार्यालय का वार्षिक निरीक्षण

कार्यालय की विभिन्न शाखाओं, अभिलेखों एवं प्रशासनिक व्यवस्थाओं का किया निरीक्षण

नरसिंहपुर, स्वतंत्रमत।

पुलिस उप महानिरीक्षक, छिन्दवाडा रेंज छिन्दवाडा, श्री राकेश कुमार सिंह द्वारा पुलिस कार्यालय का वार्षिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान कार्यालय की विभिन्न शाखाओं, अभिलेखों, अपराध संबंधी रिकार्ड, लंबित प्रकरणों, सीसीटीएनएस कार्य एवं प्रशासनिक व्यवस्थाओं का सूक्ष्म परीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान पुलिस उप महानिरीक्षक ने कानून-व्यवस्था की स्थिति, अपराध नियंत्रण, लंबित अपराधों एवं शिकायतों के निराकरण, फरार एवं वारंटी आरोपियों की गिरफ्तारी तथा जनसुरक्षा संबंधी कार्यों की विस्तृत समीक्षा की।

उन्होंने पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अपराधों की रोकथाम, त्वरित कार्रवाई, गुणवत्तापूर्ण विवेचना तथा आमजन के प्रति संवेदनशील एवं जवाबदेह व्यवहार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। पुलिस उप महानिरीक्षक ने पुलिस कार्यालय में उपलब्ध संसाधनों, कार्यालयीन व्यवस्थाओं एवं कार्यप्रणाली का अवलोकन करते हुए आवश्यक सुधारात्मक सुझाव प्रदान किए तथा बेहतर पुलिसिंग के लिए अधिकारियों एवं कर्मचारियों का मार्गदर्शन किया। निरीक्षण के दौरान जिले के पुलिस अधीक्षक, डॉ. ऋषिकेश मीना, अति. पुलिस अधीक्षक, श्री संदीप भूरिया, एसडीओपी, नरसिंहपुर, श्री मनोज गुप्ता, निरीक्षक श्रीमति मनोरमा बघेल एवं अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

सांसद ने किया करेली रेलवे स्टेशन का निरीक्षण

नरसिंहपुर, स्वतंत्रमत। सांसद श्री दर्शन सिंह चौधरी ने शनिवार को करेली रेलवे स्टेशन पहुंचकर अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत चल रहे निर्माण एवं विकास कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने इस दौरान रेलवे स्टेशन परिसर में संचालित विभिन्न कार्यों की प्रगति की जानकारी ली। निर्माण कार्यों की समीक्षा कर समय-सीमा के भीतर गुणवत्ता के साथ कार्य पूर्ण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। सांसद श्री चौधरी ने कहा कि रेलवे अधोसंरचना का विकास क्षेत्र की प्रगति का महत्वपूर्ण आधार है। करेली रेलवे स्टेशन का आधुनिकीकरण क्षेत्र के नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ-साथ व्यापार, रोजगार एवं क्षेत्रीय विकास को भी नई गति प्रदान करेगा। उन्होंने अधिकारियों एवं निर्माण एजेंसियों को निर्देशित किया कि सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण किए जाएं तथा गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता न किया जाए। साथ ही यात्रियों की सुविधा एवं सुगम आवागमन को ध्यान में रखते हुए जनहित के अनुरूप निर्णय लेने और कार्यों में आवश्यक तेजी लाने के निर्देश भी दिए। सांसद श्री चौधरी ने रेलवे स्टेशन परिसर के बाहरी क्षेत्र में आमजन की सुविधा के लिए एक सुव्यवस्थित पार्क विकसित करने तथा यात्रियों और स्थानीय नागरिकों के लिए नए आवागमन मार्ग विकसित करने के संबंध में निर्देश दिए। उन्होंने केवल भवन निर्माण तक सीमित न रहे, बल्कि यह क्षेत्र के नागरिकों की वास्तविक आवश्यकताओं के अनुरूप होना चाहिए। सांसद श्री चौधरी ने कहा कि अमृत भारत स्टेशन योजना के माध्यम से करेली रेलवे स्टेशन आधुनिक सुविधाओं से युक्त, स्वच्छ, सुरक्षित एवं यात्री-अनुकूल स्टेशन के रूप में विकसित होगा।

ग्राम पंचायत देवरी में नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम संपन्न

नरसिंहपुर, स्वतंत्रमत। जिले में युवाओं को नशे की गिरफ्त से बचाने और समाज में नशामुक्त वातावरण तैयार करने के उद्देश्य से सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग नरसिंहपुर के कला पथक दल द्वारा नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत जनपद पंचायत नरसिंहपुर की ग्राम पंचायत देवरी में नशा मुक्ति से संबंधित संवाद एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए।

सीतारेवा नदी पर पौधरोपण

नरसिंहपुर, स्वतंत्रमत। विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में और जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत सीतारेवा नदी के तट पर जल संगोष्ठी, पौधरोपण व वृक्षपूजन कार्यक्रम आयोजित किए गए। यह कार्यक्रम मप्र जनअभियान परिषद की नवांकुर संस्था के तत्वाधान में आयोजित किया गया है।

30 जून तक सभी विद्यार्थियों के लिए अपार आई डी निर्माण का लक्ष्य

नरसिंहपुर, स्वतंत्रमत। समग्र शिक्षा अभियान अंतर्गत जिले के समस्त शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों में विद्यार्थियों की अपार आई डी बनाने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। जिला शिक्षा अधिकारी डॉ अनिल कुशवाहा द्वारा जारी निर्देशानुसार यह अभियान ३० जून 2026 तक संचालित होगा। जिला शिक्षा अधिकारी ने सभी विकासखंड शिक्षा अधिकारियों, विकासखंड स्त्रोत समन्वयकों एवं संकुल प्रभारियों को निर्देशित किया है कि वे अपने क्षेत्र के सभी विद्यालयों में शत-प्रतिशत विद्यार्थियों की अपार आई डी बनाने की कार्यवाही सुनिश्चित करें।अभियान के तहत विद्यालय स्तर पर अपार आई डी विहीन विद्यार्थियों की सूची तैयार कर उन्हें दो श्रेणियों में विभाजित किया जाए। जिन विद्यार्थियों का आधार कार्ड उपलब्ध है, उनके आधार, नामांकन एवं चाइल्ड प्रोफाइल की जानकारी का मिलान कर आवश्यक संशोधन करते हुए अपार आई डी तैयार की जाए। जिन विद्यार्थियों का आधार उपलब्ध नहीं है, उनके लिए आधार पंजीयन एवं संशोधन की कार्यवाही कराई जाए।विद्यालयों में मेगा अपार दिवस का आयोजन प्रत्येक शनिवार को किया जाए, जिसमें विद्यार्थियों एवं अभिभावकों को अपार आई डी के महत्व के संबंध में जानकारी दी जाए। इसके लिए जनशिक्षकों, शिक्षकों एवं विद्यालय प्रभारियों को सक्रिय भूमिका निभाने के निर्देश दिए गए हैं।

जिला शिक्षा अधिकारी ने बताया कि अपार आई डी विद्यार्थियों के शैक्षणिक रिकॉर्ड को डिजिटल रूप से सुरक्षित रखने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। निर्देश देते हुए ३० जून तक अपार आई डी निर्माण का शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करने हेतु निर्देश जारी किये गये।

विधायक तेंदूखेड़ा श्री विश्वनाथ सिंह पटेल ने किया एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधरोपण

नरसिंहपुर, स्वतंत्रमत।

विधायक तेंदूखेड़ा श्री विश्वनाथ सिंह पटेल ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत कृषि उपज मंडी प्रांगण सिहोरा में जनप्रतिनिधियों के साथ सामूहिक रूप से पौधारोपण किया। विधायक श्री पटेल ने कहा कि हर नागरिक को पौधरोपण करना चाहिए, जिससे पर्यावरण का संरक्षण कर धरती को सुरक्षित एवं समृद्ध रख सकें। पर्यावरण बचेगा तो प्रकृति बचेगी, प्रकृति बचेगी तो जीव सृष्टि भी बचेगी। हम सभी को पर्यावरण संरक्षण व संवर्धन के लिए अधिकाधिक पौधे लगाने का संकल्प लें। उन्होंने कहा कि सभी मिलकर एक पेड़ माँ के नाम अभियान को सफल बनाने के लिए पौधारोपण करें और पर्यावरण को संरक्षित करें।

सातवें वर्ष भी बरकरार आरोहण का जादू- एनसीएल मुख्यालय सहित सभी परियोजना और इकाइयों में बच्चों का उत्साह चरम पर

सिंगरौली (स्वतंत्र मत)।

एनसीएल द्वारा आयोजित समर कैंप च्आरोहणज्ञ का सातवां संस्करण इन दिनों बच्चों के बीच धूम मचा रहा है। इस शिविर में बच्चे न सिर्फ अपनी गर्मियों की छुट्टियों का भरपूर आनंद ले रहे हैं, बल्कि नई-नई विधाओं में निपुण भी बन रहे हैं। यह समर कैंप एनसीएल मुख्यालय सहित सभी परियोजनाओं एवं इकाइयों में 21 मई से 10 जून, 2026 तक आयोजित किया जा रहा है जिसमें 7 से 14 वर्ष की आयु के बच्चे भाग ले रहे हैं।

खेल-कूद से लेकर कला-संगीत तक, में प्रशिक्षण

आरोहण समर कैंप के दौरान योग्य प्रशिक्षकों द्वारा प्रतिभागियों को विभिन्न खेल-कूद विधाओं ङ्क बैडमिंटन, टेबल-टेनिस, क्रिकेट, वालीबॉल, तैराकी, बॉक्सिंग, एथलेटिक्स, जूडो, कराटे, फुटबॉल, संगीत (गायन-वादन), नृत्य, ड्रॉइंग, पेंटिंग इत्यादि का प्रशिक्षण दिया जा रहा है ।इस वर्ष च्आरोहणज्ञ समर कैंप के माध्यम से कुल 4,718 बच्चे और युवा लाभ उठा रहे हैं ।

10 जून को होगा समापन

पिछले कई दिनों से चल रहे इस कड़े अभ्यास और मस्ती के सफर का समापन आगामी 10 जून को किया जाएगा। गौरतलब है कि एनसीएल द्वारा वर्ष 2018 से च्आरोहणज्ञ समर कैंप की शुरुआत की गई। यह समर कैंप बच्चों और युवाओं के सर्वांगीण विकास के साथ-साथ उनकी रचनात्मकता को जगाने का एक सशक्त माध्यम भी है।

प्रकृति का संरक्षण ही भविष्य की सुरक्षा

हिंडालको महान एल्युमीनियम में विश्व पर्यावरण दिवस पर विशेष आयोजन

सिंगरौली (स्वतंत्र मत)।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर हिंडालको - महान एल्युमीनियम द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं जनजागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। पूरे परिसर में पर्यावरण के प्रति प्रतिबद्धता और जागरूकता का उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम में वृक्षारोपण, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, नुक्कड़ नाटक, जागरूकता अभियान तथा विभिन्न प्रतियोगिताओं के माध्यम से प्रकृति संरक्षण का संदेश दिया गया।कार्यक्रम की शुरुआत वृक्षारोपण अभियान से हुई, जिसमें इकाई के वरिष्ठ अधिकारियों, कर्मचारियों एवं पर्यावरण विभाग की टीम ने पौधरोपण कर हरित एवं स्वच्छ पर्यावरण के निर्माण का संकल्प लिया। इस दौरान प्रतिभागियों ने लगाए गए पौधों के संरक्षण एवं संवर्धन की जिम्मेदारी भी निभाने का संकल्प व्यक्त किया।विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों में बच्चों ने आकर्षक नृत्य प्रस्तुतियों के माध्यम से जल संरक्षण, वृक्षारोपण, प्रदूषण नियंत्रण एवं पर्यावरण सुरक्षा का संदेश दिया। उनकी प्रस्तुतियों ने उपस्थित लोगों को प्रकृति के प्रति अपने दायित्वों का स्मरण कराया और पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण महान एल्युमीनियम के कर्मचारियों द्वारा प्रस्तुत नुक्कड़ नाटक रहा। नाटक के माध्यम से बढ़ते प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन, प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन तथा पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया। दर्शकों ने इस प्रस्तुति की सराहना करते हुए इसे समाज में जागरूकता बढ़ाने का प्रभावी माध्यम बताया। इसके अलावा पर्यावरण जागरूकता रैली, प्रश्नोत्तरी, चित्रकला, निबंध लेखन एवं अन्य प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित की। कार्यक्रम के माध्यम से लोगों को जैव विविधता के संरक्षण, प्राकृतिक संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग तथा सतत विकास के महत्व के बारे में जागरूक किया गया।

इस अवसर पर अपने संबोधन में इकाई प्रमुख लीनू पंचमन ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक दिवस तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि इसे जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि पृथ्वी और प्राकृतिक संसाधन हमारी आने वाली पीढ़ियों की धरोहर हैं, जिनकी सुरक्षा और संरक्षण की जिम्मेदारी हम सभी की है। उन्होंने कर्मचारियों एवं स्थानीय समुदाय से अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने, जल एवं ऊर्जा संरक्षण को अपनाने तथा पर्यावरण के अनुकूल जीवनशैली विकसित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि हिंडालको - महान एल्युमीनियम सतत विकास एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए निरंतर प्रयासरत है और भविष्य में भी इस दिशा में अपनी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करता रहेगा। कार्यक्रम में स्मेल्टर हेड एस.शशि कुमार, ललित पाल, मनोज तिवारी,प्रांची,सूर्यकांत,गौरव वर्मा,संजय सिंह, गौरव चतुर्वेदी, सुदीप्त नायक, रोहित, प्रणव सोनी, एस. पी. सिंह, के. पी. शर्मा, रमेश मोबालिया सहित पर्यावरण विभाग की पूरी टीम तथा बड़ी संख्या में कर्मचारी,अधिकारी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन पर्यावरण संरक्षण की सामूहिक शपथ के साथ हुआ, जिसमें सभी ने हरित, स्वच्छ और सुरक्षित भविष्य के निर्माण में सक्रिय योगदान देने का संकल्प लिया।

जायंट्स ग्रुप ऑफ कटनी आहना ने किया पौधारोपण, लगाए 21 पौधे

कटनी। जायंट्स ग्रुप ऑफ कटनी आहना कि समाज सेविकाओं ने हरियाली बढ़ाने और वातावरण को स्वच्छ एवं शीतल बनाने के उद्देश्य से पर्यावरण दिवस पर पौधारोपण किया। आहना ग्रुप की समाज सेविकाओं ने तुलसी, नीम और शमी पत्र के पौधे लगाकर उनकी देखभाल करने का वचन लिया। पौधारोपण कार्यक्रम के माध्यम से आहना ग्रुप की समाज सेविकाओं ने न सिर्फ हरियाली को बढ़ावा दिया बल्कि पर्यावरण की सुरक्षा ही भविष्य की नींव है का एक सशक्त संदेश भी दिया। इस दौरान आहना की अध्यक्ष, वाणी गट्टाणी, निशा गुप्ता, कविता लालवानी, स्वाति नायक, वंदना गट्टानी, उपासना बजाज, शालिनी बजाज, रेनुका गोयनका, सौम्या गट्टानी, शिल्पी माहेश्वरी, स्वाति जैन, रश्मि राय, सोनाली जैन और दीपिका नायक शामिल रही।

जिला कांग्रेस अध्यक्ष ने दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

विश्व पर्यावरण दिवस पर के अवसर पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक कुंवर सौरभ सिंह मुड़वारा विधानसभा क्षेत्र के अन्तर्गत ग्राम कन्हवारा स्थित प्राचीन गढ़ी में वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि पेड़ केवल प्रकृति की सुंदरता ही नहीं बढ़ाते, बल्कि स्वच्छ वायु, जल संरक्षण और आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य का आधार भी हैं। उन्होंने अधिक से अधिक वृक्ष लगाकर और उनका संरक्षण कर हरित एवं स्वस्थ पर्यावरण के निर्माण में अपना योगदान देने की अपील लोगों से की। इस अवसर पर रमेश पाटकार, गौरव जार, अंकुश पांडे, जय तिवारी, संदीप बाजपेयी, जितेन्द्र सिंह, नारायणदास जलोहा, कृष्ण कुमार कुशवाहा, नंदकिशोर सेन, लाला रजक, आशीष त्रिपाठी, पवन सुहाने, अभिषेक पांडे, सुरेश नामदेव, सिर्रु ठाकुर, जगन चक्रवर्ती सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

एक पेड़ अपनी माँ के नाम पौधारोपण कार्य मुक्ति धाम में

5 जून विश्व पर्यावरण दिवस सम्पूर्ण भारत वर्ष मे प्रधान मंत्री मोदी के द्वारा एक नई पहल की गई। एक पेड़ अपनी माँ के नाम जरूर लगाये। इस अवसर पर कटनी जिला मानवाधिकार परिषद एंव संभागीय पदाधिकारियों महिला द्वारा एक नई पहल पर पौधारोपण कार्य कटनी नदीपार मोड़ पर स्थित मुक्तिधाम में एक पेड़ अपनी मां के नाम आयोजित कार्यक्रम किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथ्य मानवाधिकार परिषद प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष रामकुमार द्विवेदी, संभाग उपाध्यक्ष अधिवक्ता संजय जैन, संभागीय महिला विंग अध्यक्ष समाजसेवी व अधिवक्ता रेखा अंजू तिवारी, कटनी संभागीय कोषाध्यक्ष रामप्रकाश शर्मा एंव अनुसूचित जनजातीय बालक छात्रावास अधीक्षक एके मेहरा, पोस्ट मैट्रिक छात्रावास अधीक्षक हेमंत अटल, जिला महासचिव दीपक कोटक, जिला उपाध्यक्ष प्रकाशचंद जैन, भाजपा जिला युवा उपाध्यक्ष अजय माली, जिला उपाध्यक्ष ब्रजेश अग्रवाल, सहित मातृशक्तियों द्वार सर्वप्रथम प्रभु भोलेनाथ के दरबार में अपनी उपस्थित देकर उनकी पूजा-पाठ सभी के स्वास्थ्य की मंगल कामना करते हुए माल्यार्पण कर दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम प्रारंभ किया गया तत्पश्चात। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आओ हम सब मिलकर अपनी वंसुधरा को हरा भरा बनाए विभिन्न प्रकार के छायादार और औषधीय युक्त पौधारोपण कार्य किया गया मुख्य अतिथि वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष रामकुमार द्विवेदी ने कहा कि हमे अपने आस-पास स्वच्छ वातावरण बनाना है और पर्यावरण को बचाए प्रदूषण मुक्त शहर बनाए प्ररित किया कार्यक्रम का सफल संचालन मानवाधिकार परिषद कटनी जिलाध्यक्ष अरविंद गुप्ता ने किया। मानवाधिकार परिषद संभागीय महिला विंग अध्यक्ष रेखा अंजू तिवारी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा के हमारे हिन्दूओं के चार तीर्थस्थल में से एक यह भी तीर्थस्थल है। जंहा पर हम सब को एक दिन जरूर आना तय है। हमारी जिन्दगी की सच्चाई यही है। इस लिए आईये हम आप सब मिलकर अपने पितृदेव तुल्य पूर्वजो का आशीर्वाद प्राप्त करे और सुखमय जीवन बनाए। उक्त अवसर पर विशेष सराहनीय सहयोग बड़वारा हाई स्कूल शासकीय शिक्षिका डॉ उर्मिला साई प्रीत, समाजसेवी लता खरे, मानवाधिकार परिषद महिला विंग जिला उपाध्यक्ष दुर्गा तोमर, नन्ही बेटी तेजस्वी लक्ष्मी रजक, युवा सक्रिय सदस्य दुर्गेश सम्मानित पदाधिकारीगण की गरिमामय उपस्थित मे कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के अंत मे सम्मानित पदाधिकारियों का आभार व्यक्त मानवाधिकार परिषद संभाग उपाध्यक्ष संजय जैन द्वारा किया गया और सभी को ठंडा मीठा पेयजल वितरित किया गया।

फोटो : विकास गुप्ता

अखिल भारतीय उपभोक्ता उत्थान संगठन ने किया पौधारोपण

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर अखिल भारतीय उपभोक्ता उत्थान संगठन की महिला विंग द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं हरियाली बढ़ाने के उद्देश्य से पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम बस स्टैंड के पास तथा ग्रामीण अध्यक्ष शशि शुक्ला के खेत में स्थित शंकर मंदिर परिसर के समीप संपन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान आम, अमरूद, केला सहित विभिन्न फलदार एवं छायादार पौधों का रोपण किया गया। इस अवसर पर उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि पौधारोपण तभी सार्थक होता है जब पौधों के संरक्षण एवं सिंचाई की समुचित व्यवस्था हो। उन्होंने कहा कि जल ही जीवन है और जिस प्रकार मनुष्य के लिए पानी आवश्यक है, उसी प्रकार पौधों के जीवन एवं विकास के लिए भी जल अनिवार्य है। महिला विंग की जिला अध्यक्ष प्रीति सेन ने कहा कि पौधों का पालन-पोषण बच्चों की तरह करना चाहिए। उचित देखभाल और सुरक्षा मिलने पर यही पौधे बड़े होकर शुद्ध वायु, शीतल छाया एवं फल प्रदान करते हैं तथा पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी सदस्यों ने पेड़ लगाओ, धरती बचाओ, धरती को स्वर्ग बनाओ तथा हरियाली से है मुस्कान, यही है प्रगति का सम्मान जैसे नारों के माध्यम से जनसामान्य को अधिक से अधिक पौधे लगाने एवं उनकी देखभाल करने का संदेश दिया। इस अवसर पर महिला विंग की जिला अध्यक्ष प्रीति सेन, ग्रामीण अध्यक्ष शशि शुक्ला, श्वेता अग्रवाल, शशि दुबे, आशा सुहाने, आराधना तिवारी, शीतल पांडे, अनामिका गुप्ता तथा अमन सुहाने सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। यह संस्करण स्थानीय दैनिक समाचार पत्रों में प्रकाशित होने वाली औपचारिक रिपोर्टिंग शैली के अनुरूप है।

पर्यावरण संरक्षण हेतु संगोष्ठी आयोजित

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद, जिला कटनी के सेक्टर क्रमांक-5 हीरापुर कौड़िया अंतर्गत ग्राम बिछिया में पर्यावरण संरक्षण विषयक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीणों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना तथा वृक्षारोपण एवं प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के लिए प्रेरित करना था। संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में कोतवाली महिला थाना प्रभारी वर्षा सोनकर ने उपस्थित ग्रामवासियों को पर्यावरण संरक्षण के महत्व की जानकारी देते हुए कहा कि स्वच्छ एवं सुरक्षित पर्यावरण मानव जीवन की आधारशिला है। उन्होंने सभी से अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने तथा जल, भूमि एवं वायु प्रदूषण को रोकने में सक्रिय सहभागिता निभाने का आह्वान किया।

इस अवसर पर हवलदार रोशनी सिंह, उपसरपंच विजय यादव, अशोक, सेक्टर प्रभारी साध्वी निगम सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान पर्यावरण संरक्षण, जल संवर्धन, स्वच्छता एवं हरित विकास जैसे विषयों पर चर्चा की गई तथा उपस्थित लोगों ने पर्यावरण संरक्षण के लिए संकल्प लिया। कार्यक्रम का समापन पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने एवं प्रकृति के संरक्षण हेतु सामूहिक प्रयास करने के संदेश के साथ हुआ।

फोटो : विकास गुप्ता

घंटाघर क्षेत्र की वर्मा गली में जर्जर भवन ध्वस्त, संभावित दुर्घटना का खतरा टला

कटनी (स्वतंत्रमत)।

आगामी मानसून के दृष्टिगत नगर निगम प्रशासन द्वारा शहर में जन सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से खतरनाक एवं जर्जर भवनों को चिन्हित कर हटाने की सतत कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में घंटाघर क्षेत्र की वर्मा गली में स्थित एक जर्जर एवं असुरक्षित भवन को नगर निगम की टीम द्वारा ध्वस्त किया गया। जानकारी के अनुसार यह भवन लंबे समय से अत्यंत जर्जर अवस्था में था तथा वर्षा के दौरान इसके गिरने की प्रबल आशंका बनी हुई थी, जिससे आसपास के रहवासियों को खतरा उत्पन्न हो सकता था। स्थानीय नागरिकों द्वारा भी इस संबंध में कई बार चिंता व्यक्त की गई थी। नगर निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि शहर में ऐसे सभी जर्जर भवनों की पहचान कर प्राथमिकता के आधार पर निरंतर कार्रवाई की जा रही है, ताकि वर्षा ऋतु में किसी भी प्रकार की जनहानि एवं दुर्घटना की संभावना को समाप्त किया जा सके। कार्रवाई के पश्चात स्थानीय नागरिकों ने राहत की सांस ली तथा नगर निगम की इस त्वरित पहल की सराहना करते हुए इसे जन सुरक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

कटनी में औषधि विभाग की बड़ी कार्रवाई

10 मेडिकल स्टोर्स को कारण बताओ नोटिस

संतोषजनक जवाब नहीं तो लाइसेंस होंगे निलंबित

कटनी (स्वतंत्रमत)। जिले में औषधियों की बिक्री और भंडारण व्यवस्था को नियमों के अनुरूप सुनिश्चित करने के लिए कलेक्टर आशीष तिवारी द्वारा दिए गए निर्देशों के पालन में औषधि प्रशासन विभाग ने मेडिकल स्टोर्स की जांच के बाद अनियमितता और कमियां पाये जाने पर सख्त कार्रवाई करते हुए जिले के 10 मेडिकल स्टोर्स को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। कलेक्टर के निर्देश पर ड्रग इंस्पेक्टर ने मेडिकल स्टोर्स का निरीक्षण किया और इस औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 तथा नियमावली, 1945 के विभिन्न प्रावधानों के उल्लंघन एवं अन्य अनियमितताएं पाए जाने पर कारण बताओ नोटिस जारी करने की कार्रवाई की गई है। संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर लाइसेंस निलंबन या निरस्तीकरण की कार्रवाई की जायेगी। ड्रग इंस्पेक्टर सोनम जैन ने बताया कि मेडिकल स्टोर्स की जांच में दवाओं की बिक्री केवल पंजीकृत फार्मासिस्ट की निगरानी में की जानी चाहिए थी, लेकिन कई स्टोर में वे नहीं मिले। उचित बिल या कैश मेमो ग्राहकों को देना आवश्यक है, जो भी कई स्टोर में नहीं मिले। अनुसूची एच, एच 1 एवं एक्स दवाओं की बिक्री केवल अधिकृत चिकित्सक के वैध प्रिस्क्रिप्शन पर ही किया जा सकता है तथा निर्धारित अभिलेख संधारित करना अनिवार्य है। लेकिन अभिलेख संधारित नहीं मिले। दवाओं की खरीद एवं बिक्री से संबंधित रिकॉर्ड भी संधारित होना चाहिए था। कारण बताओ नोटिस जिन मेडिकल स्टोर्स को जारी किए गए हैं उनमें साईं मेडिकल एंड जनरल स्टोर हरदुआ, नवीन मेडिकल स्टोर रीठी, अनिका मेडिकल एंड जनरल स्टोर देवगांव, संदीप मेडिकल, स्टोर बहोरीबंद, प्रकाश मेडिकल, आदित्य मेडिकल बहोरीबंद, गौतम मेडिकल, गणेश मेडिकल, मोहित मेडिकल एंड जनरल स्टोर पिपरोंध तथा माहिर मेडिकल एंड जनरल स्टोर निवार पहाड़ी शामिल हैं। औषधि प्रशासन विभाग द्वारा संबंधित संचालकों से निर्धारित समयावधि में स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने को कहा गया है। विभागीय अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि यदि प्राप्त जवाब संतोषजनक नहीं पाया गया तो संबंधित मेडिकल स्टोर्स के विरुद्ध लाइसेंस निलंबन अथवा निरस्तीकरण जैसी कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

फोटो : विकास गुप्ता

मेधावी छात्रों को लैपटॉप प्रदान कर किया सम्मानित

बच्चों की प्रतिभाओं को मिलेगा मंच, व्यक्तित्व विकास को मिलेगा नया आयाम

कटनी (स्वतंत्रमत)। नगरपालिक निगम कटनी द्वारा संचालित स्कूलों के विद्यार्थियों को ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान खेल, कला, संस्कृति, संगीत, नृत्य तथा व्यक्तित्व विकास से जुड़ी विविध गतिविधियों का प्रशिक्षण प्रदान कर उनकी रचनात्मकता, आत्मविश्वास एवं नेतृत्व क्षमता को विकसित करने के उद्देश्य से निगम प्रशासन की अभिनव पहल पर ग्रीष्मकालीन प्रतिभा शिविर 2026 का शुभारंभ शुक्रवार को साधूराम उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में उत्साह, उमंग और प्रेरणादायी वातावरण के बीच संपन्न हुआ। शिविर शुभारंभ के अवसर पर महापौर प्रीति संजीव सूरी, निगमाध्यक मनीष पाठक, निगमायुक्त तपस्या परिहार सहित मेयर इन कार्उंसिल सदस्य उमेंद्र अहिरवार, पार्षद सीमा श्रीवास्तव, शकुंतला सोनी, पूर्व पार्षद ऋचा गेलानी, समाजसेवी यज्ञदत्त मिश्रा, रेखा अंजू तिवारी हीरामणी बरसैंया सहित गणमान्य नागरिकों, शिक्षकों, अभिभावकों एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं, विभिन्न खेलों के प्रशिक्षकों की गरिमामयी मौजूदगी ने समारोह को विशेष ऊर्जा और उत्सव का स्वरूप प्रदान किया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं मां सरस्वती के पूजन के साथ किया गया। इस अवसर पर बच्चों द्वारा प्रस्तुत सरस्वती पूजन गीत ने उपस्थित जनसमुदाय का मन मोह लिया। पूरे परिसर में बच्चों के उत्साह, जिज्ञासा और आत्मविश्वास की झलक स्पष्ट रूप से दिखाई दी। शिविर के दौरान उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं अतिथियों द्वारा व्हालीवाल टीम के छात्रों से परिचय प्राप्त कर उनके साथ व्हालीबाल खेल कर उनका उत्साहवर्धन भी किया।

बच्चों के सपनों को मिलेगी नई दिशा-महापौर-कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महापौर प्रीति संजीव सूरी ने नगर निगम द्वारा आयोजित इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि बच्चों को शिक्षा के साथ-साथ खेल, कला, संस्कृति और रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ना उनके व्यक्तित्व विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। ऐसे आयोजन विद्यार्थियों को अपनी छिपी प्रतिभाओं को पहचानने और उन्हें नई दिशा देने का अवसर प्रदान करते हैं। नगर निगम कटनी की यह पहल केवल एक शिविर नहीं, बल्कि बच्चों के सपनों को नई दिशा देने और उनके भविष्य को संवारने का एक सशक्त प्रयास है। आने वाले दस दिनों में यह मंच नन्हे प्रतिभागियों की रचनात्मकता, आत्मविश्वास और कौशल को नई पहचान दिलाने का माध्यम बनेगा। उन्होंने छात्रों से इस सुनहरे अवसर का अधिक से अधिक लाभ प्राप्त करने की अपील की। वहीं निगम अध्यक्ष मनीष पाठक ने ग्रीष्मकालीन शिविर आयोजन को निगमायुक्त की एक अच्छी सोच बताते हुए कहा कि प्राइवेट स्कूलों की तर्ज पर अब निगम द्वारा संचालित स्कूलों में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को अपनी प्रतिभा को निखारने का अवसर मिलेगा उन्होंने छात्रों से इस शिविर का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की।

मेधावी छात्रों को लैपटॉप प्रदान कर किया सम्मानित-कार्यक्रम के दौरान नगर निगम द्वारा संचालित ए. रविन्द्र राव स्कूल के छात्र आकाश निषाद पिता शिवबली निषाद को कक्षा 10 वी में 90.6 प्रतिशत अंक तथा के.सी एस स्कूल की छात्रा कुमारी सनिया सिंह पिता पूरन सिंह द्वारा 90.02 प्रशित अंक प्राप्त कर शाला का नाम गौरवान्वित किये जाने पर लैपटॉप प्रदान कर सम्मानित किया गया तथा अन्य मेघावी छात्रों को उपहार प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया।

बच्चों की प्रतिभाओं को निखारने का प्रयास-निगमायुक्त तपस्या परिहार ने बताया कि प्रत्येक बच्चे के भीतर असीम संभावनाएं और विशेष प्रतिभाएं होती हैं। आवश्यकता केवल उन्हें उचित मंच और सकारात्मक वातावरण उपलब्ध कराने की है। अनुभवी प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में आयोजित ग्रीष्मकालीन प्रतिभा शिविर बच्चों को सीखने, सृजन करने, प्रतिस्पर्धा करने तथा आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करेगा। यह शिविर बच्चों के व्यक्तित्व को निखारने के साथ-साथ उनमें नेतृत्व क्षमता, अनुशासन, टीम भावना एवं सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

फोटो : विकास गुप्ता

कार्यालय नगरपालिक निगम, कटनी (म.प्र.)

क्रमांक / 29 / बाहन विभाग/2026-27 कटनी, दिनांक 1-6-26

तेरहवीं निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतू केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ट्रेव्हल्स एजेंट/गाड़ी मालिकों से ऑनलाईन निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। निविदा का विस्तृत विवरण शर्तें आदि वेबसाईट https://mptenders.gov.in पर देखी जा सकती हैं।

क्र.	टेण्डर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत रुपए में	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
01.	2026_UAD 512532_1	दो नग आटो मैजिक सवारी/लोडर वाहन	1. 365 2. रु.8,60.000=00	रु. 2000-00 रु. 90000-00	23.06.2026

नोट :- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन https://mptenders.gov.in की वेबसाईट पर ही किया जाएगा। पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किय जाएगा।

कार्यपालन यंत्री
वास्ते आयुक्त
नगरपालिक निगम, कटनी

स्वतंत्र मत
जबलपुर

भारत ने जीता तीसरा अंडर 18 हॉकी एशिया कप

जापान को 4-1 से हराया, आशीष की लगातार दूसरी हैट्रिक

जापान।

भारत ने तीसरा -18 हॉकी एशिया कप जीत लिया है। टीम ने डिफेंडिंग चैंपियन जापान को फाइनल में 4-1 से हरा दिया। इससे पहले भारत ने 2001 और 2016 में टाइटल अपने नाम किया था। शनिवार को जापान के काकामिगाहारा में अशिष तानी पुर्ती ने हैट्रिक लगाई। कप्तान केतन कुशवाहा ने भी एक गोल किया। इससे पहले पाकिस्तान के खिलाफ सेमीफाइनल में भी आशीष ने हैट्रिक लगाते हुए 4 गोल किए थे। वहीं पाकिस्तान ने मलेशिया को हराकर तीसरा स्थान पक्का किया। दूसरी ओर विमेंस टीम ने साउथ कोरिया को 3-0 से हराकर ब्रॉन्ज मेडल जीता। इस कैटेगरी में चीन ने गोल्ड अपने नाम किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पुरुष और महिला दोनों भारतीय -18 हॉकी टीमों को एशिया कप 2026 में शानदार प्रदर्शन के लिए बधाई दी। उन्होंने महिला टीम को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि पूरे टूर्नामेंट में टीम ने शानदार जुझारूपन दिखाया। यह उपलब्धि भारतीय महिला हॉकी की बढ़ती ताकत और खिलाड़ियों की अपार क्षमता को दर्शाती है। पुरुष टीम को बधाई देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि भारतीय खिलाड़ियों ने पूरे टूर्नामेंट में बेहतरीन कौशल और टीमवर्क का प्रदर्शन किया, जिसका परिणाम फाइनल में यादगार जीत के रूप में सामने आया।

आशीष टूर्नामेंट के टॉप स्कोरर

खिताब जीतने के बाद हॉकी इंडिया ने मेंस टीम के प्रत्येक खिलाड़ी को तीन-तीन लाख रुपए और सपोर्ट स्टाफ के प्रत्येक सदस्य को डेढ़ लाख रुपए देने का ऐलान किया। इसी दिन ब्रॉन्ज जीतने वाली भारतीय महिला टीम के खिलाड़ियों को एक-एक लाख रुपए और सपोर्ट स्टाफ को 50 हजार रुपए देने की घोषणा भी की गई। आशीष को फाइनल में शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। वह 17 गोल के साथ टूर्नामेंट के टॉप स्कोरर भी रहे। गोलकीपर आयुष रजक को टूर्नामेंट का बेस्ट गोलकीपर चुना गया। महिला प्रतियोगिता में भारत की नौशीन नाज 12 गोल के साथ टॉप स्कोरर रहीं।

भारत ने अफगानिस्तान के खिलाफ पहले दिन 368 बनाए रन

राहुल-गिल के शतक, सुदर्शन-पंत की हाफ सेंचुर, सलीम को 2 विकेट

न्यू चंडीगढ़। भारत ने अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट के पहले दिन मजबूत पकड़ बना ली है। मुल्लांपुर के महाराजा यादवेंद्र सिंह स्टेडियम में भारत ने पहले बैटिंग करते हुए 3 विकेट पर 368 रन बनाए। दिन का खेल खत्म होने तक गिल 103 और ऋषभ पंत 50 रन बनाकर नाबाद लौटे। इससे पहले केएल राहुल ने 100 और साई सुदर्शन ने 81 रन की पारी खेली। अफगानिस्तान के लिए सलीम सफी ने 2 विकेट हासिल किए। जियाउर रहमान शरीफी को एक विकेट मिला।भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही। यशस्वी जायसवाल 32 गेंदों में 24 रन बनाकर आउट हुए । उस समय टीम का स्कोर 41 रन था। इसके बाद केएल राहुल और साई सुदर्शन ने दूसरे विकेट के लिए 139 रन जोड़कर पारी को संभाला। सुदर्शन ने 104 गेंदों में 81 रन बनाए, जिसमें 13 चौके शामिल रहे। सुदर्शन और जायसवाल को सलीम सफी ने आउट किया।

राहुल का 12वां टेस्ट शतक

सुदर्शन के आउट होने के बाद राहुल और कप्तान गिल ने पारी को आगे बढ़ाया। दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 67 रन जोड़े। राहुल ने 12वां शतक लगाते हुए 165 गेंदों में 100 रन बनाए। उनकी पारी में 11 चौके शामिल रहे। हालांकि वह अपने शतक को बड़ी पारी में नहीं बदल सके और जियाउर रहमान शरीफी की गेंद पर विकेटकीपर रहमानुल्लाह गुरबाज को कैच दे बैठे। राहुल के आउट होने के बाद ऋषभ पंत ने तेजी से बल्लेबाजी की। उन्होंने अब्दुल मलिक के एक ओवर में 3 छक्के लगाए।

19 साल की एंड्रीवा ने पहली बार जीता फ्रेंच ओपन

ऐसा करने वाली दूसरी यंगेस्ट प्लेयर, फाइनल में च्वालिंस्का को 6-3, 6-2 से हराया

पेरिस।

19 साल की मीरा एंड्रीवा ने पहली बार फ्रेंच ओपन जीत लिया है। शनिवार को खेले गए विमेंस सिंगल्स फाइनल में उन्होंने पोलैंड की माया च्वालिंस्का को सीधे सेटों में 6-3, 6-2 से हराया। यह मुकाबला 1 घंटे 22 मिनट तक चला।

एंड्रीवा फ्रेंच ओपन जीतने वाली दूसरी सबसे कम उम्र की खिलाड़ी बन गईं। उनसे पहले 1992 में 18 साल की मोनिका सेलेस ने यह टाइटल अपने नाम किया था। रूस की एंड्रीवा का यह पहला ग्रैंड स्लैम खिताब है। वे पूरे मुकाबले में च्वालिंस्का पर हावी रहीं। पहले सेट में स्कोर 3-3 से बराबरी पर था, लेकिन इसके बाद उन्होंने लगातार तीन गेम जीतकर सेट 6-3 से अपने नाम कर लिया।दूसरे सेट में भी उन्होंने शुरुआती बढ़त हासिल की और लगातार 6 गेम जीतते हुए च्वालिंस्का को वापसी का मौका नहीं दिया। उन्होंने 6-2 से सेट और मैच जीतकर ट्रॉफी अपने नाम कर ली। खिताब जीतने के बाद एंड्रीवा भावुक दिखीं। उन्होंने अपनी टीम और परिवार का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि यह उनके बचपन का सपना था और रोलां गैरो जीतना उनके लिए बेहद खास पल है।

बुंदेलखंड बुल्स ने रॉयल निमार ईगल्स को हराया

इंदौर। आदित्य बिड़ला ग्रुप मध्य प्रदेश लीग (एमपीएल) टी 20 सिंधिया कप 2026 के महिला टूर्नामेंट में बुंदेलखंड बुल्स ने लगातार एक और जीत दर्ज की।उन्होंने इंदौर के डेली कॉलेज में खेले गए एक रोमांचक मुकाबले में रॉयल निमार ईगल्स को तीन विकेट से हराया।टीम ने 19 ओवर में 147 रन का लक्ष्य हासिल कर लिया।इससे पहले, रॉयल निमार ईगल्स ने कल्याणी जाधव और ऋषिका जैन के अहम योगदान की बदौलत 20 ओवर में 146/7 रन का मजबूत स्कोर बनाया था।पहले बल्लेबाजी करने उतरी ईगल्स को अच्छी शुरुआत मिली; ओपनर हर्षिता सिंह और निकिता सिंह ने पहले पांच ओवर में 35 रन जोड़े।हर्षिता अच्छी लय में दिख रही थीं, लेकिन 19 गेंदों में 22 रन बनाकर आउट हो गईं।इसके बाद ईगल्स ने नियमित अंतराल पर विकेट गंवाए, लेकिन कल्याणी जाधव ने 36 गेंदों में 45 रन की संयमित पारी खेलकर टीम की पारी को संभाले रखा।

लियोनेल मेसी की मैदान पर वापसी की बढ़ी उम्मीद

वर्ल्ड कप से पहले अर्जेंटीना को राहत

नई दिल्ली। मौजूदा विश्व चैंपियन अर्जेंटीना राष्ट्रीय फुटबॉल टीम के लिए विश्व कप से पहले एक अच्छी खबर सामने आई है। टीम के कप्तान और स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेसी तेजी से चोट से उबर रहे हैं और आगामी वार्म-अप मुकाबलों में से किसी एक में मैदान पर वापसी कर सकते हैं। मेसी की फिटनेस को लेकर लंबे समय से चल रही चिंताओं के बीच यह खबर अर्जेंटीना टीम और उसके प्रशंसकों के लिए राहत लेकर आई है।

अर्जेंटीना के मुख्य कोच लियोनेल स्कालोनी ने बताया कि मेसी की बाईं हैमस्ट्रिंग में हुई चोट में काफी सुधार हुआ है और वह धीरे-धीरे टीम के साथ अभ्यास सत्रों में शामिल हो रहे हैं। कोच के अनुसार, मेसी की रिकवरी उम्मीद से बेहतर रही है और उन्हें अमेरिका में होने वाले दो अभ्यास मैचों में से किसी एक में सीमित समय के लिए मैदान पर उतारा जा सकता है। स्कालोनी ने कहा कि मेसी ने हाल के प्रशिक्षण सत्रों में हिस्सा लिया है, जो उनकी फिटनेस में सुधार का सकारात्मक संकेत है। हालांकि टीम प्रबंधन कोई जल्दबाजी नहीं करना चाहता और अंतिम फैसला उनकी शारीरिक स्थिति का आकलन करने के बाद ही लिया जाएगा। अर्जेंटीना शनिवार को होंडुरास के खिलाफ और उसके बाद मंगलवार को आइसलैंड के खिलाफ अभ्यास मुकाबला खेलेगा। 38 वर्षीय मेसी को 24 मई को अपने क्लब इंटर मियामी सीएफ के लिए खेलते समय हैमस्ट्रिंग में चोट लगी थी। इसके बाद से वह प्रतिस्पर्धी मैचों से दूर हैं। हालांकि चोट से पहले उनका प्रदर्शन शानदार रहा था। मौजूदा सत्र में उन्होंने 14 मैचों में 12 गोल करने के साथ 8 असिस्ट भी दर्ज किए हैं।

मेसी की अहमियत का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि वर्ष 2022 में हुए फीफा विश्व कप 2022 में उन्होंने अर्जेंटीना को विश्व चैंपियन बनाने में निर्णायक भूमिका निभाई थी। उस टूर्नामेंट में उनके शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें गोल्डन बॉल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। अब टीम को उम्मीद है कि वह एक बार फिर बड़े मंच पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में मेसी का रिकॉर्ड भी बेहद शानदार रहा है।

मेजबान भारत 22 स्वर्ण के साथ पदक तालिका में शीर्ष पर

अहमदाबाद। मेजबान भारत ने शनिवार को यहां एका एरिना में खेली जा रही उद्घाटन विश्व योगासन चैंपियनशिप के तीसरे दिन अपने स्वर्ण पदकों की संख्या दोहरे अंक में पहुंचा दी, जबकि नेपाल, जापान और संयुक्त राज्य अमेरिका ने एक-एक स्वर्ण पदक जीता।भारत ने उम्मीद के मुताबिक लगातार तीसरे दिन अपना दबदबा बनाए रखा, सभी आयु वर्गों में लगभग हर स्पर्धा में पदक जीते और खबर लिखे जाने तक उसके पदकों की संख्या 22 स्वर्ण, 5 रजत और 1 कांस्य हो गई थी।नबीला सोल बर्राज़ा के दो स्वर्ण और दो रजत की बदौलत अर्जेंटीना समग्र स्टैंडिंग में दूसरे स्थान पर पहुंच गया, जबकि सिंगापुर दो स्वर्ण और दो कांस्य के साथ तीसरे स्थान पर खिसक गया।नेपाल पदक तालिका में सबसे आगे रहने वाले खिलाड़ियों में से एक रहा और एक स्वर्ण, छह रजत और तीन कांस्य पदक के साथ चौथे स्थान पर रहा।उद्घाटन विश्व योगासन चैंपियनशिप एक ऐतिहासिक घटना है जो खेल के विकास में एक निर्णायक क्षण को चिह्नित करती है, जो ओलंपिक आंदोलन के भीतर मान्यता की दिशा में अपने मार्ग को मजबूत करते हुए एक प्राचीन भारतीय अभ्यास को विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी खेल अनुशासन में बदल देती है।

गूगल ने गुरुग्राम में खरीदा 6.17 लाख स्क्वायर-फीट ऑफिस स्पेस

5 साल में 671 करोड़ चुकाएगी कंपनी

नई दिल्ली। गूगल इंडिया ने गुरुग्राम के एट्रियम प्लेस में करीब 6.17 लाख स्क्वायर फीट ऑफिस स्पेस लीज पर लिया है। प्रॉपस्टैक के ट्रांजैक्शन डॉक्युमेंट्स के मुताबिक, गूगल इस जगह के लिए अगले 5 साल में कुल 671 करोड़ रुपए का किराया चुकाएगी। यह फ्रेश लीज डील ऐसे समय में हुई है जब देश के ग्रेड ए कॉमर्शियल इंफ्रास्ट्रक्चर की डिमांड में भारी तेजी देखी जा रही है। गूगल ने गुरुग्राम के एट्रियम प्लेस के टावर 1 में कुल 6,17,448 स्क्वायर फीट ऑफिस स्पेस रेंट पर लिया है। एट्रियम प्लेस डीएलएफ और हाइन्स का एक जॉइंट वेंचर है। इस एग्रीमेंट के तहत गूगल171 प्रति स्क्वायर फीट की लीज रेट से हर महीने लगभग 10.55 करोड़ रुपए का रेंट चुकाएगी। इसके साथ ही कंपनी ने 63.65 करोड़ रुपए बतौर सिक्योरिटी डिपॉजिट जमा किए हैं। अप्रैल 2026 में रजिस्टर्ड हुए इन डॉक्युमेंट्स के अनुसार, इस लीज में हर तीन साल में किराए में 15 प्रतिशत की बढ़ोतरी का नियम भी शामिल है। यह नई लीज 1 अक्टूबर 2025 से शुरू हो चुकी है, जो कॉमर्शियल टावर के दूसरे फ्लोर से लेकर 16वें फ्लोर तक के हिस्से को कवर करती है।

पिछले साल भी गूगल ने की थी 2 बड़ी लीज डील्स-गूगल लगातार भारत में अपना ऑफिस स्पेस बढ़ा रहा है। इस फ्रेश लीज से पहले साल 2025 में भी कंपनी ने मैनेन्ज्ड वर्कस्पेस प्रोवाइडर टेबलस्पेस से 5,50,000 स्क्वायर फीट ऑफिस स्पेस लीज पर लिया था। इतना ही नहीं, साल 2025 में ही गूगल ने ईस्ट बेंगलुरु के डोडदानेकुंडी में अपने करीब 8,70,000 स्क्वायर फीट के ऑफिस स्पेस की लीज को रिन्यू भी किया था, जिसके लिए कंपनी सालाना 90 करोड़ रुपए का रेंट कमिटमेंट दे रही है। यह डील ऐसे समय पर सामने आई है जब गुरुग्राम में डीएलएफ के कॉमर्शियल एसेट्स की मांग में तगड़ा उछाल आया है। पिछले हफ्ते ही एयरबीएनबी ने अपने ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर के लिए गुरुग्राम के डीएलएफ साइबर सिटी में 46,437 स्क्वायर फीट ऑफिस स्पेस 5 साल के लिए लीज पर लिया है।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया शुक्रवार को 77 अंकों की गिरावट के साथ ही 94.97 पर बंद हुआ। आज सुबह भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति निर्णय से पहले रुपया शुरुआती कारोबार में 11 पैसे मजबूत होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.63 पर पहुंच गया। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.72 प्रति डॉलर पर खुला और शुरुआती कारोबार में 95.63 प्रति डॉलर तक पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 11 पैसे की मजबूती दिखाता है।

ऑयल इंडिया को अंडमान में मिला प्राकृतिक गैस का नया भंडार

नयी दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल अन्वेषण कंपनी ऑयल इंडिया को अंडमान द्वीप के पास समुद्र में प्राकृतिक गैस के नये भंडार मिले हैं। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर यह जानकारी साझा करते हुए बताया कि ऑयल इंडिया लिमिटेड द्वारा अन्वेषण के उद्देश्य से खोदे गये कुएं श्री विजयपुरम-3 में प्राकृतिक गैस की उपस्थिति पायी गयी है।यह कुआं अंडमान द्वीप समूह के पूर्वी तट से 15 किलोमीटर दूर और समुद्र के अंदर 355 मीटर की गहराई वाले क्षेत्र में स्थित है।उन्होंने बताया कि इयोसीन संरचना में 1,900 मीटर से अधिक गहराई पर किये गये प्रारंभिक उत्पादन परीक्षणों ने सतत गैस फ्लेयरिंग के माध्यम से प्राकृतिक गैस की उपस्थिति की पुष्टि की है।

ऊर्जा के मामले में आत्मनिर्भरता की तलाश में जुटे देश के लिए यह एक बड़ी उपलब्धि है।इस उपलब्धि पर ऑयल इंडिया को बधाई देते हुए श्री पुरी ने लिखा, अंडमान सागर में ऊर्जा के अवसरों का एक नया भंडार सुदृढ़ हुआ है! केंद्रीय मंत्री ने बताया कि कंपनी गैस के नमूने एकत्र कर रही है ताकि उसकी संरचना और ऊष्मीय मान का आकलन किया जा सके तथा समस्थानिक अध्ययन के माध्यम से गैस की उत्पत्ति को समझा जा सके।

उन्होंने स्पष्ट किया समुद्र मंथन मिशन के अंतर्गत अपतटीय बेसिनों में हाइड्रोकार्बन भंडारों के पूर्ण दोहन के लिए बड़ी संख्या में गहरे समुद्र में और बेहद गहरे समुद्र में अन्वेषण के लिए कुएं खोदने की योजना बनायी गयी है।अंडमान बेसिन में वर्तमान अन्वेषण अभियान के दौरान ऑयल इंडिया द्वारा खोदे गये तीन कुओं में से दो में अब हाइड्रोकार्बन की उपस्थिति दर्ज की जा चुकी है।

प्लास्टिक के नोट के प्रस्ताव की चर्चा प्रारंभिक स्तर पर: आरबीआई गवर्नर

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि पॉलीमर के करेंसी नोट चलाने के प्रस्ताव पर चर्चा जरूर हुई है लेकिन यह मामला अभी प्रारंभिक स्तर पर है।श्री मल्होत्रा आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति की द्वैमासिक बैठक के निष्कर्ष की जानकारी देने के लिए बैंक के मुख्यालय पर आयोजित संवाददाता सम्मेलन में पत्रकारों के सवालों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने प्लास्टिक के नोट के प्रस्ताव से संबंधित एक सवाल पर कहा, कुछ चर्चा जरूर हुई है, लेकिन यह अभी बिल्कुल प्राथमिक स्तर पर है।

सेमीकंडक्टर, एआई मिशनों से नवाचार आधारित विकास के बन रहे नये अवसर

नई दिल्ली। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी तथा वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने शुक्रवार को कहा कि इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन और इंडिया एआई (कृत्रिम मेधा) मिशन जैसी प्रमुख पहलें अनुसंधान, विनिर्माण और नवाचार-आधारित आर्थिक वृद्धि के नए अवसर सृजित कर रही हैं तथा सरकार सूचना प्रौद्योगिकी एवं इलेक्ट्रानिक्स क्षेत्र में प्रगतिशील नीतियों, कारोबार में सुगमता और प्रौद्योगिकी तक बेहतर पहुंच के माध्यम से अनुकूल पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है।श्री प्रसाद इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (मेइटी) के अंतर्गत कार्यरत सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया (एसटीपीआई) के 35वें स्थापना दिवस के अवसर पर यहां आयोजित एक कार्यक्रम में मुख्य अतिथि थे।इस क्षेत्र में भारत के भविष्य के कदमों पर आयोजित चर्चा के विषय एसटीपीआई टेक समिट 2026- इंडियाज़ नेक्स्ट लीप पर अपने संबोधन में उन्होंने कहा, एसटीपीआई की 35 वर्षों की यात्रा देशके प्रौद्योगिकी पारिस्थितिकी तंत्र के उल्लेखनीय परिवर्तन और एक वैश्विक डिजिटल शक्ति के रूप में उसकी उभरती पहचान को दर्शाती है।

मोदी सरकार के नेतृत्व में देश भारत नवाचार, उद्यमिता और तकनीकी आत्मनिर्भरता पर आधारित भविष्य-उन्मुख डिजिटल अर्थव्यवस्था का निर्माण कर रहा है।आगे की यात्रा में एसटीपीआई जैसे संस्थान उद्यमिता को प्रोत्साहित करने, नवाचार को बढ़ावा देने, उभरती प्रौद्योगिकी पारिस्थितिकी प्रणालियों को सुदृढ़ करने और वैश्विक बाजारों के लिए विश्वस्तरीय समाधान विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

चीनी के दामों में बढ़ी मिठास

नयी दिल्ली। घरेलू थोक जिंस बाजारों में शनिवार को चावल का औसत भाव घट गया।गेहूं और चीनी में नरमी रही।दालों और खाद्य तेलों में घट-बढ़ का रुख देख गया। औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत 16 रुपये घटकर 3,851 रुपये प्रति क्विंटल रह गयी।गेहूं 29 रुपये महंगा हुआ और 2,794 रुपये प्रति क्विंटल बोला गया।आटे की कीमत भी 33 रुपये बढ़ गयी।दाल-दलहनों में मसूर दाल औसतन 30 रुपये प्रति क्विंटल सस्ती हुई।मसूर दाल की कीमत 26 रुपये बढ़ गयी।चना दला और तुअर दाल 25-25 रुपये महंगी हुई।उड़द दाल भी 23 रुपये प्रति क्विंटल मजबूत हुई।

हफ्तेभर बाजार में हाहाकार, सेंसेक्स-निफ्टी की चाल ने बढ़ाई निवेशकों की धड़कनें

वैश्विक तनाव, एफआईआई बिकवाली और आरबीआई के फैसलों के बीच शेयर बाजार में जबरदस्त उठापटक

मुंबई। घरेलू शेयर बाजार के लिए बीता सप्ताह बेहद अस्थिर और चुनौतीपूर्ण रहा। सप्ताहभर सेंसेक्स और निफ्टी में तेज उतार-चढ़ाव देखने को मिला। कभी खरीदारी ने बाजार को संभाला तो कभी वैश्विक चिंताओं और विदेशी निवेशकों की बिकवाली ने निवेशकों का मूड बिगाड़ दिया। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव, अमेरिका-ईरान वार्ता को लेकर अनिश्चितता और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक ने बाजार की दिशा पर गहरा असर डाला। सप्ताह की शुरुआत सकारात्मक रही। सोमवार को सेंसेक्स 74,981 अंक तक पहुंच गया था और निफ्टी 23,600 के पार निकल गया था। लेकिन यह तेजी ज्यादा देर नहीं टिक सकी। कारोबार के दौरान भारी मुनाफावसूली देखने को मिली और सेंसेक्स 508 अंकों की गिरावट के साथ 74,267 अंक पर बंद हुआ। दिनभर में 1,164 अंकों का उतार-चढ़ाव निवेशकों की बेचैनी को दर्शाता रहा। मंगलवार को बाजार ने मजबूत वापसी की। शुरुआती दबाव के बावजूद निचले स्तरों पर खरीदारी बढ़ी और सेंसेक्स 382 अंकों की छलांग लगाकर 74,649 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी भी 23,483 अंक तक पहुंचने में सफल रहा। आईटी और चुनिंदा बड़े शेयरों में खरीदारी ने बाजार को सहारा दिया। हालांकि बुधवार को फिर माहौल बदल गया। अमेरिका-ईरान वार्ता को लेकर बढ़ी अनिश्चितता और कमजोर वैश्विक संकेतों ने बाजार पर दबाव बनाया। सेंसेक्स कारोबार के दौरान 700 अंकों से अधिक टूट गया और अंतत: 304 अंकों की गिरावट के साथ बंद हुआ। गुरुवार को भी बाजार में भारी अस्थिरता रही। सेंसेक्स 74,544 के उच्च स्तर और 73,807 के निचले स्तर के बीच झूलता रहा। अंत में यह मामूली बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन निवेशकों की नजर आरबीआई की मौद्रिक नीति पर रही। शुरुआती तेजी के बावजूद बाजार में मुनाफावसूली हावी हो गई और सेंसेक्स 116 अंक गिरकर 74,243.34 पर बंद हुआ। निफ्टी भी 23,366.70 के स्तर पर आ गया।

लैटिन अमेरिकी देशों में बढ़ी 'मेड इन एमपी' उत्पादों की मांगः मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भारत-लैटिन अमेरिका एवं कैरिबियन व्यापार एवं निवेश फोरम-2026 के डिजिटल प्लेटफार्म और वेबसाइट का किया शुभारंभ

भोपाल (स्वतंत्र मत)

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश तेजी से भारत के नए वैश्विक निवेश एवं निर्यात केंद्र के रूप में उभर रहा है। हमारा मध्यप्रदेश अब वैश्विक व्यापार जगत में भी अपनी सशक्त पहचान के साथ आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि भारत तथा लैटिन अमेरिका एवं कैरेबियन देशों के बीच बढ़ती परस्पर आर्थिक साझेदारी में मध्यप्रदेश भी अपनी अधिकतम क्षमताओं के साथ महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश असीम अवसरों की धरती है। प्रदेश की स्थिर और पारदर्शी नीतियां निवेश और उद्योग फ्रेंडली हैं। आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स, रिन्यूएबल एनर्जी, ऑटोमोबाइल, फार्मा इंडस्ट्री, फूड प्रोसेसिंग, टेक्सटाइल, डिफेंस सेक्टर, और टेक्नॉलजी के क्षेत्र में हम तेजी से प्रगति कर रहे हैं। हमारे पास 1.25 लाख एकड़ से अधिक का रेडी-टू-यूज़ लैंड बैंक उपलब्ध है। आज मध्यप्रदेश लॉजिस्टिक्स और कनेक्टिविटी का सबसे बड़ा हब बन चुका है। प्रदेश में 5 लाख किमी से अधिक के सुदृढ़ सड़क नेटवर्क और अत्याधुनिक रेल व हवाई कनेक्टिविटी ने यातायात को सुगम बना दिया है। अगले 5 सालों में हम 6 प्रमुख औद्योगिक कॉरिडोर विकसित करेंगे, जो मालवा से बुंदेलखंड और निमाड़ से विंध्य तक रोड़ कनेक्टिविटी को और मजबूत करेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लैटिन-अमेरिकी एवं कैरेबियन देशों के व्यापार प्रतिनिधियों को मध्यप्रदेश में निवेश, उत्पादन और नवाचार के लिए आमंत्रित करते हुए कहा कि हम आपके साथ एक ठोस और दीर्घकालिक साझेदारी के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश देश के मध्य में होने के कारण व्यापार-व्यवसाय के लिए सबसे अनुकूल स्थान है। राज्य में कानून- व्यवस्था की कोई परेशानी नहीं है। यहां औद्योगिक कुशल श्रमिकों की कोई कमी नहीं है। मध्यप्रदेश सबको अपनाने वाला राज्य है, जो एक बार आता है, यहीं का होकर रह जाता है। मध्यप्रदेश में खुले दिल से निवेश करें, यहां निवेश करना बड़े लाभ का सौदा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को इंदौर में आयोजित भारत-लैटिन अमेरिका एवं कैरेबियन व्यापार एवं निवेश मंच - 2026 के शुभारंभ सत्र को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्जवलित कर इस ट्रेड फोरम के उद्घाटन सत्र का विधिवत् आरंभ किया।

मालवा को दिलाई नई पहचान

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर ने अपने सुशासन और नेतृत्व क्षमता के बल पर मालवा को नई पहचान दिलवाई थी। उन्होंने कहा कि इंदौर प्राचीन काल में भी उन्नत व्यापार और व्यवसाय की सुगमता के कारण बड़ा व्यावसायिक केन्द्र हुआ करता था। पहले यहां सिल्क मार्ग से दुनियाभर में व्यापार होता था। भारत और लैटिन अमेरिका की परंपराओं में नजदीकियां दिखाई पड़ती हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश आज भारत के सबसे तेज़ी से विकसित होते औद्योगिक राज्यों में से एक है। हम सच्चे अर्थों में 'वोकल फॉर लोकल' की अवधारणा को आगे बढ़ा रहे हैं, इसलिए मध्यप्रदेश की आर्थिक प्रगति अब 'लोकल से ग्लोबल' हो रही है। अब हम वैश्विक मूल्य श्रृंखला का भी एक मजबूत हिस्सा बन चुके हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस तरह लैटिन अमेरिका की प्राचीन संस्कृतियों ने मदर अर्थ को पूजा, वैसे ही हम पंच तत्वों और प्रकृति के कण-कण को पूजते हैं।

▸▸ मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भारत-लैटिन अमेरिका एवं कैरिबियन व्यापार एवं निवेश फोरम-2026 के लिए विशेष रूप से तैयार किए गए डिजिटल प्लेटफार्म और वेबसाइट का रिमोट से शुभारंभ किया।

▸▸ मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इन देशों के साझा व्यापार-व्यवसाय पर केन्द्रित स्पेशल मैगजीन द बिजनेस टायकून्स का विमोचन भी किया।

▸▸ मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विगत वित्त वर्ष 2025-26 में मध्यप्रदेश का लैटिन अमेरिका एवं कैरेबियन देशों को निर्यात बढ़कर 3 हज़ार 835 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 19 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दर्शाता है। इस उपलब्धि में फार्मास्यूटिकल्स क्षेत्र की विशेष भूमिका रही है।

▸▸ मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि फार्मास्यूटिकल्स, इंजीनियरिंग उत्पाद, प्लास्टिक उत्पाद एवं जंबो बैग, कृषि आधारित उत्पाद तथा विनिर्माण क्षेत्र प्रदेश की निर्यात क्षमता के प्रमुख आधार बनकर उभरे हैं। ब्राजील, मेक्सिको, चिली, डोमिनिकन रिपब्लिक, अर्जेंटीना, पेरू और कोलंबिया जैसे देशों के साथ मध्यप्रदेश का व्यापारिक विनिमय लगातार नई ऊंचाइयों को छू रहा है।

▸▸ मुख्यमंत्री ने कहा कि ये आंकड़े लैटिन अमेरिकी एवं कैरेबियन देशों में 'मेड इन इंडिया' के साथ 'मेड इन एमपी' उत्पादों को मिल रहे स्नेह, अपनत्व, विश्वास और दिनों-दिन बढ़ती वैश्विक स्वीकार्यता का प्रत्यक्ष प्रमाण हैं।

कृषि, उद्यानिकी और सहकारिता के संयुक्त प्रयासों से किसानों को दें बेहतर सुविधाएं

कृषि उत्पादन आयुक्त श्री अशोक बर्णवाल ने उज्जैन में संभागीय समीक्षा में दिए निर्देश

भोपाल (स्वतंत्र मत)

कृषि उत्पादन आयुक्त अशोक बर्णवाल ने खरीफ की आगामी फसलों के संबंध में किसानों की आय बढ़ाने के लिए बाजार की मांग आधारित फसलों को प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कृषि, सहकारिता और उद्यानिकी विभाग की योजनाओं को प्रभावी तरीके से क्रियान्वित करने के निर्देश दिए। इन सामूहिक प्रयासों से किसानों को बेहतर गुणवत्ता के साथ अच्छी फसल मार्केट में उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी और किसानों की आय भी बढ़ेगी। उन्होंने प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए भी सभी कलेक्टरों को निर्देश दिए। श्री बर्णवाल शनिवार को सिंहस्थ मेला कार्यालय उज्जैन के सभागार में आयोजित संभागीय समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में प्रमुख सचिव सहकारिता डी पी आहूजा, सचिव किसान कल्याण निशांत बरबडे, आयुक्त उज्जैन आशीष सिंह, सचिव उद्यानिकी जान किन्सली ए आर, आयुक्त सह संचालक उद्यानिकी अरविंद कुमार दुबे, प्रबन्ध संचालक सहकारिता अभिजित अग्रवाल, पंजीयक सहकारिता मनोज पुष्प, प्रबन्ध संचालक मंडी बोर्ड कुमार पुरुषोत्तम और संभाग के जिलों के कलेक्टर, जिला पंचायत के सीईओ के साथ ही सम्बन्धित विभाग के अधिकारी उपस्थित थे। कृषि उत्पादन आयुक्त ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में किसानों के कारोबार को दोगुना करने के लक्ष्य पर लगातार काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि किसानों को कृषि की उन्नत तकनीक, खेती के साथ नवाचार, उद्यम के लिए प्रेरित किया जाए। साथ ही बीज की उन्नत खेती के लिए भी प्रेरित करें। पूसा अरहर फसल की जानकारी देकर किसानों को बताएं कि पूसा अरहर का उत्पादन भी बहुत अधिक है। उन्हें उद्यमिता के लिए प्रोत्साहित करें।

किसानों तक पहुंचाएं योजनाओं की जानकारी

कृषि उत्पादन आयुक्त ने कहा कि उद्यानकी विभाग और खाद्य प्रसंस्करण के लिए संचालित योजनाओं की जानकारी किसानों तक पहुँचाएं। उद्यानिकी फसलों से किसानों को नगद राशि प्राप्त होती है और उनकी आय भी बेहतर हो जाती है। सभी कलेक्टर यह सुनिश्चित करें कि उद्यानिकी की एक दो फसलों को फोकस कर जिले में बेहतर तरीके से उत्पादन के लिए प्रोत्साहित करे।

प्रदेश में पर्याप्त मात्रा में उर्वरक उपलब्ध

समीक्षा बैठक मे कृषि कल्याण विभाग के सचिव निशांत बरबडे ने बताया कि प्रदेश में यूरिया और एनपीके का पर्याप्त मात्रा में भंडारण है। किसी भी जिले में कोई कमी नही है। किसानों की मांग के अनुसार उन्हे खाद उपलब्ध कराया जा रहा है। ई-विकास पोर्टल के माध्यम से किसानों के पंजीयन के साथ ही किसानों को खाद उपलब्ध होगी और लगातार किसान इससे खाद ले सकेंगे । श्री बर्णवाल ने जिला कलेक्टरों को निर्देश दिए कि खाद्य वितरण केंद्रो पर व्यापक इंतजाम हो। किसानों के बैठने की व्यवस्था, पीने का पानी, छांव की व्यवस्था करना सुनिश्चित करें। इसके लिए कृषि अधिकारियों को निर्देश दिए है कि व्हाट्सएप के माध्यम से किसानों को फसल अनुसार खाद की उपयोगिता की सूचना दें और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफार्म का उपयोग कर किसानों को खाद उपलब्धता की सभी जरूरी जानकारी उपलब्ध कराए। साथ ही सभी कलेक्टरों को निर्देश दिए है कि खाद भंडारण में किसी प्रकार की समस्या नहीं हो।

श्रीमद् भागवत महापुराण में उमड़ रही श्रद्धालुओं की भीड़

दमोह (स्वतंत्र मत)

ग्राम भौंरासा में चल रही श्रीमद् भागवत महापुराण का छठवे दिवस की कथा किशोरी निधी गर्ग ने कहा कि रुक्मणी मंगल की कथा परमात्मा से जीवात्मा मैं मिलने की कथा है। रुक्मणी जेष्ठ भ्राता रुक्णी दुष्ट राजा कंस का मित्र था जिसका कृष्ण के द्वारा वध किया गया था इस कारण वह इस विवाह को विद्रोह था रुक्मणी के माता-पिता रुक्मणी का विवाह कृष्ण से ही करना चाहते थे, लेकिन रुक्मणी ने इसका कड़ा विरोध किया था रुक्णी महत्वाकांक्षि राजा कुमार था और वह निर्दयी जरासंध का क्रोध नहीं करता था इसीलिए उनके प्रस्वावित किया कि उनका विवाह शिशुपाल से किया जाए जो की देश का राजकुमार था एवं कृष्ण की बुआ का लड़का था शिशुपाल जरासंध का एक जागीरदार और निकट सहयोगी भी था इसीलिए वह रुक्मणी काम भी सहयोग था उन्होंने बताया कि भीषण अपनी आत्मा को मारकर रुक्मणी का विवाह शिशुपाल के संग करने के लिए स्वीकार कृति दे सकता है लेकिन रुक्मणी जो इस वार्तालाप को चुपके से सुन चुकी थी भयभीत थे परंतु उन्हें शीघ्र ही एक ब्राह्मण को संक्षेप में को संदेश देने के लिए मन बना लिया जिससे कृष्ण को विद्रोह आकर उन्होंने अपने साथ ले जाने की विनती की थी श्री कृष्ण ने युद्ध से बचने के लिए उनका हरण कर लिया और उन्होंने कृष्ण से कहा यह आश्वांतिका है यहां एक भी कृष्ण के बिना युद्ध से के इस कैसे पूर्ण हो सकेगा यह देखते हुए भी वह अपने महान्याय के भीतर हैं लेकिन इस संकट का समाधान यह था देवी रुक्मणी। अंबिका मंदिर में पूजा करने के लिए जाएगी कृष्ण के द्वारा में संदेशों द्वारा प्राप्त करते। प्राप्त करते ही श्रेष्ठ भरता बलराम के संग विद्रोह को प्राप्त होगा। इसके बीच शिशुपाल को रुक्मणी से इस समाचार को अत्यंत प्रसन्नता हुई कि वह कुंदीलापुरम अपनी बारात लेकर यह जरासंध ने इस पर भरोसा ना करते हुए अपने सभी जागीरदारों को सहयोग और शिशुपाल के शहर तक साथ दिया और। और संदेश था कि श्री कृष्णा अवश्य ही रुक्मणी को बचाने आएंगे विभीषण और रुक्मणी को गुप्त समाचार ज्ञान हुआ कि कृष्णा आ रहे हैं विभीषण उन्हें कृष्ण को गुप्त रूप से स्मृति दी थी और कामनाओं की एक भी वह रुक्मणी को अपने संग ले जाएंगे सुजान सिंह भगवान की व्यवस्था भी कर रहे थे शीघ्र ही ब्राह्मणों ने आकर सूचित किया कि कृष्ण ने अपने अनुरोध स्वीकार कर लिया है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर भाजपा दमयंती नगर मंडल ने किया पौधारोपण

दमोह (स्वतंत्र मत)

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर भाजपा दमयंती नगर मंडल द्वारा शिव शनि हनुमान मंदिर एसपीएम नगर में एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विधायक जयंत मलैया मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ पौधारोपण कर किया गया। इस दौरान पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं भाजपा कार्यकर्ताओं ने अधिक से अधिक वृक्ष लगाने तथा उनकी देखभाल करने का संकल्प लिया। दमयंती मंडल अध्यक्ष रमाकांत बाजपेयी ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर चलाया जा रहा एक पेड़ मां के नाम अभियान पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ मातृत्व सम्मान का भी प्रतीक है। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती प्रीति राजू ठाकुर एवं भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष प्रीतम सिंह लोधी, भाजपा जिला महामंत्री अरुण तिवारी, जिला उपाध्यक्ष मनीष तिवारी, राजेंद्र चौरसिया सहित भाजपा जिला एवं दमयंती मंडल के पदाधिकारी, कार्यकर्ता और समाजसेवी उपस्थित रहे। पौधारोपण के माध्यम से उपस्थितजनों ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए लोगों से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उन्हें संरक्षित रखने की अपील की। कार्यक्रम का समापन पर्यावरण संरक्षण के सामूहिक संकल्प के साथ हुआ।

अभिषेक ने नेपाल में जीता कांस्य पदक

जबेरा विधानसभा के छोटे से गांव पारना के बेटे ने किया कमाल

जबेरा (स्वतंत्र मत)

दमोह जिले की जबेरा विधानसभा अंतर्गत ग्राम पारना के होनहार खिलाड़ी अभिषेक प्रधान ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन करते हुए जिले प्रदेश और देश का नाम रोशन किया है। अभिषेक प्रधान पिता राजेश प्रधान ने नेपाल की राजधानी काठमांडू में आयोजित इंटरनेशनल कराटे फेडरेशन की अंतरराष्ट्रीय कराटे प्रतियोगिता में कांस्य पदक हासिल कर बड़ी उपलब्धि अपने नाम की है। सीमित संसाधनों के बावजूद अपनी मेहनतए लगन और निरंतर अभ्यास के बल पर अभिषेक ने यह सफलता अर्जित की है। उनकी इस उपलब्धि से ग्राम पारना सहित पूरे जबेरा क्षेत्र में खुशी और गर्व का माहौल है। ग्रामीणों, खेल प्रेमियों एवं जनप्रतिनिधियों ने अभिषेक को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता से लौटने के बाद जब अभिषेक प्रधान जबेरा नगर पहुंचे तो उनका स्वागत किया गया। सांसद प्रतिनिधि रूपेश सेन, मंडल अध्यक्ष बंटी दुबे, ओमप्रकाश शर्मा, जुगल शर्मा, लाखन सिंह एवं विनोद बाजपेयी सहित अनेक लोगों ने गाजे बाजे के साथ पुष्पमालाएं पहनाकर उनका अभिनंदन किया। स्वागत समारोह के पश्चात अभिषेक ने नगर के प्रसिद्ध नरसिंह देवालय पहुंचकर भगवान नरसिंह के दर्शन किए एवं श्रीफल अर्पित कर आशीर्वाद प्राप्त किया। अभिषेक की यह उपलब्धि क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणा का स्त्रोत बन गई है। उन्होंने यह साबित कर दिया कि प्रतिभा किसी बड़े शहर की मोहताज नहीं होती बल्कि दृढ़ संकल्प, कड़ी मेहनत और समर्पण के बल पर ग्रामीण अंचल के खिलाड़ी भी अंतरराष्ट्रीय मंच पर सफलता का परचम लहरा सकते हैं।

सूने घर का ताला तोड़ लाखों की चोरी

दमोह (स्वतंत्र मत)। कोतवाली थाना क्षेत्र के सिविल वार्ड एक शोभानगर में गुरुवार रात एक सूने घर से लाखों रुपए की चोरी हो गई। पीड़ित आकाश चौरसिया खाटू श्याम जी के दर्शन करने गए थेए तभी अज्ञात चोरों ने इस वारदात को अंजाम दिया। घर से करीब 2 लाख 70 हजार रुपए की नकदी चोरी हुई है। आकाश चौरसिया जो ऑटो चलाते हैं और शोभानगर में अकेले रहते हैं तीन दिन पहले खाटू श्याम जी के दर्शन के लिए गए थे। शुक्रवार सुबह जब वे स्टेशन पर उतरे तो उन्हें मोहल्ले के लोगों का फोन आया कि उनके घर के दरवाजे का ताला टूटा हुआ है। वे तत्काल घर पहुंचे। घर पहुंचने पर आकाश ने देखा कि अलमारी खुली थी और सारा सामान बिखरा पड़ा था। अलमारी में रखे करीब 2 लाख 70 हजार रुपए गायब थे। इसके बाद उन्होंने तुरंत कोतवाली पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का मुआयना किया।

सुनार नदी में जलस्तर बढ़ने के बावजूद स्टॉप

डेम से छलांग लगा रहे बच्चे, हादसे की आशंका

हटा (स्वतंत्र मत)

नगर के नावघाट स्थित सुनार नदी इन दिनों बच्चों की जलक्रीड़ा का केंद्र बनी हुई है। पंचमनगर परियोजना से पानी छोड़े जाने के बाद नदी का जलस्तर बढ़ गया है और नावघाट पर बना स्टॉप डेम पूरी तरह जलमग्न हो चुका है। इसके बावजूद प्रतिदिन सैकड़ों बच्चे डूबे हुए स्टॉप डेम से नदी में छलांग लगाकर नहाते और तैरते नजर आ रहे हैं। बच्चे बिना किसी सुरक्षा व्यवस्था के गहरे पानी में उतर रहे हैं जिससे किसी भी समय बड़ा हादसा होने की आशंका बनी हुई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि नदी किनारे न तो चेतावनी बोर्ड लगाए गए हैं और न ही प्रशासन द्वारा सुरक्षा के कोई इंतजाम किए गए हैं। बच्चों को गहराई में जाने से रोकने के लिए भी कोई निगरानी नहीं दिखाई दे रही है। गौरतलब है कि सुनार नदी में डूबने से पूर्व में कई बच्चों और लोगों की मौत हो चुकी है लेकिन इसके बावजूद लोग और बच्चे ऐसे खतरनाक स्थानों पर जाने से बाज नहीं आ रहे हैं। लगातार सामने आ रहे जोखिम के बावजूद प्रशासन की उदासीनता चिंता का विषय बनी हुई है। स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से नावघाट क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ानेए चेतावनी बोर्ड लगाने तथा बच्चों को खतरनाक स्थानों पर जाने से रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाने की मांग की है ताकि किसी अप्रिय घटना को समय रहते टाला जा सके।

संदिग्ध परिस्थितियों में युवक की मौत शव रखकर प्रदर्शन

दमोह (स्वतंत्र मत)

युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो जाने के बाद न्याय की मांग करते हुए गांव के लोगों में सब रखकर प्रदर्शन किया। घटना के संबंध में बताया गया है कि जिले के रजपुरा थाना क्षेत्र के बरी कनौरा गांव में जब एक युवक की संदिग्ध मौत के बाद परिजनों और ग्रामीणों ने शव को सड़क पर रखकर जाम लगा दिया। ओर परिजनों ने गांव के एक आटा चक्की संचालक पर मारपीट का आरोप लगाया है। मृतक की पहचान 35 वर्षीय ब्रजेश यादव के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार शुक्रवार दोपहर ब्रजेश अपनी नातिन के साथ गेहूं पिसाने के लिए गांव की आटा चक्की पर गए थे। इसी दौरान दुकान के अंदर जाने पर संचालक ने गाली-गलौज की जिस पर विवाद बढ़ गया। परिजनों का आरोप है कि विवाद के बाद आरोपी ने लोहे के बांट से ब्रजेश की नाक पर हमला किया। इसके बाद देर शाम कुछ लोगों के साथ उनके घर पहुंचकर दोबारा मारपीट की गई। परिजनों ने यह भी आरोप लगाया कि वे शिकायत दर्ज कराने थाने गए लेकिन उनकी रिपोर्ट नहीं लिखी गई और उन्हें वापस भेज दिया गया। इसके बाद युवक की हालत बिगड़ गई और उसकी मौत हो गई। युवक की मौत से गुस्साए परिजनों ने शनिवार सुबह शव को सड़क पर रखकर दमोह-छतरपुर मार्ग पर जाम लगा दिया जिससे यातायात प्रभावित हुआ और वाहनों की लंबी कतार लग गई। सूचना मिलने पर रजपुरा और आसपास के थानों की पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को समझाने का प्रयास किया। पुलिस अधीक्षक आनंद कलादगी ने बताया कि मामले की जांच कराई जा रही है और परिजनों को उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया गया है।

शपथ पत्र

मैं मकबूल अहमद कादरी (आयु 56 वर्ष) पिता स्व.श्री शेर बाबू निवासी म.नं. 1865/1, नूरी नगर, गौस चक्की के आगे, लाल बहादुर शास्त्री वार्ड, जबलपुर म.प्र. 482002 आधारकार्ड नं. 4819 2878 0375 मो. नं. 7067339707 मैं शपथ पूर्वक निम्नलिखित कथन करता हूं:-

1. यह कि मैं भारत का नागरिक हूं, जबलपुर म.प्र. का ही मूल निवासी हूं। 2. यह कि मैं उपरोक्त पते पर स्थाई रुप से निवास कर रहा हूं। 3. यह कि जन्म तारीख 28/08/1970 है। यह कि मेरे विरुद्ध थाना गोहलपुर जिला जबलपुर म.प्र. व भारत के किसी भी पुलिस स्टेशन में कोई आपराधिक प्रकरण दर्ज नहीं है। 5. यह कि मेरे विरुद्ध जबलपुर म.प्र. व भारत के किसी भी न्यायालय में कोई भी आपराधिक प्रकरण लंबित नहीं है, न ही मैं किसी राजनैतिक गतिविधियों में संलग्न रहा हूं और न ही मुझे किसी भी न्यायालय द्वारा दाण्डित किया गया है, आज दिनांक 06/06/2026 तक। 6. यह कि पासपोर्ट के लिए चरित्र सत्यापन के संबंध में यह शपथ पत्र प्रस्तुत है।

शपथकर्ता
मकबूल अहमद कादरी

➤ नयागांव स्थित व्यू प्वाइंट में वारदात

बीटेक छात्र से चाकू अड़ाकर की लूट

जबलपुर। गोरखपुर थाने में 19 वर्षीय आयुष नेमा निवासी स्टेशन रोड मदनमहल ने रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया की वह ग्लोबल कॉलेज में बीटेक की पढ़ाई कर रहा है शाम लगभग 6 बजे अपने साथी तनिष्क सिंह ठाकुर, साहिल श्रीवास के साथ साई नगर व्यू प्वाइंट नयागांव रामपुर घूमने गया था। तभी वहां पर 4 लड़के आये जिसमे से एक लड़के ने उसकी गर्दन में चाकू अड़ा दी तथा एक लड़के ने उसका मोबाइल व गले में पहनी चांदी की चैन छीन ली और भाग गये। जिसके बाद पुलिस ने अपराध पंजीबद्ध करते हुए मामले की जांच शुरू कर दी है।

➤ गैस सिलेंडर ना मिलने से नाराज

उपभोक्ताओं ने लगाया हाइवे पर जाम

सिहोरा (स्वतंत्र मत)। गैस सिलेंडर की लगातार हो रही कमी और ऑनलाइन बुकिंग निरस्त होने से नाराज उपभोक्ताओं ने शनिवार को सुविधा गैस एजेंसी के सामने राष्ट्रीय राजमार्ग-30 पर चक्काजाम कर दिया। बड़ी संख्या में महिलाएं, बच्चे और ग्रामीण क्षेत्र के उपभोक्ता सड़क पर उतर आए, जिससे हाईवे के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और यातायात प्रभावित हो गया। प्रदर्शन कर रहे उपभोक्ताओं का आरोप है कि उनकी ऑनलाइन गैस बुकिंग बार-बार बिना कारण निरस्त की जा रही है, जिसके चलते उन्हें समय पर घरेलू गैस सिलेंडर नहीं मिल पा रहे हैं।

'आज स्वस्थ्य दांत-कल सुंदर मुस्कान'

हितकारिणी डेंटल कॉलेज और आईडीए द्वारा 'पीडोऑरा-2' का आयोजन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

हितकारिणी सभा द्वारा संचालित, हितकारिणी दंत चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल के बल दंत चिकित्सा विभाग एवं इंडियन डेंटल एसोसिएशन, जबलपुर शाखा के संयुक्त तत्वावधान में 'द हॉलीवुड स्माइल' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय सतत दंत चिकित्सा शिक्षा कार्यशाला 'पीडोऑरा-2' का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में देश की प्रख्यात दंत चिकित्सा विशेषज्ञ डॉ. तस्लीम शेख, एमडीएस, 3एम कनिकल स्पेशलिस्ट, पश्चिम क्षेत्र, भारत ने मुख्य वक्ता के रूप में प्रतिभाग किया। कार्यशाला में बच्चों हेतु साक्ष्य-आधारित विनियर प्रोटोकॉल, युवा स्थायी दांतों पर व्यावहारिक प्रदर्शन, सौंदर्य एवं कार्यात्मक परिणामों पर केस चर्चा, न्यूनतम आक्रामक निवारक तकनकों तथा भविष्य के डिजिटल वर्कफ़्लो एवं सीएडी/सीएएम विनियर पर विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।

कार्यशाला का विशेष आकर्षण डायरेक्ट विनियर तकनीक पर केंद्रित व्यवहारिक सत्र रहा। डॉ. तस्लीम शेख ने बताया कि डायरेक्ट कम्पोजिट विनियर एक अत्याधुनिक एवं न्यूनतम आक्रामक प्रक्रिया है, जिसमें दांत की सतह पर सीधे कम्पोजिट रेजिन सामग्री लगाकर उसे प्राकृतिक एवं सौंदर्यपूर्ण रूप दिया जाता है। यह तकनीक विशेष रूप से बच्चों एवं युवा रोगियों के लिए अत्यंत उपयोगी है, क्योंकि इसमें दांत को बहुत कम घिसना पड़ता है, लैब की आवश्यकता नहीं होती और उपचार एक ही बैठक में पूर्ण हो जाता है। प्रतिभागी दंत चिकित्सकों ने मॉडल पर स्वयं डायरेक्ट विनियर लगाने का अभ्यास किया एवं इस तकनीक की बारीकियों को प्रत्यक्ष रूप से सीखा।

कार्यशाला के मार्गदर्शक

हितकारिणी दंत चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल के निदेशक डॉ. राजेश बी. धीरावाणी एवं अधिष्ठाता डॉ. रोहित मिश्रा, बाल दंत चिकित्सा विभाग की विभागाध्यक्ष एवं आयोजन अध्यक्ष डॉ. देबाप्रिया प्रधान, आयोजन सचिव एवं सह-प्राध्यापक डॉ. सौरभ तिवारी (आईडीए जबलपुर शाखा मानद सचिव), कार्यक्रम समन्वयक डॉ. रक्षा ठाकुर, डॉ. प्रियंका दोसाज एवं डॉ. प्रियम्वदा शर्मा के कुशल मार्गदर्शन में यह कार्यशाला अत्यंत सफलतापूर्वक संपन्न हुई।

बड़ी संख्या में पहुंचे दंत चिकित्सक

आईडीए मध्यप्रदेश राज्य शाखा के अध्यक्ष डॉ. जी. डी. अवधिया, उपाध्यक्ष डॉ. अनिमेष अग्रवाल, उपाध्यक्ष डॉ. लोकेश सिंह राजपूत, आईडीए जबलपुर शाखा के अध्यक्ष डॉ. विवेक गुप्ता एवं सीडीई प्रतिनिधि डॉ. नेहा असरानी तथा विभाग की स्नातकोत्तर टीम- डॉ. डेलना माइकल कपूर, डॉ. देविका अग्रवाल, डॉ. कार्तिक सिन्हा, डॉ. आर्या जैन, डॉ. कोडिमेला ज्योतिप्रिया, डॉ. विधि गोपलानी, डॉ. प्रीयल आहूजा, डॉ. साई कृष्णन एवं डॉ. साक्षी सोनी के सहयोग से इस कार्यशाला का सफल आयोजन संभव हो सका। इस कार्यशाला में जबलपुर एवं आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में दंत चिकित्सकों ने भाग लिया एवं व्यावहारिक सत्र में उपस्थित प्रतिभागियों ने नवीन तकनीकों का प्रशिक्षण प्राप्त किया।

एमपीपीएससी को परिणाम घोषित करने की सशर्त अनुमति

असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती मामला, मप्र हाईकोर्ट ने दिया आदेश

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

मप्र हाईकोर्ट ने असिस्टेंट प्रोफेसर (कंप्यूटर विज्ञान) भर्ती परीक्षा-2024 के परिणामों को लेकर महत्वपूर्ण अंतरिम आदेश पारित किया है। जस्टिस प्रणय वर्मा और जस्टिस जेके पिल्लई की वेकेशन बेंच ने मप्र लोक सेवा आयोग (एमपीपीएससी) को भर्ती परीक्षा के परिणाम घोषित करने की सशर्त अनुमति प्रदान की है। कोर्ट ने निर्देश दिया है कि जिन अभ्यर्थियों ने इस भर्ती प्रक्रिया को चुनौती देते हुए याचिकाएं दायर की हैं, उनके परिणाम सीलबंद लिफाफे में सुरक्षित रखे जाएं ताकि आवश्यकता पड़ने पर उन्हें न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जा सके। मामले की अगली सुनवाई दो सप्ताह बाद निर्धारित की गई है। मामले में छतरपुर के अतिथि विद्वान हरचंडी अहिरवार सहित अन्य अभ्यर्थियों ने याचिकाएं दायर की हैं। इन याचिकाओं में उच्च शिक्षा विभाग और एमपीपीएससी द्वारा 24 एवं 30 दिसंबर 2024 को जारी असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती विज्ञापनों को चुनौती दी गई है।

पहले इंटरव्यू में शामिल करने का दिया था आदेश- दरअसल इस मामले में 17 मार्च 2026 को सुनवाई के दौरान मप्र हाईकोर्ट ने अंतरिम आदेश पारित करते हुए कहा था कि जिन याचिकाकर्ताओं ने लिखित परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है, उन्हें साक्षात्कार (इंटरव्यू) में शामिल होने दिया जाए। हालांकि कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया था कि न्यायालय की अनुमति के बिना इंटरव्यू के परिणाम घोषित नहीं किए जाएंगे। मार्च के अंतरिम आदेश के बाद एमपीपीएससी ने हाईकोर्ट में आवेदन प्रस्तुत कर कहा कि परिणाम जारी न कर पाने के कारण भर्ती प्रक्रिया प्रभावित हो रही है। आयोग ने अदालत से परिणाम घोषित करने की अनुमति मांगी। वेकेशन बेंच ने आयोग की दलीलों को स्वीकार करते हुए कहा कि जिन उम्मीदवारों ने कोई याचिका दायर नहीं की है, उनके परिणाम घोषित किए जा सकते हैं। याचिकाकर्ताओं के परिणाम फिलहाल सार्वजनिक नहीं किए जाएंगे। उनके परिणाम सीलबंद लिफाफे में रखे जाएंगे और आगे न्यायालय के अंतिम निर्णय के अधीन रहेंगे।

नाटा के प्रथम चरण की परीक्षा के लिए अंतिम तिथि 13 जून तक

हितकारिणी आर्किटेक्चर कॉलेज में काउंसिलिंग जारी

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

आर्किटेक्चर के क्षेत्र में करियर बनाने की इच्छा रखने वाले विद्यार्थियों के लिए हितकारिणी कॉलेज ऑफ आर्किटेक्चर एंड टाउन प्लानिंग, जबलपुर ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए बी.आर्क. प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ कर दी है। महाविद्यालय द्वारा जारी जानकारी के अनुसार प्रवेश केंद्रीय ऑनलाइन काउंसलिंग प्रक्रि या के माध्यम से किए जाएंगे। नेशनल एप्टीट्यूड टेस्ट इन आर्किटेक्चर (नाटा) 2026 के लिए ऑनलाइन पंजीकरण प्रक्रिया जारी है। यह परीक्षा कौंसिल ऑफ आर्किटी द्वारा आयोजित की जाती है और देशभर के बी.आर्क. पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए मान्य है।

नाटा 2026 के लिए ऑनलाइन आवेदन 9 मार्च 2026 से शुरू हो चुके हैं। परीक्षा का प्रथम चरण 4 अप्रैल से 13 जून 2026 तक प्रत्येक शुक्रवार और शनिवार को आयोजित किया जा रहा है, जबकि दूसरा चरण 7 एवं 8 अगस्त 2026 को होगा। अभ्यर्थी अपनी सुविधा के अनुसार परीक्षा तिथि का चयन कर सकते हैं। परीक्षा में अभ्यर्थियों की रचनात्मक सोच, ड्राइंग क्षमता, दृश्य बोध, तार्किक विश्लेषण तथा वास्तुकला संबंधी योग्यता का मूल्यांकन किया जाता है। 12वीं कक्षा में गणित विषय के साथ अध्ययनरत अथवा उत्तीर्ण विद्यार्थी इसके लिए आवेदन कर सकते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार स्मार्ट सिटी, शहरी विकास और आधुनिक निर्माण परियोजनाओं के विस्तार के साथ आर्किटेक्ट्स की मांग लगातार बढ़ रही है। ऐसे में नाटा परीक्षा विद्यार्थियों के लिए इस क्षेत्र में प्रवेश का महत्वपूर्ण माध्यम बन गई है।

काउंसिलिंग सेल के माध्यम से नियमित मार्गदर्शन प्राप्त- इस संबंध में हितकारिणी कॉलेज ऑफ आर्किटेक्चर एंड टाऊन प्लानिंग की तरफ से बताया गया कि महाविद्यालय में काउंसिलिंग सेल के माध्यम से नियमित मार्गदर्शन दिया जा रहा है। फ्री गाइडेंस के लिए काउंसिलिंग सेल के मोबाइल नंबर 9826609208 पर संपर्क किया जा सकता है। ज्ञात हो कि वर्ष 2009 में स्थापित हितकारिणी कॉलेज ऑफ आर्किटेक्चर एंड टाउन प्लानिंग, हितकारिणी सभा की प्रमुख शैक्षणिक संस्थाओं में से एक है। यह संस्थान काउंसिल ऑफ आर्किटेक्चर से अनुमोदित तथा राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय से संबद्ध है। महाविद्यालय आधुनिक स्टूडियो, पुस्तकालय, कंप्यूटर लैब तथा हरित परिसर जैसी सुविधाओं के साथ गुणवत्तापूर्ण वास्तुकला शिक्षा प्रदान कर रहा है। महाविद्यालय प्रबंधन ने विद्यार्थियों और अभिभावकों से समय रहते पंजीकरण एवं काउंसलिंग प्रक्रिया में भाग लेने का आग्रह किया है। संस्थान का उद्देश्य विद्यार्थियों को वास्तुकला, शहरी नियोजन और सतत विकास के क्षेत्र में उत्कृष्ट अवसर उपलब्ध कराना है।

उन्नत प्रयोगशाला, आधुनिक अनुसंधान तकनीकों से विद्यार्थियों को मिलेगा शिक्षा में लाभ

हितकारिणी कॉलेज ऑफ फार्मेसी एवं आईटीएलएस के बीच साइन हुआ एमओयू

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

हितकारिणी कॉलेज ऑफ फार्मेसी व इंस्टीट्यूट ऑफ ट्रांसजीन लाइफ साइंसेज (आईटीएलएस), लखनऊ के मध्य शैक्षणिक, अनुसंधान एवं कौशल विकास गतिविधियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) हस्ताक्षरित किया गया। उल्लेखनीय है कि महाविद्यालय के बी फार्मा तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों राजसी अग्निहोत्री एवं विश्वजीत ने आईटीएलएस, लखनऊ में एक माह का प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूर्ण किया। यह प्रशिक्षण महाविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट कोऑर्डिनेटर चित्रांश खरे के मार्गदर्शन एवं समन्वय में आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान दोनों संस्थानों के मध्य शैक्षणिक एवं अनुसंधान सहयोग की संभावनाओं पर सकारात्मक संवाद स्थापित हुआ, जो आगे चलकर इस एमओयू के रूप में परिणत हुआ।

कई गतिविधियों का होगा आयोजन

एमओयू के अंतर्गत दोनों संस्थान संयुक्त रूप से शोध परियोजनाओं, छात्र इंटर्नशिप, औद्योगिक प्रशिक्षण, विशेषज्ञ व्याख्यान, कार्यशालाओं, संगोष्ठियों, फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम्स तथा कौशल विकास गतिविधियों का आयोजन करेंगे। इसके अतिरिक्त विद्यार्थियों एवं संकाय सदस्यों को उन्नत प्रयोगशाला सुविधाओं, आधुनिक अनुसंधान तकनीकों तथा उद्योग-अकादमिक सहयोग से जुड़े अवसरों का लाभ प्राप्त होगा। इस अवसर पर दोनों संस्थानों के प्रतिनिधियों ने कहा कि यह सहयोग विद्यार्थियों को व्यावहारिक ज्ञान, अनुसंधान कौशल तथा रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। साथ ही नवाचार, उद्यमिता एवं ट्रांसलेशनल रिसर्च को भी प्रोत्साहन मिलेगा।

खुलेंगे नए अवसरों के द्वार

महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. कविता शुक्ला ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ उद्योग एवं अनुसंधान संस्थानों से जुड़ाव समय की आवश्यकता है तथा यह सहयोग विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के लिए नए अवसरों के द्वार खोलेगा। यह समझौता हितकारिणी कॉलेज ऑफ फार्मेसी के अध्यक्ष एचएस ओबेरॉय एवं हितकारिणी सभा के सचिव बाबू विश्वमोहन के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राध्यापकगण, शोधार्थी एवं छात्र छात्राएं उपस्थित रहे। अंत में दोनों संस्थानों ने शिक्षा, अनुसंधान एवं नवाचार के क्षेत्र में दीर्घकालिक सहयोग बनाए रखने तथा उत्कृष्टता के नए आयाम स्थापित करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

ट्रेनी जूनियर इंजीनियर्स ने किया फील्ड विजिट

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको)के नवागत जूनियर इंजीनियरों का प्रशिक्षण प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में चल रहा है। इसी क्रम में इंदौर-उज्जैन क्षेत्र के 10 ट्रेनी जूनियर इंजीनियरों के एक बैच को 132 केवी सबस्टेशन बरोठा (देवास)की फील्ड विजिट करवाई गई । एमपी ट्रांसको के एक्स्ट्रा हाई वोल्टेज निर्माण के सहायक अभियंता संदीप उमदेकर की पहल पर आयोजित इस विजिट में 132 के वी सबस्टेशन बरोठा में 132 केवी देवास-चापड़ा लाइन का 132 केवी सबस्टेशन बरोठा में लाइन इन लाइन आउट किए जाने के महत्वपूर्ण स्ट्रिंग कार्य का व्यावहारिक अनुभव दिया गया।

मंदिर जा रही वृद्ध महिला से लूट

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। विजयनगर थाने में 50 वर्षीय सुपारस जैन निवासी शिवनगर कदम गार्डन के पास विजयनगर ने रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया की उसकी मॉ आशा जैन प्रतिदिन की तरह सुबह शिवनगर जैन मंदिर गयी थी। शिवनगर टंकी के पास 2 अज्ञात व्यक्ति बाइक से आये और माताजी के गले में पहनी हुयी सोने का मंगलसूत्र खींचकर ले गये।

नहाते समय बरगी डेम में डूबा युवक, मौत

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

बरगी डेम घूमने आए एक युवक की नर्मदा नदी में डूबने से दर्दनाक मौत हो गई। मृतक की पहचान गोरखपुर कटंगा निवासी ईश्वर सिंह के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि वह अपने परिवार के साथ बरगी डेम क्षेत्र घूमने आया था। जानकारी के अनुसार ईश्वर सिंह पुलघाट में नर्मदा नदी में नहाने उतरे थे। इसी दौरान वह गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे। आसपास मौजूद लोगों ने उन्हें बचाने का प्रयास करते हुए तुरंत

नदी में छलांग लगाई और काफी मशक्कत के बाद बाहर निकाला, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। इधर घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पंचनामा कार्रवाई शुरू की। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से नदी किनारे सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाने और चेतावनी बोर्ड लगाने की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके।

हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक**- **राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक**- **सुबोध दुबे, सम्पादक**- **राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी। ई-मेल-**smatjbp1@ gmail.com,** फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2026-28, **RNI No. 64561/96.**